वार्षिक प्रतिवेदन
ANNUAL REPORT
2017-18

www.uou.ac.in

वार्षिक प्रतिवेदन

Annual Report

2017-18

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
Uttarakhand Open University
(Established by the Govt. of Uttarakhand vide Act. No. 23 of 2005)
उत्तराखण्ड सरकार का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय
विश्वविद्यालय मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर के पीछे (तीनपानी बाईपास) हल्द्वानी–263139, नैनीताल, उत्तराखण्ड
University Road, Behind Transport Nagar (Teenpani Bypass), Haldwani-263139, Nainital, Uttarakhand
Phone : 05946-261122, **Fax :** 05946-26432

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
Uttarakhand Open University
(Established by the Govt. of Uttarakhand vide Act. No. 23 of 2005)

वार्षिक प्रतिवेदन

Annual Report
2017-2018

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY

(Established by the Govt. of Uttarakhand vide Act No. 23 of 2005)

उत्तराखण्ड सरकार का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय मार्ग, ट्रान्सपोर्ट नगर के पीछे (तीनपानी बाईपास), हल्द्वानी- 263139, नैनीताल, उत्तराखण्ड
University Road, Behind Transport Nagar (Teenpani Bypass), Haldwani-263139, Nainital, Uttarakhand

सम्पादन

प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल - संयोजक
डॉ. शशांक शुक्ला - समन्वयक
डॉ. नन्दन कुमार तिवारी
मोहम्मद अकरम
शालिनी चौधरी
श्री विनीत पौडियाल

© उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी
प्रकाशक : उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी
मुद्रण :

विज्ञान-विज्ञानं विमुक्तये

University Grants Commission
Bahadur Shah Zafar Marg
New Delhi-110002 **2308-2766**

F.No.UGC/DEB/2013
Dated 14.10.2013

The Registrar/ Director
Of all the Indian Universities
(Deemed, State, Central Universities/
Institutions of National importance)

Subject: Equivalence of Degrees awarded by Open and Distance Learning (ODL) Institutions at par with Conventional Universities / Institutions

Sir/ Madam,

There are a number of Open and Distance Learning Institutions (ODLIs) in the country offereing Degree/ Diploma/ Certificate programmes through the mode of non formal education. These comprise Open Unviersities, Distance Education Universities, Deemed to be Unviersities, Institutions of National Importance or any Council/ Societies registered under the Society Registration Act 1860.

2. **A circular was earlier issued vide UGC letter Fl No.-52/2000 (CPP-11) dated May 05, 2004 (copy enclosed) mentioning that Degrees/Diplomas / Certificates / awarded by the Open Universities in conformity with the UGC notification of degree be treated as equivalent to corresponding awards of the traditional Unviersities in the country.**
3. **Attention is also invited to UGC circular No Fl-25/93(CPP-II) dated 28th July 1993 (copy enclosed) for recognition of degrees and diplomas as well as transfer of credit for course successfully completed by students between the two types of Universities / institutions is ensured without any difficulty.**
4. **The Government of India, in exercise of ots power conferred under section 20 (1) of UGC Act 1956, issued directions dated 29th December 2012 entrusting UGC with the responsibility of regulating higher education programme in open and distance learning (ODL) mode. Consequently, Universities/ Institutions desirous of offering any programme through distance mode would require recognition of UGC.**
5. **As you are aware, the Government of India has envisaged a greater role for the Open and Distance Education System. The envisaged role may be fulfilled by recognizing and treating the Degrees / Diplomas / Certificates awarded through distance mode at par with the degrees obtained through the formal system of education. Open and Distance Education System in the country is contributing a lot in expansion of Higher Education and for achieving target of GER, without compromising on quality. Non recognition / non equivalence of degrees of ODl Instituions for the purpose of promotion/ employment and pursuing higher education may prove a deterrent to many learners and will untimately defeat the purpose of Open and Distance Education.**
6. **Accordingly, the Degrees / Diplomas/ Certificates awarded for programmes conducted by the ODL institutions, recognized by DEC (erstwhile) and UGC, in conformity with UGC Notification on specification of Degrees should be treated as equivalent to the corresponding awards of the Degree/Diploma/Certificate of the traditional Universities/ Instituions in the country.**

(Vikram Sahay) 14/10

Director (Admn)
Tel: 011 23230405
Email: vikramsahay7@gmail.com

Encl: As above

Copy to:

1. **Secretary, Government of India, Ministry of Human Resource Development, Department of Higher Education, Shastri Bhawan, New Delhi-110 001**
2. **Secretary, All Indian Council for Technical Education, 7th Floor, Chandra Lok Building, Janpath, New Delhi.**
3. **Secretary, Association of Indian Unviersities, AIU House, 16 Comrade INdrajit Gupta Marg (Kolta Marg), New Delhi-110002.**

अनुक्रमणिका (Index)

	पृष्ठ संख्या
कुलपति की कलम से	1
आमुख (Preface)	2
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय: एक परिचय	3-4
विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति	5-9
1. पाठ्यचर्या आयाम (Curricular Aspects)	10-15
2. शिक्षण: अधिगम एवं मूल्यांकन (Teaching: Learning and Evaluation)	16-40
3. शोध, परामर्श एवं प्रसार (Research, Consultancy and Extension)	41-58
4. अधिसंरचना एवं अधिगम संसाधन (Infrastructure and Learning Resources)	59-65
5. शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ एवं प्रगति (Student Support and Progression)	66-75
6. प्रशासन, नेतृत्व एवं प्रबन्धन (Governance, Leadership and Management)	76-78
7. नवाचार एवं उत्तम क्रियायें (Innovations and Best Practices)	79-88
APPENDICES	89
Appendix I द्वितीय दीक्षान्त समारोह (Second Convocation)	90
Appendix II तृतीय दीक्षान्त समारोह (Third Convocation)	91
Appendix III विश्वविद्यालय के द्वितीय एवं तृतीय दीक्षान्त समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त विजेताओं की सूची (List of - Gold Medalist's- II & III Convocation)	92-93
Appendix IV कार्य परिषद् (Executive Council)	94
Appendix V विद्या परिषद् (Academic Council)	95
Appendix VI योजना परिषद् (Planning Board)	96
Appendix VII वित्त समिति (Finance Committee)	97
Appendix VIII विश्वविद्यालय प्राधिकरण के सदस्य (Members of the University Authority)	98-99
Appendix IX विश्वविद्यालयीय मानव संसाधन (Human Resource's of the University)	100-103
Appendix X उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम (Programmes of the University)	104-107
Appendix XI विश्वविद्यालय में पधारे गणमान्य व्यक्ति (Dignitaries Visiting the University)	108 – 109
Appendix XII विश्वविद्यालय स्थापना दिवस समारोह (Foundation Day)	110
Appendix XIII योग विभाग की कार्यशाला (Yoga Workshop's)	111-113
Appendix XIV वार्षिक लेखा (Financial Statements - 2017-18)	114-130
Appendix XV क्षेत्रीय केन्द्रों की सूची (List of Regional Centre's)	131
Appendix XVI अध्ययन केन्द्रों की सूची (List of Study Centre's)	132 – 149

कुलगीत

जहाँ ज्ञान श्रद्धा से जुड़ता, जहाँ ज्ञान चेतना बसे;
जहाँ ज्ञान का योग निरन्तर, जहाँ ज्ञान से मुक्ति मिले,
जहाँ ज्ञान से बिछुड़ों की भी आशाओं के दीप जले;
जहाँ सभी को ज्ञान-यज्ञ में आहुति का अधिकार मिले।

पीठ ज्ञान की मुक्त लिये रोली-कुंकुम।
श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं। श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानम्॥

पर्वत की श्रृंखला यहाँ दृढ़ता के पाठ पढ़ाती;
निर्मल जल-धारायें निशि-दिन कल-कल गीत सुनातीं,
भाँति-भाँति की औषधियाँ, फल-फूल, प्रकृति मुसुकाती;
देवभूमि की सुन्दरता से अमरावती लजाती।

पीठ ज्ञान की मुक्त लिये रोली-कुंकुम।
श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं। श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानम्॥

परम्परायें यहाँ ज्ञान की, तपोभूमि भारत की;
ज्ञानभूमि है यही विवेकानन्द, आदि-शंकर की,
धरा यही ऋषियों-मुनियों की, योग-ध्यान साधन की;
बहीं शारदा, सरयू, यमुना, कोख यही सुरसरि की।

पीठ ज्ञान की मुक्त लिये रोली-कुंकुम।
श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं। श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानम्॥

विद्या देती विनय-पात्रता, शुभ प्रसाद धन-सुख का;
ज्ञान मोक्ष का द्वार, यही उद्घोष देव-संस्कृति का,
नई विधायें, नई दिशायें, पथ नवीन आशा का;
मुक्त विश्वविद्यालय अपना, है अभियान प्रगति का॥

पीठ ज्ञान की मुक्त लिये रोली-कुंकुम।
श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं। श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानम्॥

विश्वविद्यालय के उद्देश्य

विश्वविद्यालय, दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से जिसमें किसी संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग भी है, अधिसंख्यक जनसमुदाय में शिक्षा और ज्ञान के प्रसार में अभिवृद्धि करेगा और अपने क्रियाकलापों को संचालित करने में अधोलिखित विनिर्दिष्ट उद्देश्यों का सम्यक् ध्यान रखेगा-

1-विश्वविद्यालय राज्य के विकास में रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए जो राज्य की समृद्ध परम्पराओं पर आधारित हो राज्य की जनता की संस्कृति और उसके मानवीय संसाधनों की उन्नति और अभिवृद्धि के लिए शिक्षा, शोध, प्रशिक्षण और विस्तारण के माध्यम से, प्रयास करेगा। इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए वह-

क. नियोजन की आवश्यकताओं से सम्बन्धित तथा देश की अर्थव्यवस्था के, उसके प्राकृतिक और मानवीय साधनों के आधार पर, निर्माण के लिए आवश्यक उपाधि, डिप्लोमा और प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रमों को प्रोत्साहित करेगा और उन्हें विविध प्रकार का बनायेगा;

ख. जनता के बड़े भागों और विशिष्टतया सुविधारहित समूह को, जैसे कि वे समूह जो दूरस्थ व ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे हैं, जिनके अंतर्गत श्रमजीवी जनता, घरेलू महिलायें और ऐसे वयस्क हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों में अध्ययन के माध्यम से ज्ञान बढ़ाने व अर्जित करने की इच्छा रखते हैं, उच्चतर शिक्षा तक उनकी पहुँच के लिए उपबन्ध करेगा;

ग. शीघ्रता से विकसित और परिवर्तित होने वाले समाज में ज्ञान के अर्जन का संवर्धन करेगा और मानव प्रयास के सभी क्षेत्रों में नव-परिवर्तन, अनुसन्धान, शोध के सन्दर्भ में ज्ञान, प्रशिक्षण और कुशलता बढ़ाने के लिए लगातार अवसर प्रस्तुत करने के लिए प्रयास करेगा;

घ. ज्ञान के नये क्षेत्रों में विद्या की अभिवृद्धि करने और उसे विशिष्टतया प्रोत्साहित करने की दृष्टि से विद्या के तरीकों और गति, पाठ्यक्रमों के मिश्रण, नामांकन की पात्रता, प्रवेश की आयु, परीक्षाओं के संचालन और कार्यक्रमों के प्रवर्तन के सम्बन्ध में सुनिश्चय और निर्बाध विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा की नई प्रणाली के लिए उपबन्ध करेगा;

ङ. औपचारिक पद्धति की अनुपूरक अनौपचारिक पद्धति का उपबन्ध करके और विश्वविद्यालयों द्वारा विकसित पाठों और अन्य सॉफ्टवेयर का व्यापक रूप से उपयोग करके गुणवत्ता के अन्तरण को और शिक्षण कर्मचारी वृन्द के विनिमय को प्रोत्साहित करके शैक्षणिक पद्धति के सुधार में सहयोग देगा;

च. देश की विभिन्न कलाओं, शिल्पों और कुशलताओं में, उनकी गुणवत्ता में सुधार करके जनता के लिए उनकी उपलब्धता में वृद्धि करके शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए उपबन्ध करेगा;

छ. ऐसे कार्यकलापों या संस्थाओं के लिए अपेक्षित शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए उपबन्ध या प्रबन्ध करेगा;

ज. अध्ययन के यथोचित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए उपबन्ध करेगा और अनुसन्धान को बढ़ावा देगा;

झ. अपने छात्रों के लिए परामर्श एवं मार्गदर्शन के लिए उपबन्ध करेगा; और

ञ. अपनी नीति एवं कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता व मानव व्यक्तित्व के समन्वित विकास में वृद्धि करेगा।

2- विश्वविद्यालय दूर और अनुवर्ती शिक्षा के विविध माध्यमों से उक्त उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्रयास करेगा और उच्चतर शिक्षा के विद्यमान विश्वविद्यालयों और संस्थाओं के सहयोग से कृत्य करेगा और नवीनतम ज्ञान का और नई शिक्षण प्रौद्योगिकी का ऐसी उच्च गुणवत्ता की शिक्षा देने के लिए जो समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप हो, पूर्ण उपयोग करेगा।

(उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अधिनियम, 2005)

महामहिम श्रीमती बेबी रानी मौर्य

श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

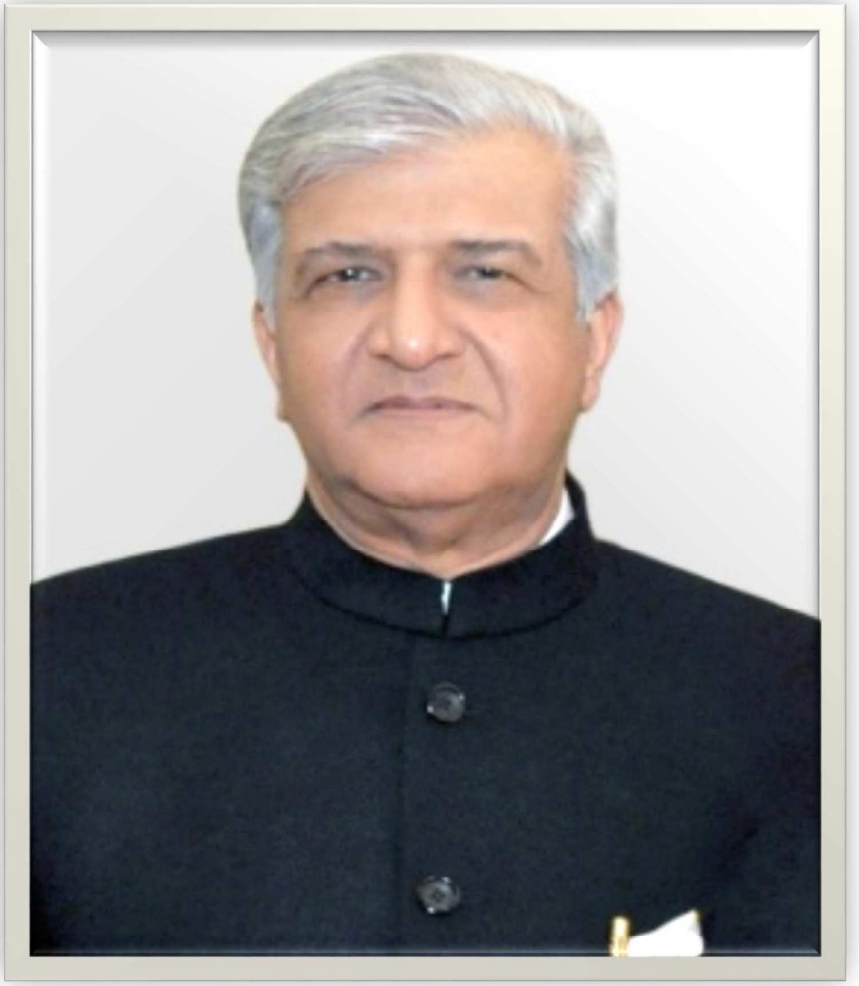

डॉ0 के0के0 पॉल, पूर्व राज्यपाल उत्तराखण्ड

एवं

कुलाधिपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

प्रोफेसर नागेश्वर राव

पूर्व कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

(3 मई 2016 – 16 जुलाई 2018)

प्रो० डी० के० नौड़ियाल
कुलपति

Prof. D.K. Nauriyal
Vice-Chancellor

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
Uttarakhand Open University

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

कुलपति के कलम से.....

ज्ञान शाश्वत चेतना के साथ ही समाज-सापेक्ष संरचना भी है। एक तरह से 'मूल' और 'विस्तार' दोनों। मूल जहाँ इसकी शाश्वतता निर्धारित करता है, वहीं विस्तार इसकी समाज-सापेक्षता। अर्थ यह है कि ज्ञान गत्यात्मक प्रत्यय है। यह कोई स्थिर दर्शन या सिद्धान्त नहीं है, अपितु मानवीय सभ्यता-संस्कृति की आवेगशीलता के सापेक्ष निरन्तर परिवर्तित-परिवर्द्धित प्रत्यय है। यही कारण है कि एक ओर वह परम्परा का अंग (अतीत/इतिहास) बनता है तो दूसरी ओर विज्ञान (सामाजिक अनुषंग एवं तत्वभूत पदार्थ) का। इस प्रकार ज्ञान आरोहणमूलक संस्कृति है। विश्वविद्यालय इसी आरोहण के सम्भूत केन्द्र हैं।

भारतीय ज्ञानात्मक चेतना/ विश्वविद्यालय की अवधारणा में माना गया है कि हम ऐसा केन्द्र निर्मित करें, जो छात्रों के भीतर प्रेम, करूणा, परोपकार, त्याग, शुचिता, मानवीयता सामाजिकता, सत्यग्राहिता जैसे भावों-सम्वेदों का उदय करें और उन्हें इनके धारण की पात्रता निर्मित करें। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ज्ञानात्मक औदार्य की परम्परा को निरन्तर विकसित करता रहा है। इसके शिक्षक अधिगम, पाठ्यक्रम, शैक्षिक कार्यक्रम इस तरह नियोजित किये जाते रहे हैं कि छात्रों के भीतर ज्ञानात्मक चेतना का सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक अनुप्रयोग दोनों एक साथ निर्मित हो सके। आज जब तकनीक केन्द्रित शिक्षा पर बल है तब यह सुखद आश्चर्य है कि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय तकनीक के माध्यम से अपने अकादमिक एवं प्रशासनिक कार्यों का निवर्हन कर कर रहा है। तकनीक पर आधारित शिक्षा युग-धर्म है। इस पद्धति ने हमारे मस्तिष्क को, शिक्षा को व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक ढंग से सोचने की दृष्टि प्रदान की है।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) के मापदण्डों पाठ्यक्रम पक्ष, शिक्षण अधिगम एवं मूल्यांकन, शोध परामर्श एवं प्रसार, अधिसंरचना एवं अधिगम संसाधन, शिक्षार्थी सहायता सेवायें एवं प्रगति, प्रशासन, नेतृत्व एवं प्रबन्धन, नवाचार एवं उत्तम क्रियायें जैसे मानकों के आधार पर संचालित हो रहा है। दूरस्थ शिक्षा की पद्धति में तकनीक शिक्षा के प्रसार में न केवल सहायक होता है, अपितु शिक्षा के कथ्य भी निर्धारित करता है। आज का ज्ञान सूचनात्मक हो चला है। इसके स्वरूप में अब शास्त्रीयता की जगह विज्ञान आ गया है। ऐसी स्थिति में दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अपने छात्रों को नये ढंग से शिक्षित कर रहा है।

मुझे हर्ष है कि विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नवीन कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। सत्र 2017-18 के बीच विश्वविद्यालय की अकादमिक एवं प्रशासनिक गतिविधयाँ उल्लेखनीय रही हैं। मैं इसके लिए विश्वविद्यालय के अध्यापकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देता हूँ। इस वार्षिक प्रतिवेदन को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् के मापदण्ड के अनुरूप तैयार किया गया है, इसके लिए मैं वार्षिक प्रतिवेदन के सम्पादक मण्डल के सभी सदस्यों को बधाई देता हूँ।

प्रोफेसर डी0के0 नौड़ियाल
कुलपति

Vishwavidhyalaya Marg, Near T.P Nagar, Haldwani -263139 (Nainital), Uttarakhand, विश्वविद्यालय मार्ग , निकट ट्रांसपोर्ट नगर , हल्द्वानी-263139 (नैनीताल) उत्तराखण्ड
Mob. : 9897179179, Ph. : 05946-263014, Fax: 05946-262032. Website: www.uou.ac.in, E-mail : vc@uou.ac.in

आमुख (Preface)

विश्वविद्यालय के इस महत्त्वपूर्ण प्रकाशन 'वार्षिक प्रतिवेदन' के माध्यम से मैं आपसे संवाद स्थापित कर रहा हूँ। यह प्रयास एक तरफ जहाँ उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आरम्भ की गई व्यावहारिक पहल की सफलता का अगला चरण है, वहीं यह विश्वविद्यालय द्वारा प्रदेश भर में संचालित किए जाने वाले दूरस्थ शिक्षा के प्रभावी कार्यक्रमों का लेखा-जोखा भी है। इस वार्षिक रिपोर्ट द्वारा हम न केवल उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की आंतरिक कार्य-प्रगति का सक्रिय ब्यौरा आप सभी के सामने सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत कर रहे हैं, बल्कि साथ – ही- साथ हम उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा निरंतर विकसित की जा रही शैक्षिक, सामाजिक, सूचना प्रौद्योगिक, नवीनतम तकनीकी एवं संचार माध्यमों की स्थिति से भी आपको अवगत कराने की कोशिश कर रहे हैं। यहाँ यह कहना भी प्रासंगिक होगा कि इसके माध्यम से ही हम विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर आयोजित सैद्धान्तिक विमर्शों, वैचारिक गोष्ठियों एवं व्याख्यानों से प्राप्त होने वाले निष्कर्षों को भी आप तक पहुँचाने का प्रयास करते हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय इस समय अपनी प्रगति यात्रा के 14वें वर्ष में चल रहा है। आप सभी को यह बताते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि विश्वविद्यालय के स्थापना काल से अब तक का समय उपलब्धियों से भरा रहा है। हम अकादमिक एवं तकनीकी क्षेत्रों में प्रदेश में अग्रणी भूमिका में रहे हैं। हमारी शैक्षिक पहुँच प्रदेश के कोने-कोने तक है, जहाँ हम अपनी भौगोलिक पहुंच में प्रदेश के सबसे बड़े विश्वविद्यालय हैं, वहीं तकनीकी कुशलता और गुणवत्तापरख मानवीय संसाधनों में भी सबसे आगे हैं। विभिन्न कारणों से उच्च शिक्षा से वंचित अथवा नियमित कक्षाओं में प्रवेश लेने में असमर्थ प्रदेश के दुर्गम स्थानों में निवास करने वाले सभी क्षेत्रों के लोगों की उच्च शिक्षा की प्राप्ति में सरलता प्रदान करना, इस विश्वविद्यालय की नैतिक जिम्मेदारी एवं लक्ष्य बन गया है। भौगोलिक कारणों तथा सामाजिक, आर्थिक परिस्थितियों एवं स्थानीय आवश्यकताओं की मांग के अनुरूप छात्रों के कौशल विकास पर बल देते हुए रोजगार हेतु सक्षम बनाने का गम्भीर प्रयास सतत् रूप से जारी है।

यह वार्षिक प्रतिवेदन उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के विगत वर्ष का परिचय पत्र, अकादमिक प्रगति और आत्मालोचन आधार-भूमि के त्रि-आयामी स्वरूप का वर्तमान प्रतिरूप है।

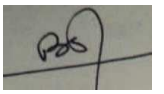

(भरत सिंह)

कुलसचिव

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी|

विश्वविद्यालय: एक परिचय

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना, उत्तराखण्ड शासन के एक्ट 23, 2005 द्वारा विधानसभा में पारित प्रस्ताव के माध्यम से हुई। इस विश्वविद्यालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य राज्य में दूरस्थ प्रणाली के माध्यम से उच्च शिक्षा को प्रदान करना, शिक्षा को रोजगारपरक एवं तकनीकी रूप में सर्वजन सुलभ ढंग से उत्तराखण्ड के दुर्गम क्षेत्रों तक के निवासियों तक पहुँचाना तथा शिक्षा को सर्वजन सुलभ बनाना है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना को 13 वर्ष से अधिक हो चुके हैं। इन 13 वर्षों में इस विश्वविद्यालय ने प्रगति की नित्य-नवीन ऊँचाइयों को छुआ है। सीमित अवधि और अल्प संसाधनों के बावजूद भी विश्वविद्यालय की अकादमिक और प्रशासनिक गतिविधियाँ राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखित होती रही हैं। आज यह विश्वविद्यालय उत्तराखण्ड का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है, जिसकी पहुँच उसके सभी जिलों व सुदूर क्षेत्रों तक है। वर्तमान में विश्वविद्यालय के मुख्यालय हल्द्वानी के अतिरिक्त देहरादून में भी एक क्षेत्रीय परिसर है। विश्वविद्यालय के 8 क्षेत्रीय केन्द्र तथा 246 अध्ययन केन्द्र हैं। मुक्त विश्वविद्यालय की संरचना में क्षेत्रीय केन्द्र तथा अध्ययन केन्द्र उसकी धमनियों के समान हैं, जिसके माध्यम से पूर्ण विश्वविद्यालय की गति प्रवाहित होती रहती है। मुक्त विश्वविद्यालय केन्द्र और विकेन्द्रीकरण का अद्भुत समन्वय होता है। एक ओर इसकी अपनी संदृष्टि और कार्य–उद्देश्य की पूर्ति के लिए विभिन्न केन्द्र होते हैं, अर्थात् एक केन्द्र और फिर उसके बहुकेन्द्र। इस प्रक्रिया में केन्द्रीयता भी होती है और जनबद्ध-बोझिल एकरूपता का अभाव भी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्रों पर संचालित होने वाले कार्यक्रम इसकी लोकधर्मिता, संजीवता व व्यापक प्रकार की ही प्रतिध्वनि हैं। इस विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान में 80 पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं, जिसमें मानविकी, समाज विज्ञान, विज्ञान आदि विषयों से लेकर प्रबन्धन, पर्यटन जैसे रोजगारपरक विषय भी हैं। सत्र 2017-2018 विश्वविद्यालय के लिए विशेष उपलब्धियों से युक्त रहा हैं।

- विश्वविद्यालय में सत्र 2017-18 में द्वितीय एवं तृतीय दीक्षान्त समारोह आयोजित किये गये। अकादमिक वर्ष में दो दीक्षान्त समारोहों का आयोजन विश्वविद्यालय के अकादमिक एवं प्रशासनिक कार्यनिष्ठा का ही सूचक है। द्वितीय दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि माननीय कुलाधिपति राज्यपाल, उत्तराखण्ड डॉ0 के0के0 पॉल थे। इन समारोहों की अध्यक्षता करते हुए दीक्षान्त उद्बोधन माननीय महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति डॉ0 के0के0 पॉल द्वारा दिया गया। तृतीय दीक्षान्त समारोह में माननीय उच्च शिक्षा मन्त्री डॉ0 धन सिंह रावत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। इन समारोहों में राज्य के प्रमुख विश्वविद्यालयों के कुलपति, प्रमुख पत्रकार, शिक्षाविद्, गणमान्य व्यक्ति विशेष रूप से उपस्थित थे।
- माननीय उच्च शिक्षा मन्त्री डॉ0 धन सिंह रावत की गरिमामयी उपस्थिति में विश्वविद्यालय में शौर्य दीवार का अनावरण किया गया। इससे छात्रों के भीतर राष्ट्र प्रेम एवं कर्तव्य की भावना को विकसित करने में विश्वविद्यालय अपनी भूमिका सफलतापूर्वक निर्वहन कर सका है।
- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के 12 वें स्थापना दिवस समारोह में बी0आर0 अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 वी0एस0 प्रसाद मुख्य अतिथि रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रसिद्ध पत्रकार एवं बुद्धिजीवी प्रोफेसर पुष्पेश पन्त थे। स्थापना दिवस के इस कार्यक्रम में मुक्त शिक्षा की अवधारणा पर प्रोफेसर प्रसाद का सारगर्भित वक्तव्य छात्रों के लिए विशेष लाभप्रद रहा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय ने अनेक शैक्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया।
- सत्र 2017-18 में विश्वविद्यालय ने दूरस्थ शिक्षा संवर्धन प्रकोष्ठ की स्थापना की। इस प्रकोष्ठ के माध्यम से विश्वविद्यालय के प्राध्यापक दुर्गम क्षेत्रों में जाकर छात्रों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का

महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। दूरस्थ शिक्षा संवर्द्धन प्रकोष्ठ के कई कार्यक्रमों में माननीय उच्च शिक्षा मन्त्री डॉ0 धन सिंह रावत की उपस्थिति रही, जो विश्वविद्यालय के लिए प्रेरणास्पद रही।

- अकादमिक दृष्टि से विश्वविद्यालय की प्रगति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही है। विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों के लिए 45 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों को विषय की अद्यतन जानकारी दी गई तथा साथ ही सम्बन्धित विषय के व्यवहार पक्ष को समझाया गया।
- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के सदस्यों द्वारा बड़े स्तर पर संगोष्ठियों में प्रतिभाग किया गया। इस अवधि में विश्वविद्यालय सदस्यों ने 100 से ज्यादा संगोष्ठियों में व्याख्यान / शोधपत्र पढ़े।
- विश्वविद्यालय के अकादमिक सदस्यों की शैक्षणिक प्रगति भी पर्याप्त सन्तोषप्रद रही । इस अवधि में उनके द्वारा अनेक शोधपत्रों / लेखों का प्रकाशन देश के विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुआ।
- विश्वविद्यालय के अकादमिक सदस्यों ने बड़े स्तर पर विश्वविद्यालय की स्वअध्ययन पाठ्यसामग्री हेतु इकाई लेखन करने के साथ-साथ उनका सम्पादन भी किया।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति

कुलपति, प्रोफेसर एस.एस. हसन (कार्यकाल : 22 नवम्बर 2005-15 जुलाई 2008)

22 नवम्बर, 2005 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के प्रथम पूर्णकालिक कुलपति प्रोफेसर एस.एस.हसन द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही विश्वविद्यालय ने व्यवस्थित रूप में कार्य करना प्रारम्भ किया। विश्वविद्यालय का औपचारिक शुभारम्भ 25 नवम्बर, 2005 को हल्द्वानी में आयोजित एक समारोह में तत्कालीन मुख्यमन्त्री श्री नारायण दत्त तिवारी द्वारा किया गया।

प्रमुख कार्य विवरण

- प्रो0 एस.एस.हसन ने विश्वविद्यालय में शैक्षिक कार्यक्रमों को प्रारम्भ करने के लिए 21-22 अप्रैल, 2006 को नैनीताल में एक कार्यशाला आयोजित करायी। इस कार्यशाला में भारत के विभिन्न राज्यों के मुक्त विश्वविद्यालयों के कुलपतियों तथा मुक्त व दूरस्थ शिक्षा प्रणाली से सम्बद्ध प्रतिष्ठित विद्वानों ने प्रतिभाग कर विचार-विमर्श किया। कार्यशाला में विस्तृत विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया कि शैक्षिक कार्यक्रमों के प्रथम चरण में कला, वाणिज्य और पर्यटन में स्नातक कार्यक्रमों को प्रारम्भ किया जाये तथा द्वितीय चरण में डिप्लोमा कार्यक्रम प्रारम्भ किये जायें।
- शैक्षिक सत्र 2006-07 में विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हुई और स्नातक वाणिज्य व स्नातक पर्यटन के साथ स्नातक कला के स्तर पर अंग्रेजी, उर्दू, इतिहास, राजनीति विज्ञान, लोक प्रशासन व समाज शास्त्र आदि विषयों में 2776 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया।
- शैक्षिक सत्र 2007-08 के लिए बी.ए., बी.कॉम., तथा बी.टी.एस. के साथ ही हॉस्पिटैलिटी एंड होटल एडमिनिस्ट्रेशन, टूरिज्म एवं संस्कृत भाषा में डिप्लोमा तथा टी.वी. रिपेयरिंग एंड मेन्टेनेन्स एवं उर्दू में प्रमाण पत्र कार्यक्रम छात्रों को उपलब्ध कराये गये।
- शैक्षिक सत्र 2007-08 में छात्रों ने डिप्लोमा इन टूरिज्म और 59 छात्रों ने डिप्लोमा इन होटल मेनेजमैण्ट कार्यक्रमों में तथा 1829 छात्रों ने स्नातक कार्यक्रमों सहित कुल 1898 छात्रों ने प्रवेश लिया।
- शैक्षिक सत्र 2008-09 में कुल 1503 छात्रों ने प्रवेश लिया, जिनमें 125 छात्रों ने डिप्लोमा कार्यक्रमों और 1378 छात्रों ने स्नातक कक्षाओं में प्रवेश लिया। प्रो0 हसन के कार्यकाल में सहायक प्राध्यापकों एवं प्राध्यापकों की नियुक्ति प्रक्रिया भी प्रारम्भ हुई और इन पदों के लिए आवेदन पत्र माँगे गये।

कुलपति के रूप में प्रोफेसर एस.एस.हसन का कार्यकाल, विश्वविद्यालय की संरचना निर्माण और उसको एक आधारशिला प्रदान करने से सम्बन्धित रहा। उन्होंने कला, वाणिज्य और पर्यटन में स्नातक कक्षाओं के साथ ही कुछ डिप्लोमा और प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम को भी आरम्भ किया और छात्रों के लिए लगभग 23 अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की। उत्तराखण्ड के सभी 13 जिलों में परीक्षा केन्द्र बनाकर परीक्षाओं का सफल संचालन सुनिश्चित कराया। विभिन्न चर्चाओं, बैठकों, गोष्ठियों एवं जनसंपर्क के द्वारा प्रोफेसर हसन ने उत्तराखण्ड में दूरस्थ शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य किया। दिनांक 15 जुलाई 2008 को प्रोफेसर हसन का कुलपति पद का कार्यकाल के उपरान्त 16 जुलाई 2008 से 24 नवम्बर 2009 तक राज्य के मुख्य सचिव श्री इन्दु कुमार पाण्डे ने कुलपति पद का अतिरिक्त प्रभार सम्भाला।

कुलपति, प्रोफेसर विनय कुमार पाठक (कार्यकाल: 25 नवम्बर 2009 – 24 नवम्बर 2012)

25 नवम्बर, 2009 को प्रोफेसर विनय कुमार पाठक ने उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के द्वितीय पूर्णकालिक कुलपति के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

प्रमुख कार्य विवरण

प्रोफेसर पाठक ने विश्वविद्यालय के विकास के लिए एक साथ अल्पकालिक और दीर्घकालिक योजनाओं पर कार्य करना प्रारम्भ किया।

- दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के ढाँचे को दृढ़ता से विकसित करने के लिए उत्तराखण्ड के सभी क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व देते हुए आठ क्षेत्रीय केन्द्र देहरादून, रूड़की, पौड़ी, उत्तरकाशी, हल्द्वानी, द्वाराहाट, पिथौरागढ़, एवं बागेश्वर में स्थापित हुए और केन्द्र निदेशकों की नियुक्ति हुई।
- अध्ययन की सुविधा के लिए 216 अध्ययन केन्द्र स्थापित किये गयें।
- शैक्षिक सत्र 2010-11 में विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या में भी अभूतपूर्व वृद्धि हुई और यह संख्या 7380 तक पहुँच गई।
- विश्वविद्यालय के प्रति जनसामान्य में जागरूकता हेतु अभियान चलाये गये एवं विश्वविद्यालय के प्रचार एवं प्रसार के लिए योजनाबद्ध रूप से सम्पर्क अभियानों को संचालित किया गया।
- अकादमिक गतिविधियों में तेजी लाई गयी और स्नातक के साथ ही स्नातकोत्तर स्तर और व्यावसायिक शिक्षा में भी पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए गये।
- अध्ययन सामग्री के लिए विभिन्न मुक्त विश्वविद्यालयों के साथ अनुबन्ध किए गये।
- विश्वविद्यालय में अनेक संगोष्ठियाँ, कार्यशालायें, परिचर्चा एवं सम्मेलन आदि आयोजित किए गये।
- विश्वविद्यालय ने सन 2010 में भीमताल में एक कार्यशाला आयोजित करायी। इस कार्यशाला में विभिन्न राज्यों के मुक्त विश्वविद्यालयों के कुलपतियों तथा मुक्त व दूरस्थ शिक्षा प्रणाली से सम्बद्ध प्रतिष्ठित विद्वानों ने प्रतिभाग कर विचार-विमर्श किया।
- विश्वविद्यालय की अध्ययन परिषद, कार्य परिषद, वित्त समिति का गठन किया गया और विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों की स्वीकृति के लिए विद्या परिषदों की बैठकें आयोजित की गयीं।
- विश्वविद्यालय ने छात्रों के हित में हिल्ट्रॉन, यूनीवर्सिटी18, केफे-टी, एफटीडीसी, इण्डो-डच, टाटा मोटर्स, आइकेसी पुणे, इण्टेल जैसी संस्थाओं के साथ अनुबन्ध किया।
- विश्वविद्यालय में आई.सी.टी. विभाग की स्थापना हुई और उत्कृष्ट सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विकसित हुई, जिसके तहत विद्यार्थियों के प्रवेश, पुस्तक वितरण, शुल्क, परीक्षा एवं अकादमिक स्टाफ से सम्बन्धित सभी सूचनाओं का डाटा बेस बनना आरम्भ हुआ।
- विश्वविद्यालय से सम्बन्धित सभी महत्वपूर्ण जानकारियाँ नवनिर्मित वैबसाइट में डाली गयीं तथा छात्रों को सूचना देने के लिए एसएमएस प्रणाली का उपयोग किया जाने लगा।
- छात्रों की समस्या हल करने के लिए टॉल फ्री नम्बर 18001804025 दिया गया और ऑनलाइन समस्या निवारण का प्रावधान भी किया गया।

- शैक्षिक सत्र 2011-12 में विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या बढ़कर 13729 तक जा पहुँची तो शैक्षिक सत्र 2012-13 में यह संख्या 21316 हो गयी।
- शैक्षिक सत्र 2012-13 से विश्वविद्यालय ने स्वनिर्मित पाठ्यसामग्री स्नातक स्तर के प्रथम वर्ष के छात्रों को देना प्रारम्भ किया।
- विभिन्न कार्यक्रमों के लिए स्वनिर्देशित अध्ययन सामग्री निर्माण के लिए कार्यशालायें एवं संगोष्ठियाँ आयोजित की गयीं। अकादमिक गतिविधियों में वृद्धि के लिए विभिन्न विषयों में सेमिनार का आयोजन किया गया।
- विश्वविद्यालय में लगभग 55 लाख रूपये की स्तरीय पुस्तकों से सम्पन्न केन्द्रीय पुस्तकालय की स्थापना की गई और विश्वविद्यालय की त्रैमासिक पत्रिका 'उड़ान' का प्रकाशन प्रारम्भ हुआ।
- 23 मई 2011 को तत्कालीन महामहिम राज्यपाल श्रीमती मार्ग्रेट अल्वा एवं माननीय मुख्यमन्त्री श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' द्वारा तीनपानी बाइपास के समीप विश्वविद्यालय परिसर की आधारशिला अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में रखी गयी और परिसर का निर्माण आरम्भ हुआ। सन 2012 के मध्य विश्वविद्यालय स्वयं के भवन में स्थानान्तरित हो गया।
- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का कम्युनिटी रेडियो 'हैलो हल्द्वानी 91.2 एफ.एम भी शुरू किया गया।

कुलपति के रूप में प्रोफेसर विनय कुमार पाठक का कार्यकाल विश्वविद्यालय की नींव को और मजबूत करते हुए तेजी से विकास का काल रहा। जब प्रोफेसर पाठक ने विश्वविद्यालय में कार्यभार ग्रहण किया तब विश्वविद्यालय में 05 स्नातक कार्यक्रम, 02 पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कार्यक्रम और 01 डिप्लोमा कार्यक्रम चल रहे थे। प्रोफेसर पाठक के कार्यकाल के अन्तिम चरण तक विश्वविद्यालय में 14 विषयों में पी-एच.डी., 33 परास्नातक, 10 स्नातक, 15 पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कार्यक्रम, 20 डिप्लोमा कार्यक्रम और 36 प्रमाण पत्र कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध थे। प्रोफेसर पाठक के कार्यकाल में अध्ययन केन्द्रों की संख्या भी 23 से बढ़कर 329 तक जा पहुँची। उनसे पूर्व कोई विद्याशाखा न थी; उन्होंने विश्वविद्यालय में नौ विद्याशाखाएँ स्थापित की। उनके कार्यकाल के आरम्भ में केवल 02 अधिकारी और 20 आकस्मिक कर्मचारी कार्यरत थे, कोई क्षेत्रीय केन्द्र न था, लेकिन विश्वविद्यालय में प्रोफेसर पाठक के कार्यकाल के अन्तिम चरण तक 10 अधिकारी, 05 प्रोफेसर, 17 असिस्टेन्ट प्रोफेसर स्थाई रूप से और लगभग 120 वैज्ञानिक/शैक्षिक परामर्शदाता/कर्मचारी संविदा अथवा निश्चित मानदेय पर कार्यरत थे तथा विश्वविद्यालय का एक पूर्ण विकसित ढाँचा विद्यमान था। 24 नवम्बर 2012 को प्रोफेसर पाठक का कुलपति पद का कार्यकाल के उपरान्त दिनांक 25 नवम्बर 2012 से 13 फरवरी 2013 तक प्रोफेसर एच.पी. शुक्ल ने कार्यकारी कुलपति के रूप में कार्य किया।

कुलपति, प्रोफेसर सुभाष धूलिया (कार्यकाल: 14 फरवरी 2013 – 13 अप्रैल 2016)

14 फरवरी 2013 को प्रोफेसर सुभाष धूलिया ने उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के तृतीय पूर्णकालिक कुलपति के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

प्रमुख कार्य विवरण

कार्यभार ग्रहण करने के उपरान्त प्रोफेसर धूलिया ने प्रोफेसर पाठक के समय हुए कार्यों को स्थायित्व देने और भविष्य में विश्वविद्यालय को विकास की नयी ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ अनेक समीक्षा बैठक की और भविष्य की योजना तैयार की।

- 18 अप्रैल 2013 को नये अकादमिक ब्लॉक का भूमि पूजन किया गया। शैक्षिक कार्यक्रमों को अधिक व्यवस्थित करने के उद्देश्य से 04 नई विद्याशाखाएँ स्थापित की गयीं और 49 शैक्षिक कार्यक्रमों को 13 विद्याशाखाओं के अन्तर्गत शामिल किया गया।
- विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई और शैक्षिक सत्र 2013-14 में विद्यार्थियों की संख्या 22272, शैक्षिक सत्र 2014-15 में 23875 और शैक्षिक सत्र 2015-16 में यह संख्या 33095 हो गयी।
- विश्वविद्यालय के बारे में जनसामान्य में जागरूकता हेतु अभियान चलाये गये, विश्वविद्यालय के प्रचार एवं प्रसार के लिए योजनाबद्ध रूप से सम्पर्क अभियानों को संचालित किया गया।
- विश्वविद्यालय द्वारा पाँच गावों को गोद लिया गया और इन गाँवों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने का संकल्प लिया गया। इन गाँवों में स्वास्थ्य परीक्षण के शिविर भी आयोजित किये गये।
- विश्वविद्यालय में अनेक संगोष्ठियाँ, कार्यशालायें, परिचर्चाएं, सम्मेलन आयोजित किये गये और विद्वत् जनों तथा प्रतिष्ठित व्यक्तियों का स्वागत एवं व्याख्यान आयोजित किये गये।
- दूरस्थ प्रणाली के तहत सुदूर गावों तक ज्ञान के प्रसार के लिए आभासीय कक्षाओं के संचालन हेतु प्रोफेसर धूलिया ने इलैक्ट्रोनिक मीडिया प्रोडॅक्शन सेण्टर स्थापित किया।
- विश्वविद्यालय पुस्तकालय में राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, दिल्ली के सहयोग से लगभग 6 हजार पुस्तकों व शोध पत्रिकाओं को कम्प्यूटरीकृत किया गया।
- उत्तराखण्ड राजकीय महाविद्यालयों में चलायी जा रही एड्यूसैट परियोजना के संचालन का दायित्व उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय को प्राप्त हुआ।

कुलपति के रूप में प्रोफेसर सुभाष धूलिया का कार्यकाल विश्वविद्यालय की नींव को और मजबूत करते हुए उसके संसाधनों को विकसित करते हुए व्यतीत हुआ। प्रोफेसर सुभाष धूलिया ने विश्वविद्यालय की अकादमिक विकास यात्रा को गति प्रदान की। प्रोफेसर धूलिया ने सम्पूर्ण पाठ्यसामग्री को ऑनलाइन कन्टेन्ट को विकसित करवाने की दिशा में कार्य किया। उनका यह विजन था की विश्वविद्यालय वर्चुअल क्लास रूम की स्थापना हो जिसका लाभ यहाँ के छात्रों को मिल सकें। इसके अतिरिक्त कम्प्यूटर एवं आइटी के क्षेत्र में कई नई परियोजनाओं के विकास का श्रेय भी प्रोफेसर धूलिया को जाता है।

कुलपति, प्रोफेसर नागेश्वर राव (कार्यकाल: 3 मई 2016 – 16 जुलाई 2018)

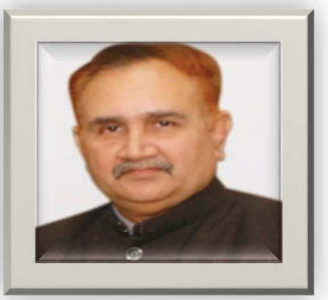

प्रोफेसर नागेश्वर राव ने 3 मई 2016 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के चतुर्थ कुलपति के रूप में अपना कार्यभार ग्रहण किया। अपने सवा दो वर्षों के कार्यकाल में आपने विश्वविद्यालय के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य सम्पादित किये।

प्रमुख कार्य विवरण :-

- कुलपति जी के निर्देशन में विश्वविद्यालय में पहली बार दीक्षान्त समारोह का आयोजन किया गया। अपने कार्यकाल में उन्होंने तीन

दीक्षान्त समारोहों का आयोजन क्रमश: 7 नवम्बर 2016, 17 अप्रैल 2017 तथा 14 नवम्बर 2017 को करवाया।

- विश्वविद्यालय को माननीय महामहिम कुलाधिपति राज्यपाल, उत्तराखण्ड के द्वारा 'गवर्नर बेस्ट यूनिवर्सिटी अवार्ड 2017' प्राप्त हुआ तथा इस विश्वविद्यालय को राज्य का दूसरा सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय घोषित किया गया।
- आपके कार्यकाल में विश्वविद्यालय में विविध विषयों में पाँच सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति की गई। साथ ही दस वर्षों से विश्वविद्यालय में कार्यरत तीन परिचालक तथा आठ कार्मिकों का समायोजन भी किया गया।
- इस अवधि में शासन स्तर से कई शैक्षिक व गैर शैक्षिक पदों का सृजन हुआ।
- 2016 में 5 आचार्य तथा 16 सहायक आचार्य सहित कुल 21 शैक्षिक पदों का स्थायीकरण हुआ।
- 2018 में 5 शैक्षिक तथा 2 शिक्षणेत्तर पदों का स्थायीकरण हुआ।
- छात्र हित में कई पाठ्यक्रमों का प्रवेश शुल्क आधा किया गया।
- विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या व गतिविधियों से सम्बन्धित लिखित सामग्रियों का निरन्तर प्रकाशन हुआ। जैसे – वार्षिक प्रतिवदेन, उड़ान, आदि।
- राज्य में व्यक्तिगत परीक्षा समाप्त होने पर छात्रों को विश्वविद्यालय से जोड़ने के लिए आपने विशेष प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ करवायी, जिससे छात्र संख्या 60 हजार के पार पहुँची।

1. पाठ्यचर्या आयाम

(Curricular Aspects)

किसी भी विश्वविद्यालय के लिए उसके शैक्षणिक कार्यक्रम उसके दृष्टिगत दायित्व के परिचालक होते हैं। विश्वविद्यालय जब किसी विषय में कोई पाठ्यक्रम संचालित करता है, उससे हम उसकी क्रियात्मकता एवं समाज के प्रति उसकी दृष्टि एवं उत्तरदायित्वों को समझ सकते हैं। शैक्षणिक कार्यक्रम विश्वविद्यालय के आंतरिक दर्शन का बाह्य विस्तार होता है, कारण यह है कि इन्हीं के माध्यम से वह अपने शैक्षिक–सामाजिक उत्तरदायित्वों का प्रसार करता हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का ध्येय उत्तराखण्ड के दूरस्थ व्यक्तियों को उच्च शिक्षा से तो जोड़ना है ही, साथ ही विश्वविद्यालय इस बात के लिए भी कृत संकल्प है कि राज्य एवं देश के अध्येताओं को तकनीकी एवं आधुनिक विषयों को उच्च शिक्षण सामग्री के साथ प्रस्तुत करे, जिससे अध्येताओं के सामने गम्भीर चिन्तन की पृष्ठभूमि प्रस्तुत हो सके। इस समय विश्वविद्यालय 80 पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है, जो परम्परागत पाठ्यक्रम (बी.ए, एम.ए., बी.कॉम, एम.कॉम) से लेकर आधुनिक रोजगारपरक विषयों से भी जुड़े हुए हैं। विश्वविद्यालय ने इस वर्ष कुछ नए पाठ्यक्रम चलाने का निर्णय लिया है। इन पाठ्यक्रमों में साइबर सुरक्षा, रेडियो जॉकी जैसे आधुनिक पाठ्यक्रम के साथ ही संस्कृत तथा ज्योतिष जैसे पाठ्यक्रम भी शामिल हैं। विश्वविद्यालय इस बात के लिए कृतसंकल्प है कि वह अपने पाठ्यक्रमों में परम्परागत शिक्षा के साथ ही आधुनिक ज्ञान-विज्ञान का भी समावेश कर सके।

1.1. कार्यक्रम की प्रकृति (Nature of the Programmes)

पाठ्यक्रम के बाह्य संरचना के स्तर पर इसे वार्षिक, सेमेस्टर, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में विभक्त किया गया है। बी.ए, एम.ए. जैसे परम्परागत पाठ्यक्रम वार्षिक हैं, जबकि एम.बी.ए., एम.जे.एम.जी एम.टी.एम, एम.एच.एम. जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को सेमेस्टर पद्धति के अनुसार रखा जाता है। भविष्य में बी.ए, एम.ए, बी.कॉम, एम.कॉम जैसे पारम्परिक पाठ्यक्रमों को भी सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत रखे जाने की योजना है। इसके अतिरिक्त व्यावसायिक एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रमों को डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स के अंतर्गत रखा गया है।

1.2. पाठ्यक्रम और क्रेडिट प्रणाली (Syllabus and Credit System)

मुक्त विश्वविद्यालय की शिक्षण पद्धति में प्रत्यक्ष शिक्षण पद्धति के कक्षा–अध्यापन के समतुल्य स्व-अध्ययन सामग्री का निर्माण किया जाता है। यह अध्ययन सामग्री कक्षा अध्यापन का लिखित प्रतिरूप है, इसलिए एक विशेष व्यवस्था के तहत इसे नियोजित किया जाता है। पाठ्यक्रमों की समयावधि सुनिश्चित करने के लिए इन्हें क्रेडिट प्रणाली के अंतर्गत विभाजित किया गया है। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में विभिन्न श्रेणी के पाठ्यक्रमों के लिए अलग-अलग क्रेडिट्स तथा अध्ययन अवधि निर्धारित की गयी है। इस व्यवस्था में एक (01) क्रेडिट का अभिप्राय 30 घंटे के छात्र अध्ययन के बराबर माना जाता है, जिसमें समस्त अध्ययन गतिविधियॉ शामिल हैं, जैसे: पढ़ने और स्वअध्ययन सामग्री (SLM) को समझने, ऑडियो सुनने, वीडियो देखने, परामर्श सत्र में भाग लेने, दूरसंवाद और सत्रीय कार्य लेखन, इत्यादि।

विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए निर्धारित क्रेडिट एवं सामान्य अवधि का विवरण निम्नवत हैं-

पाठ्यक्रम	निर्धारित क्रेडिट	पाठ्यक्रम की सामान्य अवधि
प्रमाण-पत्र	12-18	6 मास
डिप्लोमा / पी.जी. डिप्लोमा	28-36	1 वर्ष

स्नातक उपाधि (सामान्य / व्यावसायिक)	96-100	3 वर्ष
स्नातक उपाधि (प्राविधिक)	160-105	5 वर्ष
द्वितीय स्नातक उपाधि	32	1 वर्ष
स्नातकोत्तर उपाधि (सामान्य)	60-66	2 वर्ष
स्नातकोत्तर उपाधि (प्राविधिक/व्यावसायिक)	96-100	3 वर्ष

1.3. विद्याशाखाएं (Schools)

वर्तमान में, विश्वविद्यालय 13 विद्याशाखाओं एवं 49 विभागों के माध्यम से विभिन्न शैक्षिक पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है। ये विद्याशाखाएं निम्नलिखित हैं:-

1. कृषि एवं विकास अध्ययन
2. कम्प्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी
3. स्वास्थ्य विज्ञान
4. विज्ञान
5. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान
6. प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य
7. शिक्षाशास्त्र
8. मानविकी
9. समाज विज्ञान
10. विधि
11. पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन
12. पर्यटन, आतिथ्य एवं होटल प्रबंधन
13. व्यावसायिक अध्ययन

1.4. पाठ्यक्रम एवं स्व-अध्ययन सामग्री(Curriculum and SLM)

मुक्त विश्वविद्यालयी शिक्षा पद्धति का आधार स्वचिंतन, स्वाध्याय एवं स्व-निर्माण है । प्रत्यक्ष शिक्षण-पद्धति का आधार गुरू ज्ञान एवं गुरू व्यक्तित्व की समीपता है। प्रत्यक्ष शिक्षण- पद्धति में गुरू-शिष्य संवाद की पर्याप्त गुंजाइश तो है, किन्तु धीरे-धीरे उनका स्थान शिलाधर्मी गुरुओं के एकालापी वक्तव्य ने ले ली है। फलत: प्रत्यक्ष शिक्षण-पद्धति एकालाप तथा ज्ञान के आतंक तक सीमित होती चली गयी। मुक्त शिक्षण पद्धति ज्ञान के एकालापी पद्धति की जगह गुरू–शिष्य संवाद को स्थापित करती है। मुक्त विश्वविद्यालय की स्व-अध्ययन सामग्री गुरू की लिखित उपस्थिति है। श्रेष्ठ लेखकों /प्राध्यापकों द्वारा निर्मितअध्ययन सामग्री छात्रों को इस योग्य बनाती है कि वह स्वयं ही ज्ञान के आत्मसातीकरण की प्रक्रिया को सुनिश्चित कर सकें। ज्ञान की सार्थकता तब तक नहीं होती जब तक कि वह छात्र के भीतर स्वयं ही प्रश्न निर्मित करने की योग्यता न उत्पन्न कर दे। मुक्त शिक्षा पद्धति में स्तरीय अध्ययन सामग्री के माध्यम से हम यह कार्य करते हैं। स्व-अध्ययन सामग्री निर्माण में मनोवैज्ञानिक पद्धति का प्रयोग करते हुए छात्र के वातावरण, उसकी मानसिक गति-स्थिति तथा प्रश्नों –सामग्री के क्रमिक विस्तार के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया को वैज्ञानिक आधार प्रदान किया जाता है।

पाठ्यसामग्री का निर्माण दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के अत्यन्त महत्वपूर्ण घटकों में से है। पाठ्यक्रमों को सहज एवं बोधगम्य बनाने हेतु उन्हें सबसे पहले विषय केंद्रित खण्डों (ब्लॉक) में विभक्त किया जाता है। तत्पश्चात् प्रत्येक खण्ड को चार से छ: छोटी-छोटी इकाइयों में विभक्त किया जाता है। इस प्रक्रिया का मुख्य ध्येय यह है कि विद्यार्थी एक या दो चरण में एक इकाई का पूर्ण अध्ययन कर सके। पाठ्यवस्तु की शैली इस प्रकार नियोजित की जाती है कि वह कक्षा में अध्यापक की उपस्थिति को प्रतिबिंबित कर सके। इसलिए विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री के बीच-बीच में ऐसे प्रश्नों की श्रृंखला दी जाती है, जो उन्हें प्रेरित करने के साथ –साथ उस पाठ का तथ्यपरक ज्ञान भी करा सकें। कठिन तथा पारिभाषिक शब्दावली की आख्या द्वारा जटिल तथ्यों एवं विचारों को बोधगम्य बनाया जाता है। अध्ययनार्थियों को व्यापक एवं गहन अध्ययन के लिए उस विषय के महत्वपूर्ण तथा सहायक ग्रन्थों की सूची उपलब्ध करायी जाती है। इकाई के अन्त में दिये गये प्रश्न परीक्षा की तैयारी में विद्यार्थियों के लिए सहायक सिद्ध होते हैं।

1.5. ऑडियो – विजुअल सामग्री (Audio-visual Material)

दूरस्थ शिक्षा पद्धति को रोचक एवं प्रभावशाली बनाये जाने हेतु कुछ पाठ्यक्रमों में ऑडिया-विजुवल व्याख्यानों को विकसित किया गया है। ऑडियो-विजुअल की कुछ सामग्री विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। भविष्य के लिए यह प्रयास किया जा रहा है कि प्रत्येक पाठ्यक्रम हेतु इकाई/ ब्लॉक के अनुसार ऑडियो- विजुअल सामग्री का विकास किया जाए फलस्वरूप विद्यार्थी को पाठ्य की सामग्री समझने में और अपनी समझ को और अधिक बढ़ाने में सहायता मिल सके । विश्वविद्यालय के एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम के तहत ऑडियो–विजुअल व्याख्यानों को 'एडुसेट' के माध्यम से सरकारी महाविद्यालयों मे अपने स्वयं के अध्ययन केंद्रो से प्रसारित करने की योजना है,जिससे विद्यार्थियों को इसका अतिरिक्त लाभ मिल सके। इस दिशा में हमारे केंद्र कार्य कर रहे हैं और वे सफल रहे हैं।

1.6. स्व-अध्ययन पाठ्यसामग्री लेखन एवं प्रशिक्षण (Study material writing and training)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के कुछ एक वर्षों में ही अपनी पाठ्य सामग्री का निमार्ण प्रारंभ करा दिया था। आज विश्वविद्यालय ने लगभग सारे विषयों में अपनी पाठ्य सामग्री निर्मित कर ली है। विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री नवीन ज्ञान-विज्ञान, शोधपरक दृष्टि एवं तथ्यात्मकता से युक्त है। प्रत्येक विषय के समन्वयक के निर्देशन में विषय विशेषज्ञों की सहायता से विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री निर्मित की जाती है। विश्वविद्यालय की स्व-अध्ययन सामग्री प्रत्यक्ष शिक्षण का विकल्प होता है, इसलिए इसकी लेखन-प्रक्रिया सामान्य पुस्तक लेखन प्रक्रिया से भिन्न होती है। सामान्य लेखन में लेखक अपने मतों को अपने दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत कर देता है। उसके लेखन के केंद्र में कोई निश्चित पाठक नहीं होता। अत: वह अपने मत को व्यक्तिगत रूप देकर लिखता है। इस लेखन की अपनी स्तरीयता के अनुरूप ही पाठक स्वयं तय हो जाते हैं।

अत: लेखक पाठ की सम्प्रेषणीयता से मुक्त होता है, किन्तु मुक्त विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री का निमार्ण सुनिश्चित पाठक के आधार पर होता है। इसलिए इसकी प्रक्रिया सरल भी होती है और ज्यादा वस्तुनिष्ठ भी। स्व-अध्ययन सामग्री का लेखन एक विशेष पद्धति (संवादात्मक) पर होता है, इसलिए यह पद्धति व्याख्यात्मक पद्धति से भिन्न होती है। इन्हीं कारणों से जब स्व-अध्ययन सामग्री का निर्माण किया जाता है, तब इसके लेखन में विशेष सावधानी की आवश्यकता पड़ती ही है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय समय-समय पर बाह्य एवं आंतरिक विषय-विशेषज्ञों की सहायता से स्व-अध्ययन सामग्री निर्माण की कार्यशाला आयोजित करता रहता है, जिससे उच्च पाठ्यसामग्री निर्मित हो सके। इस प्रकार के पाठ्यसामग्री लेखन की कार्यशाला एवं प्रशिक्षण से एक तो विश्वविद्यालय की पाठ्यसामग्री उन्नत होती है तो दूसरे उनमें एकरूपता भी आती है।

विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित अध्ययन सामग्री की रूपरेखा इस प्रकार है –

क्रम संख्या	विषय	विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित अध्ययन सामग्री
1.	अंग्रेजी	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
2.	हिन्दी	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
3.	संस्कृत	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
4.	ज्योतिष	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
5.	उर्दू	बी0ए0 व एम0ए0 (प्रथम वर्ष)
6.	संगीत	बी0ए0
7.	समाज कार्य	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
8.	इतिहास	बी0ए0
9.	लोक प्रशासन	बी0ए0
10.	राजनीति विज्ञान	बी0ए0 व एम0ए0 (प्रथम वर्ष)
11.	योग	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
12.	गृह विज्ञान	डीपीएचसीएन व बी0ए0
13.	पर्यटन	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
14.	होटल मैनेजमेन्ट	डीएचएम & बीएचम
15.	अर्थशास्त्र	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
16.	शिक्षाशास्त्र	बी0ए0 व एम0ए0/ बी0एड0 (शिक्षाशास्त्र) एवं बी0एड0 (विशिष्ट शिक्षा)
17.	लोक प्रशासन	एम0ए0 प्रथम वर्ष
18.	जन्तु विज्ञान	बीएससी (जन्तु विज्ञान)
19.	रसायन विज्ञान	बीएससी (रसायन) एवं एमएससी प्रथम सेमेस्टर
20.	वनस्पति विज्ञान	बीएससी (वनस्पति विज्ञान)
21.	भौतिकी	बीएससी (भौतिकी) प्रथम वर्ष
22.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान	बी0 लिब0
23.	मनोविज्ञान	बी0ए0
24.	समाज शास्त्र	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री

विषयवार अध्ययन सामग्री की सूची

1.7 कार्यशाला/प्रयोगात्मक कार्यशाला/परियोजना कार्य

1.7.1 मुक्त विश्वविद्यालयी शिक्षण पद्धति में ज्ञान तथा पाठ को सैद्धान्तिक रूप देकर ही छोड़ नहीं दिया जाता अपितु उसे व्यावहारिक निकष पर भी परखा जाता है। ज्ञान को व्यावहारिक रूप प्रदान करने के लिए मुक्त विश्वविद्यालय में समय-समय पर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। कार्यशाला को एक प्रकार से हम सैद्धान्तिक ज्ञान का व्यावहारिक परीक्षण या उपस्थापन के रूप में समझ सकते हैं। कार्यशाला आयोजन के पीछे मुख्य मत यह है कि छात्र द्वारा अध्ययन सामग्री के वाचन पश्चात उसके ज्ञान की व्यावहारिक उपस्थिति का पता

लगाना। इन कार्यशालाओं में विश्वविद्यालय के शिक्षकों के अतिरिक्त बाह्य विषय-विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया जाता है, जिससे छात्र विषय को सैद्धान्तिक और व्यावहारिक रूप में ग्रहण करने की समुचित योग्यता धारण कर सके।

विज्ञान, शिक्षा, समाज कार्य, मनोविज्ञान, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पाठ्यक्रमों में कार्यशाला/प्रयोगात्मक कार्यशालाओं का प्रावधान किया गया है, जिससे विद्यार्थियों की प्रायोगिक समझ विकसित हो सके। इसके अतिरिक्त कुछ पाठ्क्रमों में परियोजना कार्य पाठ्यक्रम के अनिवार्य भाग के रूप में शामिल किया गया है, जिससे विद्यार्थी के प्रायोगिक/व्यावहारिक/शोधपरक ज्ञान में वृद्धि हो सके।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षण पाठ्यक्रम मुख्यालय, क्षेत्रीय केन्द्र तथा अध्ययन केन्द्रों की त्रिस्तरीय व्यवस्था द्वारा संचालित होते हैं। राज्य के विभिन्न भागों में स्थित 8 क्षेत्रीय केन्द्र विश्वविद्यालय द्वारा नियन्त्रित तथा निर्देशित होते हैं। प्रत्येक क्षेत्रीय केन्द्र अपने क्षेत्र में स्थित अध्ययन केन्द्रों और विश्वविद्यालय के बीच समन्वय तथा सक्रिय सहयोग की भूमिका निभाते हैं। अध्ययन केन्द्र, क्षेत्रीय कार्यालय तथा विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार छात्रों का प्रवेश, पाठ्य-सामग्री परामर्श तथा प्रयोगात्मक कार्य से सम्बन्धित सभी कार्यों का सम्पादन करते हैं। समस्त शिक्षण कार्यों का संचालन विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित अध्ययन केन्द्रों से ही होता है। इस समय विश्वविद्यालय में 246 अध्ययन केंद्र हैं।

1.8 निदेशालय, क्षेत्रीय सेवाएं (आर.एस.डी.)

विश्वविद्यालय मुख्यालय में क्षेत्रीय सेवा प्रभाग की स्थापना की गयी है। यह प्रभाग 8 क्षेत्रीय केन्द्रों एवं 246 अध्ययन केन्द्रों का नियमन एवं समन्वय करता है। यह अनुभाग क्षेत्रीय केन्द्रों एवं अध्ययन केन्द्रों के संचालन का सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक अनुप्रयोग स्थिर करता है। (देखें परिशिष्ट – XV & XVI)

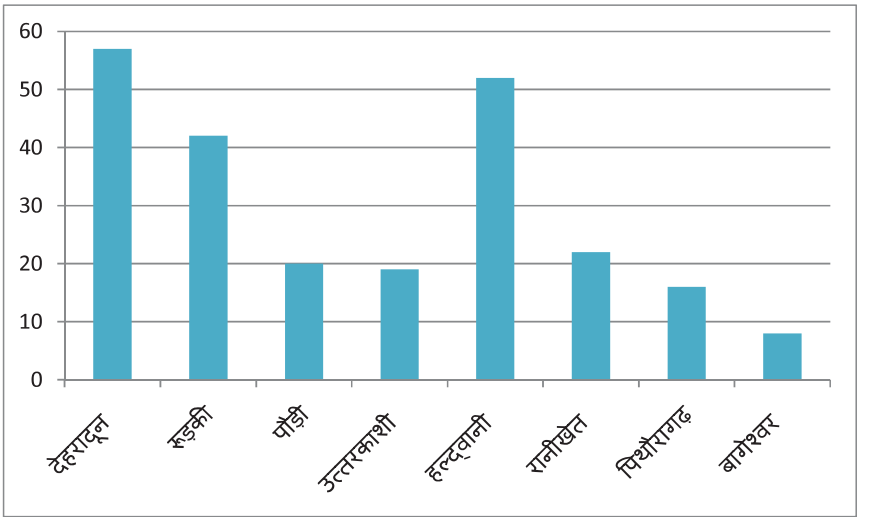

क्षेत्रीय केन्द्रों की स्थिति

1.9 क्षेत्रीय केन्द्र

क्षेत्रीय केन्द्रों का कार्य अध्ययन केन्द्रों एवं विश्वविद्यालय के बीच शैक्षिक पाठ्यक्रमों हेतु समन्वय स्थापित कर विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों को उत्तराखण्ड के दूर-दराज के क्षेत्रों तक पहुंचाना है। ये केन्द्र सामान्यतः

भौगोलिक पहुंच एवं अध्ययन केन्द्रों की परिस्थिति के दृष्टिकोण से बीच की जगह में स्थापित किये गये हैं। ऐसे आठ क्षेत्रीय केन्द्र, जिसमें से चार गढ़वाल मण्डल में (देहरादून,रूड़की,पौड़ी एवं उत्तरकाशी) तथा चार कुमाऊँ मण्डल (रानीखेत, हल्द्वानी, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़) में स्थापित किये गये हैं। इन क्षेत्रीय केन्द्रों के अन्तर्गत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से शैक्षिक पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाता है।

1.10 अध्ययन केन्द्र

अध्ययन केन्द्र मुक्त विश्वविद्यालयी शिक्षण पद्धति की प्राथमिक इकाई हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय सेवा प्रभाग के द्वारा समुचित कार्यवाही के उपरान्त अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की जाती है। प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी सुविधानुसार अध्ययन केन्द्र चुनने की स्वतंत्रता होती है। छात्रों के प्रवेश के साथ साथ उनके लिए परामर्श सत्रों तथा प्रयोगात्मक कार्यों की व्यवस्था भी अध्ययन केन्द्रों द्वारा की जाती है। इन केन्द्रों के माध्यम से प्रत्येक छात्र अपने विश्वविद्यालय से निरन्तर जुड़ा रहता है।

2. शिक्षण: अधिगम एवं मूल्यांकन
(Teaching: Learning and Evaluation)

2.1 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में वर्षवार छात्र संख्या

क्र.सं.	शैक्षिक सत्र	छात्र संख्या
1	2006-07	2776
2	2007-08	1898
3	2008-09	1503
4	2009-10	629
5	2010-11	7380
6	2011-12	13729
7	2012-13	21316
8	2013-14	22272
9	2014-15	23875
10	2015-16	33095
11	2016-17	40,281
12	2017-18	68,230

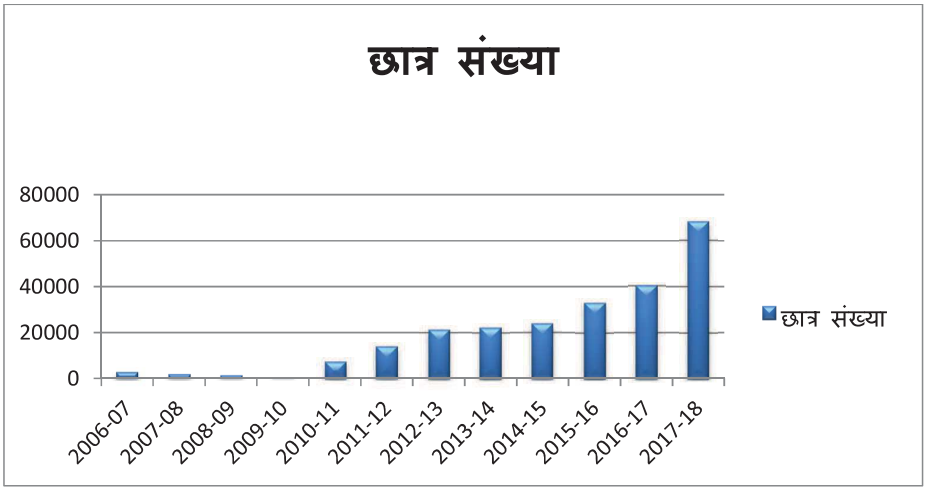

वर्ष वार छात्रों की संख्या

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की छात्र संख्या में क्रमश: वृद्धि होती रही है। ऊपर दी गयी सारिणी में आप देख सकते हैं कि 2006-07 में हमारी छात्र संख्या महज 2776 थी जो कि आज 68,230 पहुँच चुकी है। बीच के वर्षों में हमारी छात्र संख्या में गिरावट भी आई, जिसका मुख्य कारण जनता के बीच मुक्त शिक्षा के प्रति उदासीनता थी, किन्तु अपने पाठ्यक्रमों एवं शिक्षण विधि से हमने समाज मेंयह विश्वास पैदा कर दिया कि मुक्त शिक्षा पद्धति आज की मुख्य शिक्षण विधि है। छात्रों की निरन्तर वृद्धि इस बात का प्रमाण है कि हम अपने शिक्षण- कर्म को सामाजिक भूमि पर प्रतिष्ठित करने में सफल रहे हैं।

- **सामान्य / दिव्यांग छात्र**

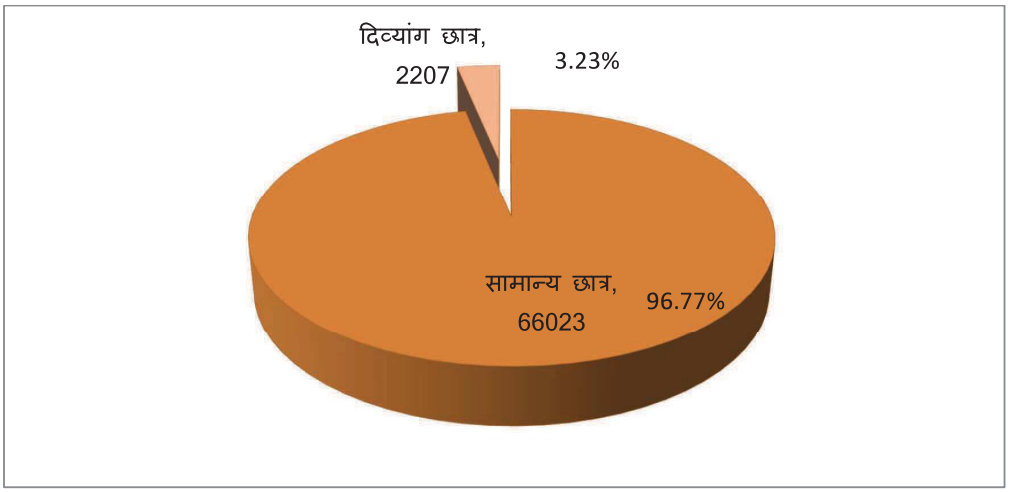

सामान्य/ दिव्यांग छात्र वर्तमान परिस्थिति

विश्वविद्यालय सामान्य छात्रों के साथ-ही-साथ दिव्यांग छात्रों के लिए भी कृतसंकल्प है। विश्वविद्यालय में पिछले वर्ष कुल 40,281 छात्रों में से 372 दिव्यांग छात्र थे। सत्र 2017-18 में 68,230 छात्रों में इनकी संख्या 2207 हो गई है। कोई भी समाज नहीं चाहता कि उसके यहाँ अप्राकृतिक रूप से कोई व्यक्ति अपने अस्तित्व का निवर्हन करे। बावजूद इसके हमारा दायित्व है कि दिव्यांग छात्रों के प्रति अपनी संवेदनशीलता का परिचय दें। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने दिव्यांग छात्रों के लिए समय-समय पर विशेष कार्यशालाओं का आयोजन तो करता ही रहता है, साथ–ही-साथ अन्य मानवीय सहायता एवं सुविधा भी उपलब्ध कराता है। विश्वविद्यालय का यह ध्येय है कि वह दिव्यांग छात्रों के भीतर आत्मविश्वास का संचार कर उन्हें इस योग्य बना दे, जिससे वह समाज की मुख्यधारा में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकें।

- **पुरूष एवं महिला छात्र**

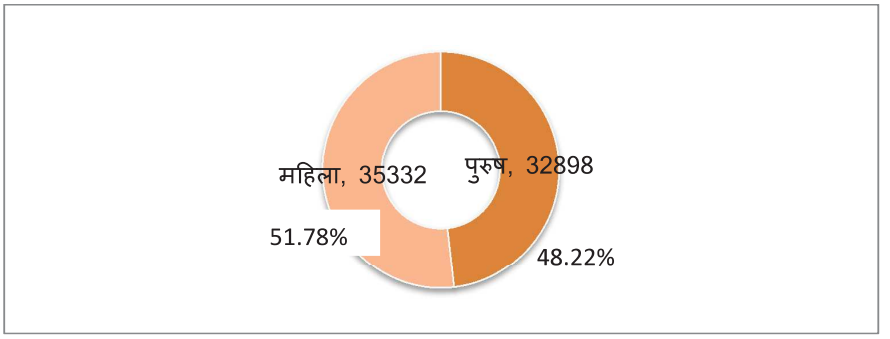

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय पुरूष और महिला दोनों वर्गों के समान अधिकार व विकास का पक्षधर है। बावजूद हमने महिलाओं की सुविधा को विशेष रूप से दृष्टिगत रखा है। अपने महिला कर्मचारियों को ध्यान में

रखते हुए हमने हमेशा उनको आगे रखा है। पुरूष और महिला छात्रों की संख्या में भी इसीलिए समानता है, बल्कि महिला छात्रों की संख्या पुरूषों की अपेक्षा कुछ ज्यादा ही है। पिछले वर्ष 19,932 छात्रों के मुकाबले 20349 छात्रायें थीं। इस वर्ष भी यह वृद्धि बनी हुई है। इस वर्ष 32898 छात्रों के मुकाबले छात्राओं की संख्या 35332 थी। यह अन्तर इस बात का सूचक है कि हम छात्राओं के प्रति एक अनुकूल अध्यापन परिसर का निर्माण विकास करने में सफल रहे हैं।

- **जाति वर्गीकरण के आधार पर छात्र विभाजन**

Category-wise Numbers of Students

Year	GEN.	SC	ST	OBC
2012-13	16994	2095	508	3798
2013-14	16240	2062	537	3690
2014-15	16825	2348	744	4403
2015-16	28881	1375	717	2569
2016-17	26287	4022	1896	8076
2017-18	45995	7517	2707	12011

वर्ष वार जाति वर्गीकरण के आधार पर छात्रों की संख्या

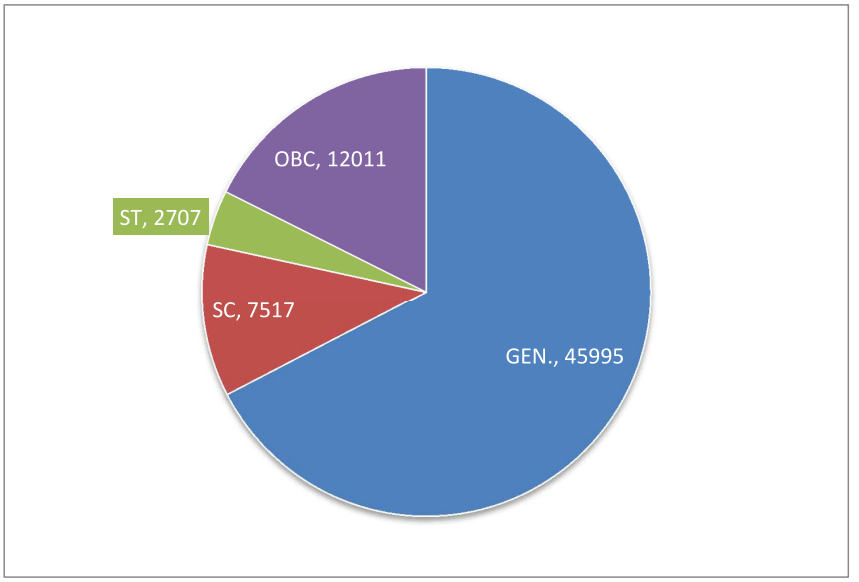

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में 2017-18 में छात्र स्थिति

किसी भी समाज का सर्वांगीण विकास तब तक संभव नहीं है, जब तक कि उस समाज के सभी वर्ग मुख्यधारा का हिस्सा नहीं बन जाते। भारतीय समाज का एक बड़ा अंतर्विरोध या विशेषता इसका जाति विभाजित समाज है। पूर्व की अपेक्षा आज हमारे समाज के सभी वर्गों की जातियाँ सामाजिक गतिशीलता में अपना योग दे रही हैं। एक अध्ययन परिसर के भीतर हमारा यह दायित्व है कि हम सभी वर्गों के लिए समान सुविधा व अवसर को विकसित कर सकें।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने समाज कल्याण विभाग की सहायता से अनुसूचित जाति व जनजाति जाति के शुल्क वापसी का प्रावधान भी नियत किया है। विश्वविद्यालय के समावेशी चरित्र ने सभी वर्ग के छात्रों में अपनी विश्वसनीयता निर्मित की है। पिछले सत्र में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में अन्य पिछड़ी जाति के 8076 छात्र थे, जबकि अनुसूचित जाति के 4022 एवं अनुसूचित जनजाति के 1896 छात्र नामांकित थे। इस वर्ष यह संख्या और बढ़ी है। सत्र 2017-18 में पिछड़े छात्रों की संख्या 12011 हो गई है, जबकि अनुसूचित जाति के 7517 छात्र एवं अनुसूचित जनजाति के 2707 छात्र नामांकित हैं। छात्रों के नामांकन की यह बढ़ी संख्या इस बात को दर्शित करती है कि हमने समावेशी शिक्षा की दिशा में अपने कदम मजबूती से बढ़ाये हैं।

विश्वविद्यालय में जाति वर्गीकरण के आधार पर नीचे दिए गए चार्ट द्वारा वर्षवार छात्रों की स्थिति का अवलोकन किया जा सकता है।

2.2 विद्याशाखाओं की अकादमिक गतिविधियाँ
(SCHOOL-WISE ACADEMIC ACTIVITIES)

मानविकी विद्याशाखा
(SCHOOL OF HUMANITIES)

❖ अंग्रेजी विभाग

- अंग्रेजी विषय में बी0ए0 एवं एम0ए0 पाठ्यक्रम के पाठ्यसामग्रियों का सम्पादन कार्य किया गया।

❖ संस्कृत विभाग

- संस्कृत विभाग, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण के संयुक्त तत्वावधान में दस दिवसीय संस्कृत प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

❖ हिन्दी विभाग

- डॉ0 शशांक शुक्ला के द्वारा हिन्दी विषय के पाठ्यसामग्रियों का सम्पादन कार्य किया गया।
- राजभाषा दिवस, 14 सितम्बर 2017 को हिन्दी विभाग द्वारा 'हिन्दी का वर्तमान एवं भविष्य' शीर्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में इग्नू, नई दिल्ली से आये प्रोफेसर सत्यकाम थे।

प्रोफेसर सत्यकाम द्वारा अपने सम्बोधन में कहा गया कि हिन्दी एक भाषा मात्र नहीं, अपितु एक संस्कृति है। इसकी विभिन्न बोलियों से इसका सम्बन्ध औपचारिक मात्र नहीं, अपितु उन्हीं बोलियों के आधार पर उनकी उर्जा के

साथ यह भाषा निरन्तर गतिशील है। प्रोफेसर सत्यकाम ने हिन्दी भाषा के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक योगदान को भी विस्तार से रेखांकित किया। संगोष्ठी का विषय प्रवर्तन करते हुए कुलसचिव प्रोफेसर आर0सी0 मिश्रा ने कहा कि इस समय की सबसे बड़ी समस्या स्तरीयता की है। भाषा और साहित्य के प्रति हमारा विवेक लगातार कमजोर एवं कुण्ठित हुआ है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने की। उन्होंने कहा कि हिन्दी भाषा के प्रति उनका लगाव युवावस्था से ही बन चुका था। हिन्दी भाषा राष्ट्रीय बोध को धारण करने वाली भाषा है। हिन्दी के विकास का अर्थ है राष्ट्रीय संस्कृति का विकास। इस दृष्टि से यह हम सब का दायित्व है कि हम इसके विस्तार में अपना योग दें। अपने भाषण में आगे कुलपति महोदय ने कहा कि भाषा एक गम्भीर कार्य है और यह हमसे अतिरिक्त अनुशासन की माँग करती है। डॉ0 शशांक शुक्ला द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया तथा संचालन डॉ0 राजेन्द्र कैड़ा द्वारा किया गया।

❖ ज्योतिष विभाग

- ज्योतिष विषय में परास्नातक (एम0ए0) पाठ्यक्रम हेतु अध्ययन परिषद की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में निदेशक, मानविकी विद्याशाखा प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ला, बाह्य विषय विशेषज्ञ प्रोफेसर देवीप्रसाद त्रिपाठी तथा पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी सम्मिलित रहे।

एम0ए0 ज्योतिष अध्ययन परिषद की बैठक

- विभागीय अध्यापक डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी के द्वारा एम0ए0 ज्योतिष पाठ्यक्रम की पाठ्यसामग्रियों (कुल 09 पुस्तकों) का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया।

❖ उर्दू विभाग

उर्दू विषय के एम.ए. पाठ्यक्रम के पाठ्यसामग्रियों का स्व- अध्ययन सामग्री स्वअध्ययन सामग्री तैयार की गयी।

सामाजिक विज्ञान विद्याशाखा

(SCHOOL 0F SOCIAL SCIENCES)

इतिहास विभाग

- दिनांक 8 मार्च, 2017 को दून विश्वविद्यालय देहरादून में राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (RUSA) के अन्तर्गत राज्य में उच्च शिक्षा सुधार के सम्बन्ध में आयोजित किये गये Choice Based Credit System पर एकदिवसीय ओरिएण्टेशन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय से प्रोफेसर गिरिजा पाण्डे द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- डॉ0 एम0एम0जोशी द्वारा विश्वविद्यालय की शीतकालीन सत्र 2017-18 के लिए विवरणिका सम्पादित की गई।

राजनीति विज्ञान विभाग

- राजनीति विज्ञान विभाग में डॉ0 सूर्यभान सिंह द्वारा स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की पाठ्यसामग्री निर्मित की गई।

लोकप्रशासन विभाग

- डॉ0 घनश्याम जोशी द्वारा लोक प्रशासन विषय के स्नातक की अध्ययन सामग्री का लेखन व सम्पादन किया गया।
- पंचायती राज्य में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम की पुस्तकों का सम्पादन कार्य किया गया।
- लोक प्रशासन में एम0 ए0 प्रथम वर्ष की चारों पुस्तकों के संयोजन और सम्पादन का कार्य किया गया।

मनोविज्ञान विभाग

- मनोविज्ञान विभाग द्वारा "स्मृति वर्धक विज्ञान" में प्रमाण पत्र कार्यक्रम (CME-17) शुरु किया गया एवं सम्बन्धित स्व अध्ययन सामग्री का सम्पादन एवं प्रकाशन कार्य किया गया।

अर्थशास्त्र विभाग

- शालिनी चौधरी द्वारा बी0ए0 तृतीय वर्ष (अर्थशास्त्र) की स्वअध्ययन पाठ्यसामग्री हेतु इकाई लेखन एवं सम्पादन सम्बन्धित कार्य किया गया।

समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग

- समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग में पुस्तकों का सम्पादन कार्य किया गया।

वाणिज्य एवं प्रबन्ध अध्ययन विद्याशाखा
(SCHOOL OF MANAGEMENT STUDIES AND COMMERCE)

वाणिज्य विभाग

- डॉ0 गगन सिंह के द्वारा बी0कॉम व एम0कॉम की पाठ्यसामग्री निर्माण आरम्भ किया गया।

प्रबन्ध अध्ययन विभाग

- प्रबन्ध अध्ययन विभाग द्वारा स्वअध्ययन पाठ्यसामग्री का लेखन व सम्पादन कार्य किया गया।

विज्ञान विद्याशाखा
(SCHOOL OF SCIENCE)

वानिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग

1. वानिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा स्नातक स्तर पर वानिकी विषय के छात्रों हेतु 29 से 30 नवम्बर तक श्री गुरू राम राय परास्नात्क कालेज, देहरादून में प्रयोगात्मक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

2- विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. हरीश चंद्र जोशी द्वारा भारतीय हिमालय एवं पर्वतीय क्षेत्र में वन संरक्षण, उद्योग एवं ऊर्जा विकल्प संबंधी सुझाव ड्राफ्ट राष्ट्रीय नीति में शामिल किए जाने हेतु उत्तराखंड शासन को प्रेषित किए गए।

प्रयोगात्मक कार्यशाला एवं प्रयोगात्मक परीक्षाओं का विवरण

विज्ञान विद्याशाखा द्वारा स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर विभिन्न विषयों में नामंकित विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक अकादमिक सत्र में दो बार प्रयोगात्मक कार्यशाला एंव परीक्षाओं का आयोजन कराया जाता है जिनका विवरण निम्नवत है -

ग्रीष्मकालीन सत्र 2017-18

विज्ञान विद्याशाखा द्वारा ग्रीष्मकालीन सत्र में आयोजित प्रयोगात्मक कार्यशालाओं एवं परीक्षाओं का विवरण निम्नवत है-

क्रम संख्या	तिथि	स्थान
1.	24.4.2017 से 1.5.2017 तक	एस0जी0आर0आर0 पी0जी0 कॉलेज, देहरादून
2.	27.4.2017 से 3.5.2017 तक	पी0एल0एम0एस0 राजकीय महाविद्यालय, ऋषिकेश
3.	30.04.2017 से 6.05.2017 तक	आर0सी0यू0 राजकीय महाविद्यालय, उत्तरकाशी
4.	3.5.2017 से 9.5.2017 तक	एच0एन0बी0 गढ़वाल विश्वविद्यालय, पौड़ी परिसर
5.	13.5.2017 से 19.5.2017तक	जी0पी0जी0सी0 रानीखेत
6.	26.5.2017 से 1.6.2017 तक	एल0एस0एम0 जी0पी0जी0सी0 पिथौरागढ़

7.	8.8.2017 से 13.8.2017 तक	एम0बी0पी0जी0 कॉलेज, हल्द्वानी

शीतकालीन सत्र 2017-18

क्रम संख्या	तिथि	स्थान
1.	22.11.2017 से 30.11.2017 तक	एस0जी0आर0आर0 पी0जी0 कॉलेज, देहरादून
2.	16.11.2017 से 21.11.2017 तक	एस0बी0एस0 राजकीय महाविद्यालय, रूद्रपुर
3.	25.11.2017 से 29.11.2017 तक	एम0बी0पी0जी कॉलेज, हल्द्वानी

विज्ञान विद्याशाखा के द्वारा आयोजित संगोष्ठियों का विवरण

विज्ञान विद्याशाखा द्वारा विभिन्न केन्द्रों में आयोजित प्रयोगात्मक कार्यशालाओं के कुछ अंश

विज्ञान विद्याशाखा द्वारा विभिन्न केन्द्रों में आयोजित प्रयोगात्मक कार्यशालाओं के कुछ अंश

रसायन विज्ञान विभाग (Department of Chemistry)

कार्यशालाओं का विवरण –

क्रम संख्या	तिथि	स्थान
1.	24.4.2017	एसजीआरआरपीजी कॉलेज, देहरादून
2.	27.4.2017	गर्वनमेन्ट पी0जी0 कॉलेज, ऋषिकेश
3.	30.4.2017	एचएनबी परिसर पौड़ी
4.	3.5.2017	गवर्रमेन्ट पीजी कॉलेज, उत्तरकाशी
5.	15.5.2017	एमबीपीजी कॉलेज, हल्द्वानी
6.	26.5.2017	गवर्रमेन्ट पीजी कॉलेज, पिथौरागढ़

1. एसजीआरआर पी0जी0 कॉलेज, देहरादून

2. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पिथौरागढ़

3. एचएनबी, परिसर पौड़ी

शीतकालीन सत्र 2017

क्रम संख्या	तिथि	स्थान
1.	17.11.2017	एसजीआरआरपीजी कॉलेज, देहरादून
2.	25.11.2017	एमबीपीजी गर्वनमेन्ट पी0जी0 कॉलेज, हल्द्वानी
3.	25.11.2017	एसबीएस पीजी कॉलेज, रूद्रपुर

भूगोल एवं प्राकृतिक संसाधन विभाग: -

भूगोल विभाग द्वारा 20 मार्च 2018 को 'जल संरक्षण: जागरूकता से चेतना की ओर' विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के संयोजक मोहम्मद अकरम ने कार्यशाला की योजना पर प्रकाश डालते हुए सभी उपस्थित महानुभावों का स्वागत किया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रोफेसर पी0के0 शर्मा थे। डॉ0 शर्मा ने जल के प्रति जागरूक होने तथा इसे स्वच्छ बनाने पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने इसके संरक्षण पर कार्य करने पर बल दिया। कार्यशाला की अध्यक्षता प्रोफेसर एच.पी.शुक्ल ने की। इस

अवसर पर प्रोफेसर आर.सी.मिश्र एवं विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक गण उपस्थित रहें।

कार्यशाला की छायाचित्र

कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा

(School of Computer Science and Information Technology)

डिजिटल साक्षरता के प्रसार के लिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा कम्प्यूटर फंडामेंटल का नि:शुल्क नॉन –क्रेडिट ऑनलाइन पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के ऑनलाइन पोर्टल http://elearning.uou.ac.in पर उपलब्ध है। पाठ्यक्रम की अवधि पाँच दिन है। प्रथम खण्ड 8 अप्रैल से प्रारम्भ होगा। विश्वविद्यालय के कार्यदिवसों पर प्रात:11 से 12 बजे एक घण्टे कोर्स पोर्टल पर विषय विशेषज्ञ भी उपलब्ध होंगे जिनसे ई मेल या मैसेज के माध्यम से विद्यार्थी अपनी शंका का निवारण कर सकते हैं। इस पाठ्यक्रम में निम्नलिखित विषयों पर चर्चा की जायेगी -

I. जेनरेशन ऑफ कम्प्यूटर
II. टाइप्स ऑफ कम्प्यूटर सिस्टम
III. कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड पेरिफेरल्स
IV. प्रोसेस एण्ड स्टॉरेज डिवाइसेस
V. स्टोरेज डिवाइसेस
VI. जेनरल पर्पस कम्प्यूटर सिस्टम
VII. इम्बिडिड कम्प्यूटर सिस्टम
VIII. कम्प्यूटर सिस्टम हाउ इट वर्क्स
IX. प्रोसेसिंग डाटा
X. ऑपरेटिंग सिस्टम, यूटिलीटी प्रोग्राम्स एण्ड लैंग्वेज ट्रान्सलेटर्स
XI. इनपुट एण्ड आउटपुट डिवाइसेस
XII. इलेक्टोनिक मेल एण्ड मैसेजिंग
XIII. कनेक्टिंग कम्प्यूर्टस
XIV. नेटवर्किंग टोपोलोजिस
XV. इन्टरनेट सर्विस एण्ड बेनिफिटस
XVI. सर्च इंजन

इस पाठ्यक्रम की पाठ्यसामग्री मुख्यत: अंग्रेजी में उपलब्ध है और यथासम्भव उसे हिन्दी में भी उपलब्ध कराए जाने का प्रयास किया गया है। पाठ्यक्रम से सम्बन्धित सभी विडियो हिन्दी में तैयार किए गए हैं।

पाठ्यक्रम के सभी खण्डों को पूर्ण करने के पश्चात् पाठ्यक्रम संयोजक सभी सफल विद्यार्थियों को प्रतिभाग करने का प्रमाण पत्र प्रदान करेंगे। यह प्रमाण-पत्र विद्यार्थी को पंजीकृत ईमेल पर ही भेजा जाएगा।

Welham Girls School, Dehradun की प्रिंसिपल Mrs. Padmini Sambasivam के अनुरोध पर विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस एवं आईटी द्वारा कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए दिनांक 24 अप्रैल 2018 को Digital Educational Resources and Cyber Awareness विषय पर ऑनलाइन कोर्स संचालित किया।

इस प्रोग्राम का निर्माण एवं संचालन कंप्यूटर साइंस डिपार्टमेंट के असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप के कार्यरत डॉ जीतेंद्र पाण्डे द्वारा दिया गया।

इस कोर्स में पांच खंड है जिनका विवरण इस प्रकार है:
Module 1: Tricks for Great Google Searches

Module:2 Open Educational Resources

Module:3 Copyright and License

Module:4 Plagiarism and Citation

Module:5 Tips for Cyber Security

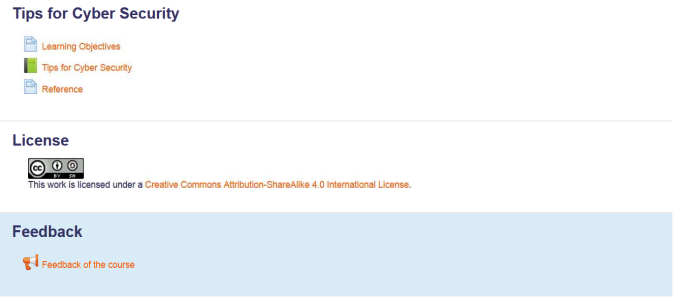

कोर्स में 80 विद्यार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस कोर्स को MOODLE प्लेटफार्म पर विकसित किया गया है। किसी भी कोर्स के दौरान किसी भी शंका के समाधान हेतु विद्यार्थी discussion forum एवं chat के सुविधा का उपयोग करके subject matter expert से अपनी शंकाओं का समाधान पा सकता है।

इस सुविधा का उपयोग कर विद्यार्थियों ने अपनी शंकाएं chat के माध्यम से साझा की जिनका निवारण डॉ. जीतेंद्र पाण्डे द्वारा दिया गया। कोर्स के सभी module पूर्ण करने पर विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट ऑफ़ पार्टिसिपेशन भी जारी किये गए जिसे कोर्स की वेबसाइट से विद्यार्थियों द्वारा डाउनलोड किया जा सकता है।

दिनांक 21-23 नवम्बर 2017 को 'Development of on line Courses using OERs and Moodle LMS' विषयक कार्यशाला Commonwealth Educational Media Centre for Asia, New Delhi सहयोग से विश्वविद्यालय में आयोजित की गई।

कार्यशाला का छायाचित्र

शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा

(SCHOOL OF EDUCATION)

शिक्षाशास्त्र विभाग:-

- शोध छात्रा शिक्षाशास्त्र, श्रीमती रितु नौटियाल ने डॉ0 दिनेश कुमार, सहायक प्राध्यापक के निर्देशन में शोध कार्य पूर्ण किया व दिनांक 21/03/2018 को उनकी पी0एच0डी0 की मौखिक परीक्षा सम्पन्न हुई।
- दिनांक 28.12.2017 व 29.12.2017 को बी0एड0 विशिष्ट शिक्षा के चतुर्थ सेमेस्टर के सम्बन्ध में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विभागीय निदेशक व विद्याशाखा के सहायक प्राध्यापक तथा प्रो0 एस0 पी0 गुप्ता, (उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद) उपस्थित रहें।
- डॉ0 दिनेश कुमार के द्वारा दिनांक 14 अप्रैल 2017 को विश्वविद्यालय में आयोजित डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी के जयन्ती कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया गया।
- सुश्री ममता कुमारी द्वारा विशिष्ट बी0एड0 एवं बी0एड0 पाठ्यक्रम से सम्बन्धित इकाई लेखन व सम्पादन कार्य किया गया।
- डॉ0 सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल के समन्वयन में विश्वविद्यालय द्वारा बिलखेत (पौड़ी गढ़वाल) में दूरस्थ शिक्षा-'दुर्गम से सुगम की ओर' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

विशिष्ट शिक्षा विभाग :-

सेवारत शिक्षकों को दिव्यांगजनो के शिक्षण, पुनर्वास एवं विशेष आवश्यकता हेतु जागरूक करने सम्बन्धित कार्यक्रम -

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी द्वारा रुद्रप्रयाग जिले के जखोली, अगस्तमुनि एवं उखीमठ ब्लाक के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के लिये दिव्यांगजनो के शिक्षण, पुनर्वास एवं विशेष आवश्यकता हेतु जागरूक करने सम्बंधी कार्यशाला का आयोजन दिनाँक 25 मई 2017 से 27 मई 2017 तक अगस्तमुनि में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन श्री मोहन सिंह रावत 'गाँववासी' (पूर्व मंत्री उत्तराखंड) निदेशक, ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा किया गया।

पाबो एवं खिर्सू

प्रशिक्षु अध्यापकों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन राठ महाविद्यालय, पैठाणी में दिनाँक 5-7 फरवरी 2018 को आयोजित की गयी। कार्यशाला का उद्घाटन राठ महाविद्यालय, पैठाणी के प्राचार्य डॉ जितेन्द्र नेगी जी एवं कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने किया। उद्घाटन सत्र में अपने संबोधन में श्री डॉ जितेन्द्र नेगी जी ने दिव्यांग लोगों के लिए वर्तमान में शिक्षा के विभिन्न अवसरों को सुलभ कराया जाने पर बल दिया।

पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विद्याशाखा

(School of Journalism)

कार्यशाला विवरण -

हल्द्वानी: 02 से 5 मई 2017

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में पत्रकारिता और संचार पर चार दिन की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए प्रसिद्ध साहित्यकार व 'समयांतर' पत्रिका, नई दिल्ली के संपादक पंकज बिष्ट ने कहा कि जब तक हम खबर की तह तक नहीं जायेंगे, तब तक घटना का सही वर्णन नही कर सकते। सही व तथ्यपरक रिपोर्टिंग के लिए उस खबर की पूरी खोजबीन करनी होगी, तभी सही चीजें सामने आऐंगी। कार्यशाला में वरिष्ठ पत्रकार व नैनीताल समाचार के संपादक श्री राजीव लोचन साह ने कहा कि आज के दौर की पत्रकारिता में काफी बदलाव आ गया है, पत्रकारिता के कर्तव्य बदल गये हैं। कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल से आयी पत्रकारिता विभाग की सहायक प्राध्यापक पूनम बिष्ट ने विद्यार्थियों को पत्रकारिता विषय की बारीकियों से अवगत कराया।

हल्द्वानी – 6 से 10 नवम्बर

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ जर्नलिज्म एंड मीडिया स्टडीज़ में 05 दिवसीय कार्यशाला में बोलते हुए ऑल इण्डिया रेडियो रामपुर के सीनियर प्रोडयूसर सुरेन्द्र राजेश्वरी ने कहा कि रेडियो में संवाद सबसे सशक्त माध्यम है।

कार्यशाला में वरिष्ठ पत्रकार जगमोहन रौतेला ने उत्तराखण्ड की पत्रकारिता को लेकर चर्चा की। उन्होंने पत्रकारिता में आने वाली कठिनाइयों का जिक्र किया और कहा कि इसके लिए लगन की आवश्यकता है। पत्रकारिता विभाग के श्री भूपेन सिंह ने विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो 'हैलो हल्द्वानी' से रू-ब-रू करवाया और मीडिया रिसर्च के बारे बताया। कार्यशाला में पत्रकारिता विभाग के राजेंद्र सिंह क्वीरा ने कोर्स से संबंधित जानकारी प्रदान की। अमेरिका के जॉन हॉपकिन्स विश्वविद्यालय की भारतीय शाखा में मीडिया शोध प्रोग्राम के डायरेक्टर प्रोफ़ेसर प्रदीप कृष्णात्रेय ने उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में पत्रकारिता के छात्रों की तीन दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर कहा कि आज के समय में मीडिया, समाज और राजनीति के रिश्तों को समझने के लिए मीडिया शोध अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, लेकिन भारत में अभी मीडिया शोध दुनिया के विकसित देशों की तुलना में बहुत पीछे है। यूओयू परिसर में आयोजित कार्यशाला में प्रोफ़ेसर कृष्णात्रेय ने भारतीय और विश्व मीडिया के उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए फ्री मीडिया का होना बहुत जरूरी है।

स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा
(SCHOOL OF HEALTH SCIENCE)

गृह विज्ञान विभाग (Department of Home Science)

- गोद लिए गये गाँव तल्ली हल्द्वानी में विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 22 अप्रैल, 2017 को नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के आयुर्वेद, गृह विज्ञान तथा कृषि विभाग द्वारा ग्रामीणों को स्वास्थ्य, आहार तथा कृषि सम्बन्धित जानकारी दी गई।

स्वास्थ्य शिविर का छायाचित्र

योग विभाग (DEPARTMENT OF YOGA)

इस अवधि में योग विभाग द्वारा विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

क्रम सं०	कार्यशाला का स्थान	दिनाक	विषय	कुल प्रतिभागी
1	आदित्य योग एंव प्राकृतिक चिकित्सालय , किच्छा उधमसिंह नगर	02/04/2017 से 11/04/2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 12/04/2017	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक प्रथम वर्ष एवं डिप्लोमा	164
2	आदित्य योग एंव प्राकृतिक चिकित्सालय , किच्छा उधमसिंह नगर	15/04/2017 से 24/04/2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 25/04/2017	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक तृतीय वर्ष	121
3	केयर कम्प्यूटर पिथौरागढ़	19/04/2017 से 28/04/2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 29/04/2017	एम०ए० योग प्रथम वर्ष	58
4	केयर कम्प्यूटर पिथौरागढ़	19/04/2017 से 28/04/2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 29/04/2017	एम०ए०योग द्वितीय वर्ष	50
5	श्री साई इन्फोटेक , हरिद्वार	प्रयोगात्मक परीक्षा 04/07/2017	योग एंव प्राकृतिक चिकित्सा में प्रमाण पत्र	-
6	उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी	प्रयोगात्मक परीक्षा 04/07/2017	योग एंव प्राकृतिक चिकित्सा में प्रमाण पत्र	-

उपर्युक्त कार्यशालाओं में 10 दिन तक प्रतिदिन विविध प्रयोगात्मक एवं तकनीकी सत्रों का लाभ विद्यार्थियों को प्राप्त हुआ है। प्रयोगात्मक सत्रों में विश्वविद्यालय के योग प्रशिक्षक श्री ललित मोहन के नेतृत्व तथा कार्यक्रम संयोजक डा0 भानु प्रकाश जोशी के दिशा-निर्देश में महिला एवं पुरूष योग प्रशिक्षकों के माध्यम से प्रतिदिन जल नेति, रबर नेति सूत्र नेति दण्ड तथा वस्त्र धौति, सूक्ष्म व्यायाम, विविध आसनों, प्राणायाम, मुद्रा, बन्धों तथा ध्यान

का अभ्यास शिक्षार्थियों को कराया गया। सायंकाल प्रयोगात्मक परीक्षा की दृष्टि से विद्यार्थियों को कठिन आसन भी करायें गये। प्रतिदिन 2 तकनीकी सत्र विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के लिए रखे गये जिसमे योग के विविध सैद्धान्तिक पक्षों की जानकारी अलग- अलग विषय विशेषज्ञों के द्वारा विद्यार्थियों को प्रदान की गई। तकनीकी सत्रों में देश के अलग-अलग संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों से आये विषय विशेषज्ञों का लाभ प्रतिभागियों को मिल रहा है।

तृतीय अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव का आयोजन

21 जून 2017 को **तृतीय अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव** का आयोजन किया गया। विश्व के अलग-अलग भागों में अनेकानेक संस्थाओं एवं व्यक्तियों ने योगाभ्यास किया। इसी क्रम में योग विभाग ने विश्वविद्यालय मुख्यालय में एक **'योग महोत्सव '** कार्यक्रम आयोजित किया। इस आयोजन को तीन चरणों में विभाजित किया गया था।

प्रथम चरण के रूप में **'कॉमन योग प्रोटोकॉल'** के अन्तर्गत सुबह 7.00 से 8.00 बजे तक योगाभ्यास का आयोजन किया गया। इस सत्र का उदघाटन न विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने दीप प्रज्जवलन के साथ किया। इस अवसर पर कुलपति, कुलसचिव सहित विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक एवं कार्मिकों के अतिरिक्त बड़ी संख्या में छात्र, प्रशिक्षार्थी एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे। सभी लोगों ने सुयोग्य प्रशिक्षुओं की देखरेख में योगाभ्यास किया।

'योग महोत्सव के **द्वितीय चरण** के रूप में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, इन प्रतियोगिताओं में योग विषयक निबन्ध, योग विषयक पोस्टर प्रतियोगिता एवं योगासन प्रतियोगिता सम्मिलित थी। योगासन प्रतियोगिता में 27 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया, इस प्रतियोगिता में विद्यार्थीयों द्वारा विभिन्न कठिन एवं सहज आसनों का प्रदर्शन किया गया जिसे सुयोग्य निर्णायकों द्वारा आंकलन किया गया।

कार्यक्रम के **तीसरे चरण** में एक **विचार- गोष्ठी** का आयोजन किया गया, इस सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने की। कार्यक्रम का आरम्भ योग विभाग की छात्राओं की एक सुन्दर सांस्कृतिक प्रस्तुति द्वारा किया गया।

शीतकालीन सत्र की कार्यशालाओं का विवरण निम्न प्रकार से हैं -

क्रम सं०	कार्यशाला का स्थान	दिनाक	विषय	कुल प्रतिभागी
1	उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी	15 /09/2017 से 24/09 /2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 25/09/2017	एम०ए०योग प्रथम वर्ष	105
2	उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी	15 /09/2017 से 24/09 /2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 25/09/2017	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक प्रथम वर्ष एवं डिप्लोमा	49
3	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	03 /10/2017 से 12 /10 /2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 13/10/2017	एम०ए०योग प्रथम वर्ष	115
4	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	03 /10/2017 से 12 /10 /2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 13/10/2017	एम०ए०योग द्वितीय वर्ष	48

5	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	06 /11 /2017 से 15/11 /2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 16/11/2017	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक प्रथम वर्ष एवं डिप्लोमा	98+25 =123
6	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	06 /11 /2017 से 15/11 /2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 16/11/2017	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक प्रथम वर्ष एवं डिप्लोमा	99+24 =123
7	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	17 /11/2017 से 26/11 /2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 27/11/2017	एम०ए०योग प्रथम वर्ष	184
8	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	17 /11/2017 से 26/11 /2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 27/11/2017	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष	49
9	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	प्रयोगात्मक परीक्षा 27/11/2017	योग एंव प्राकृतिक चिकित्सा में प्रमाण पत्र	-
10	उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी	प्रयोगात्मक परीक्षा 27/11/2017	योग एंव प्राकृतिक चिकित्सा में प्रमाण पत्र	-

ग्रीष्मकालीन सत्र 2018 की कार्यशालाओं का विवरण निम्न प्रकार से हैं –

क्रम सं०	कार्यशाला का स्थान	दिनाक	विषय	कुल प्रतिभागी
1	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	10 /01/2018 से 19 /01 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 20/01/2018	एम०ए०योग प्रथम वर्ष	390
2	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	10 /01/2018 से 19 /01 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 20/01/2018	एम०ए०योग द्वितीय वर्ष	282
3	पावनधाम भूपतवाला , हरिद्वार	14 /01/2018 से 23 /01 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 24/01/2018	योग विज्ञान में डिप्लोमा एवं स्नातक प्रथम वर्ष	425
4	पावनधाम भूपतवाला , हरिद्वार	14 /01/2018 से 23 /01 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 24/01/2018	योग विज्ञान में डिप्लोमा एवं स्नातक प्रथम वर्ष	170
5	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	22 /01/2018 से 31 /01 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 01/02/2018	एम०ए०योग प्रथम वर्ष	318
6	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	22 /01/2018 से 31 /01 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 01/02/2018	एम०ए०योग प्रथम वर्ष	297
7	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	03 /02/2018 से 12 /02 /2018	योग विज्ञान में डिप्लोमा	356

		तक प्रयोगात्मक परीक्षा 13/01/2018	एवं स्नातक प्रथम वर्ष	
8	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	03 /02/2018 से 12 /02 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 13/01/2018	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक तृतीय वर्ष	113
9	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	15 /02/2018 से 24 /02 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 25/02/2018	एम०ए०योग प्रथम वर्ष	407
10	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	15 /02/2018 से 24 /02 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 25/02/2018	एम०ए०योग द्वितीय वर्ष	303
11	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	15 /02/2018 से 24 /02 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 25/02/2018	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक द्वितीय वर्ष	113
12	आदित्य योग एंव प्राकृतिक चिकित्सालय , किच्छा उधमसिंह नगर	05 /03/2018 से 14 /03 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 15/03/2018	एम०ए०योग प्रथम वर्ष	331
13	आदित्य योग एंव प्राकृतिक चिकित्सालय , किच्छा उधमसिंह नगर	05 /03/2018 से 14 /03 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 15/03/2018	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक द्वितीय वर्ष	35
14	आदित्य योग एंव प्राकृतिक चिकित्सालय , किच्छा उधमसिंह नगर	05 /03/2018 से 14 /03 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 15/03/2018	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक तृतीय वर्ष	37
15	आदित्य योग एंव प्राकृतिक चिकित्सालय , किच्छा उधमसिंह नगर	17 /03/2018 से 26 /03 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 27/03/2018	एम०ए०योग द्वितीय वर्ष	179
16	आदित्य योग एंव प्राकृतिक चिकित्सालय , किच्छा उधमसिंह नगर	17 /03/2018 से 26 /03 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 27/03/2018	योग विज्ञान में डिप्लोमा एवं स्नातक प्रथम वर्ष	293

उपर्युक्त कार्यशालाओं में 10 दिन तक प्रतिदिन विविध प्रयोगात्मक एवं तकनीकी सत्रों का लाभ विद्यार्थियों को प्राप्त हुआ है। प्रयोगात्मक सत्रों में विश्वविद्यालय के योग प्रशिक्षक श्री ललित मोहन के नेतृत्व तथा कार्यक्रम संयोजक डा0 भानु जोशी के दिशानिर्देश में कुल 24 महिला एवं पुरूष योग प्रशिक्षकों के माध्यम से प्रतिदिन योगिक षटकर्म- प्रतिदिन जल नेति, रबर नेति सूत्र नेति दण्ड तथा वस्त्र धौति, सूक्ष्म व्यायाम, आसन, प्राणायाम, मुद्रा, बन्धों तथा ध्यान का अभ्यास शिक्षार्थियों को कराया गया। सायंकाल प्रयोगात्मक परीक्षा की दृष्टि से विद्यार्थियों को कठिन आसन भी करायें गये। प्रतिदिन 2 तकनीकी सत्र विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के लिए रखे गये जिसमे योग के विविध सैद्धान्तिक पक्षों की जानकारी अलग- अलग विषय विशेषज्ञों के द्वारा विद्यार्थियों को प्रदान की गई। तकनीकी सत्रों में देश के अलग-अलग संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों से आये विषय विशेषज्ञों का लाभ प्रतिभागियों को मिला है।

दिनांक 15 मार्च 2018 को समापन सत्र में कुलपति जी तथा कुलसचिव जी ने कार्यशाला में प्रतिभाग किया। कुलपति जी ने योग की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग जहॉ एक आपके भविष्य के लिए अच्छा

पाठ्यक्रम है वही दूसरी ओर समग्र रूप से व्यक्ति को ठीक रखता है। कुलसचिव जी ने योग सूत्रमें योग के विविध दार्शनिक पक्षों तथा उसकी उपादेयता को भी स्पष्ट किया।

पर्यटन, आतिथ्य व होटल प्रबन्ध विद्याशाखा

(School of Tourism, Hospitality & Hotel Management)

'विश्व पर्यटन दिवस' उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने 26 और 27 सितंबर 2017 को माननीय कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव के नेतृत्व में अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं का आयोजन करके मनाया। कार्यक्रम का विषय - "सतत पर्यटन - विकास के लिए एक उपकरण" पर केंद्रित था। कार्यक्रम के दौरान कई कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम इस दृष्टि से महत्वपूर्ण था कि इसके माध्यम से उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कर्मचारियों व विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ाई करने वाले छात्रों को विश्व पर्यटन दिवस के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। उक्त कार्यक्रमों के आयोजन में सूचीबद्ध संस्थाओं के 100 से अधिक आमंत्रित छात्रों एवं अध्यापको ने बढ़- चढ़कर भाग लिया। विजेता संस्थाओं एवं सहभागियों को पुरस्कृत किया गया।

व्यावसायिक अध्ययन विद्याशाखा

(School of Vocational Studies)

Programmes and Curriculum Designed/Unit Writing

- Designed a programme on Certificate in Web Designing & Development.
- Two Units written in book titled "Computer Fundamentals & Web Designing" (Unit 2- Introduction to Computer-II, Unit 3- Introduction to Networks).
- Books Edited and structured for the newly proposed programmes on Certificate in Web Designing & Development (Medium- English), Certificate

in Vocational Preparation (CVP), Certificate in Vocational Skills (CVS) and Diploma in Industrial Practices (DIIP).

विधि विद्याशाखा
School of Law

- दिनांक 27 नवम्बर 2017 को विधि विद्याशाखा एवं व्यावसायिक अध्ययन विद्याशाखा के द्वारा संयुक्त रूप से उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में बहुवैकल्पिक प्रश्नों पर आधारित "Know Your Legal Rights" नामक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं का उनकी वास्तविक अधिकार जानने को लेकर था।

साथ ही छात्रों में उनकी नैतिक जिम्मेदारी को लेकर जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा से भी जुड़ा था। **National Commission for Women** के द्वारा यह स्पोन्सर किया गया था। इस कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालयों शिक्षण संस्थानों, तथा कुमाऊँ विश्वविद्यालय से मिलाकर कुल 120 से भी अधिक छात्र सम्मिलित हुए थे। जिसमें 70 विद्यार्थी एसएसजे परिसर अल्मोड़ा, चाणक्य विधि महाविद्यालय, रूद्रपुर, युनिटी विधि कॉलेज, रूद्रपुर तथा वासुदेव कॉलेज ऑफ लॉ, हल्द्वानी के थे। कार्यक्रम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के छात्र भी थे। सभी प्रतिभागियों ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव जी ने सभी शिक्षकों के साथ-साथ प्रतिभागियों का भी उत्साहवर्धन किया।

- दीपांकुर जोशी के द्वारा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में अम्बेडकर जयन्ती के अवसर पर व्याख्यान दिया गया।

- मास सितम्बर 2017 में दीपांकुर जोशी द्वारा विश्वविद्यालय के 'हैलो हल्द्वानी' रेडियो कार्यक्रम में Right to Information along विषय पर प्रोफेसर गिरिजा पाण्डेय, निदेशक विधि विद्याशाखा तथा डॉ0 प्रमोद अग्रवाल (RTI activist) के साथ बातचीत किया गया।
- इस अवधि में दीपांकुर जोशी द्वारा विधि की पाठ्यसामग्रियों का लेखन व सम्पादन कार्य किया गया।

3. शोध/ परामर्श एवं प्रसार

(Research, consultancy and Extension)

शोध विश्वविद्यालय के चिन्तन का प्राण होता है। नवीन खोज एवं शोध ही हमारी मौलिक विचार दृष्टि का निर्माण करते हैं। नवीन तथ्य एवं खोज जहाँ पूर्व के विचारों पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं, उसका विस्तार करते हैं; वहीं वे नवीन चिन्तन की आधारपीठिका भी तैयार करते है। इसीलिए शोध और विचार का सम्बन्ध पार्श्व एवं मुख्यांश का है, जो एक–दूसरे से घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं। शोध के इसी महत्व को समझते हुए यू.जी.सी. एवं उच्च शिक्षण संस्थान समय-समय पर गुणवत्तापरक शोध की दिशा में प्रयासरत रहते हैं। चूँकि विश्वविद्यालय अपने नवीन शोध कार्य के कारण जाना जाता है, इसलिए विश्वविद्यालय में शोध कार्य का महत्व स्वयं सिद्ध है।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने वैचारिक गुणवत्ता के उन्नयन के लिए राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के आधार पर अपनी शोध की पीठिका तैयार की है। विश्वविद्यालय में कुलपति महोदय की अध्यक्षता में शोध के नये-नये कार्य किये जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में शोध की गतिविधियों को केंन्द्रित करने के लिए 'शोध एवं नवाचार निदेशालय' की स्थापना की गयी है। शोध एवं नवाचार निदेशालय का कार्य शोध के प्रवेश से लेकर शोध की मौखिकी कराने तक का है।

विश्वविद्यालय में शोध सम्बन्धित गतिविधियाँ सुचारू एवं अनुशासनबद्ध तरीके से चलें, इसके लिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने विभागीय शोध समिति एवं शोध उपाधि समिति का गठन किया है। विभागीय शोध समिति की रूपरेखा एवं शोध उपाधि समिति की रूपरेखा इस प्रकार है –

3.1 विभागीय शोध समिति:

- विद्याशाखा का निदेशक - अध्यक्ष
- सम्बन्धित विभाग का समन्वयक - संचालक
- सम्बन्धित विद्याशाखा के अध्यापक - सदस्य
- कुलपति द्वारा नामित सदस्य - अन्य विद्याशाखा का अध्यापक

3.2 शोध उपाधि समिति:

- सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक - अध्यक्ष
- सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष - संयोजक
- सम्बन्धित विभाग के समस्त अध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हो - सदस्य
- कुलपति द्वारा नामित सम्बन्धित विषय के दो बाह्य परीक्षक जिनमें से एक की उपस्थिति अनिवार्य-सदस्य
- निर्देशक शोध - सदस्य

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अपने शोध कार्य को लेकर विशेष रूप से प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय ने 2012 से अब तक दो बार पी.एच.डी. हेतु प्रवेश परीक्षा कराई है, जिसके तहत अब तक 26 शोधार्थी विभिन्न विषयों में शोध हेतु नामांकित हैं। विश्वविद्यालय के विभिन्न विषयों में पंजीकृत विद्यार्थियों की सूची निम्नवत् है –

विषयवार पंजीकृत शोध छात्र

क्रमांक	विषय	छात्र संख्या
1	कम्प्यूटर विज्ञान (Computer Science)	1
2	शिक्षा (Education)	9
3	हिन्दी (Hindi)	2
4	इतिहास (History)	2
5	प्रबन्धन अध्ययन (Management Studies)	4
6	समाज शास्त्र (Sociology)	1
7	अंग्रेजी (English)	1
8	पर्यटन (Tourism)	1
9	पत्रकारिता (Journalism)	5
	कुल	**26**

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने 2 वर्ष पूर्व इग्नू (IGNOU) समेत सभी मुक्त विश्वविद्यालयों से पी.एच.डी. कराने पर रोक लगा दी थी, इसलिए विश्वविद्यालयय की शोध प्रक्रिया बाधित हुई है। यूजीसी के निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय अब शोध कराने के लिए प्रयत्नशील है। यूजीसी ने मुक्त विश्वविद्यालयों को भी शोध कराने की अनुमति दी है। इसी क्रम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय शीघ्र ही शोध की नवीन प्रक्रिया प्रारम्भ करने जा रहा है।

इस बीच डॉ0 दिनेश कुमार, सहायक प्राध्यापक, शिक्षा शास्त्र विद्याशाखा के निर्देशन में शोध छात्रा श्रीमती रितु नौटियाल की शोध मौखिकी 21 मार्च 2018 को सम्पन्न हुई। साथ ही कई विषयों में शोध कार्य पूर्ण हो चुके हैं और विद्यार्थियों ने शोध प्रबन्ध जमा कर दिया है, जिसके मूल्यांकन की प्रक्रिया चल रही है।

3.3 अनुसन्धान, प्रकाशन और पुरस्कार (RESEARCH PUBLICATIONS AND - AWARDS)

कार्यशालाएँ / सेमिनार में प्रतिभाग/ आमन्त्रित व्याख्यान का विवरण
(Details of Workshops/Seminars Attended)

क्रमांक	नाम	विद्याशाखा/ विभाग	वर्ष	सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला
1.	डॉ0 शशांक शुक्ला	हिन्दी	2017-18	1. महादेवी वर्मा सृजन पीठ, रामगढ़ द्वारा आयोजित अमृतलालनागर के कथेत्तर साहित्य पर केन्द्रित संगोष्ठी में अमृतलालनागर के निबन्ध साहित्य पर शोध आलेख प्रस्तुत, 17-18 अगस्त 2017। 2. स्त्री लेखन पर आयोजित द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'स्त्री लेखन' विषयक शोध आलेख प्रस्तुत। 26-27 मार्च 2017, आयोजक- महादेवी वर्मा सृजन पीठ, रामगढ़।
2.	डॉ0 सुचित्रा अवस्थी	अंग्रेजी	2017-18	1. डॉ0 सुचित्रा अवस्थी द्वारा 6 फरवरी से 8 मार्च 2018 पर्यन्त UGC-HRDC Kumaun University, Nainital द्वारा आयोजित 28 दिवसीय ओरिएन्टेशन कार्यक्रम में प्रतिभाग। 2. डॉ0 अवस्थी द्वारा 'जापानी भाषा में प्रमाण पत्र' विषयक द्विदिवसीय कार्यशाला (IGNOU, नई दिल्ली) में प्रतिभाग किया गया।
3.	डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी	ज्योतिष	2017-18	1. डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 31 जनवरी से 2 फरवरी 2018 को लखनऊ विश्वविद्यालय में ''अखिल भारतीय ज्योतिष सम्मेलन'' में प्रतिभाग किया गया और 'वेदांग ज्योतिष' विषय पर व्याख्यान दिया गया। 2. डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 7 मार्च 2018 से 4 अप्रैल 2018 पर्यन्त UGC-HRDC Ranchi University, RANCHI द्वारा आयोजित 28 दिवसीय ORIENTATION PROGRAMME में प्रतिभाग किया गया। 3. दिनांक 31 दिसम्बर 2017 को राजकीय इन्टर कॉलेज, फूलचौड़, हल्द्वानी में राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।

4.	डॉ0 गगन सिंह	वाणिज्य	2017-18	1. डॉ. गगन सिंह द्वारा एचआरडीसी गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में दिनांक 07/03/2018 से 28/03/2018 तक आयोजित 21 दिवसीय पुनश्चर्या कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया।
5.	डॉ0 दिनेश कुमार	शिक्षाशास्त्र विभाग	2017-18	1. 21-23 नवम्बर 2017 Development of Online Course Using OER Module, UOU में प्रतिभाग। 2. 2-3 दिसम्बर 2017 को पन्तनगर विश्वविद्यालय में SC/ST Special setablised in University, में प्रतिभाग। 3. 29 नवम्बर से 1 दिसम्बर 2017 Human Life and Environment Education विषयक कार्यशाला में प्रतिभाग।
6.	श्री भूपेन सिंह	पत्रकारिता	2017-18	1. 29-11-2017 से 1 दिसम्बर 2017 पर्यन्त श्रीदेवसुमन विश्वविद्यालय एवं दून विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार में प्रतिभाग। विषय – Himalayan Challenge: towards Interdiciplinary for sustainability and Developments. 2. Mediated Politics a Enviornment: An Investigation of Kedarnath Rebuilding Project में प्रतिभाग एवं व्याख्यान दिया। 3. Changing Climate of Nainital and the role of alternative Media: A study of Nainital Samachar. 4. जामिया मिलीया इस्लामिया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में प्रतिभाग। विषय – Media and Communiaction Studies.
7.	डॉ0 जटाशंकर आर. तिवारी	होटल प्रबन्धन	2017-18	1. Tewari, J.R.(2017). '*Horti-tourism and sustainable development'*, Paper presented in International Conference on 'Development Aspects in Tourism and Hospitality Sector', on 2nd -3rd December 2017 at BhikajiCamaSubharti Institute of Hotel Management, SwanmiVivekanandSubharti University, Meerut.

				2. Tewari, J.R. & Ramola, S. (2018). '*Agriculture based tourism and economic strengthning of farmers*, Paper presented in International Conference on *'Tourism, Pluralism & Heritage-Issues & Challenges in Modern World'* on 25th, 26th and 27th of February 2018 at Institute of Tourism &Hotel Managemaent, Dr. B. R. Ambedkar University Agra,India 3. Tewari, J.R. (2018). *Sustainability by responsible tourism: are tourists really aware about their responsibilities?* Paper presented in International Conference on *'Tourism, Pluralism & Heritage-Issues & Challenges in Modern World'* on 25th, 26th and 27th of February 2018 at Institute of Tourism &Hotel Managemaent, Dr. B. R. Ambedkar University Agra,India 4. Tewari, J.R.(2017). *Horticulture, Tourism and Entrepreneurship'*. Invited lecture in 'National Symposium on Innovation in Horticulture: Production and Consumption', on 15th September 2017, at G.B. Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar, Uttarakhand 5. Tewari, J.R.(2017). '*Role of Front Office in Revenue Generation'*. Invited lecture on 15th September 2017, at BBD University, Lucknow 6. Tewari, J.R.(2017). '*Revenue Management in Un-categorized Hotels'*. Invited lecture on 15th September 2017, at BBD University, Lucknow

8.	सुश्री ममता कुमारी	शिक्षा शास्त्र	2017-18	कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल में दिनांक 25.10.17 से 21.11.17 तक Orientation Course में प्रतिभाग किया।
9.	डॉ0 हरीश चन्द्र जोशी	वानिकी	2017-18	1. 21 to 23 नवम्बर तक कम्प्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला "Development of Online Courses using OERs and Moodle LMS" में प्रतिभाग 2. 23-24 फरवरी 2018 को बी.एस.एम. पी.जी. कालेज रुड़की द्वारा "Woman Health in India: Issues and Concerns" विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में प्रतिभाग किया एवं शोधपत्र प्रस्तुत किया। 3. भूगोल विभाग द्वारा 19 मार्च को "Water Conservation: A shift from Awareness to Consciousness" विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभाग किया।
10.	डॉ0 भावना डोभाल	समाज शास्त्र	2017-18	1. 2017-2018- D.R.A. Govt. PG College Bisauli (UP) द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभाग एवं 'ग्रामीण विकास में गैर सरकारी संगठन की भूमिका' विषय पर लेख का प्रस्तुतिकरण एवं पत्रिका में प्रकाशित। 2. 2017-2018- Sri Dev Suman Uttarakhand University द्वारा आयोजित दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभाग 'स्वास्थ्य व्यवस्था में परिवर्तन एवं विकासः हिमालय क्षेत्र के सन्दर्भ में' विषय पर लेख प्रस्तुत। 3. 2017-2018- Uttarakhand Political Science Association (UPSA) द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभाग।
11.	डॉ0 सीता	मनोविज्ञान	2017-18	1. 30-31 दिसम्बर 2017 राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिसौली, (रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी) में Sustainable Rural Development in India: Issues and challenges विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभाग। 2. उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में योग विभाग

				की कार्यशाला में दि. 21-09-2017 को विषय विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया गया। 3. सितम्बर 2017 को गृह विज्ञान विभाग द्वारा "Healthy Nutrition- Healthy Living" पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभाग किया। 4. 29 नव. - 1 दिस. 2017 Sri Dev Suman Uttarakhand University में "The Himalayan Challenge: Towards Interdisciplinary Dialogues for Sustainability and development"पर आयोजित दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभाग एवम "हिमालय की चुनौतियां: पलायन एवम विस्थापन" विषय पर लेख प्रस्तुत। 5. 23-24 फरवरी 2018 Woman's health in India: Issues and concerns(with special reference to Uttarakhand पर बीएसएम पी जी कॉलेज रुद्की द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में "उत्तराखण्ड की महिलाओं का मानसिक स्वास्थ्य: निर्धारक एवम भावी सम्भावनायें" शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत।
12.	शालिनी चौधरी	अर्थशास्त्र	2017-18	1. दिनांक 6 जनवरी 2018 से 2 फरवरी 2018 पर्यन्त UGC-HRDC गोरखपुर विश्वविद्यालय में 28 दिवसीय अभिविन्यास पाठ्यक्रम में प्रतिभाग किया गया।
13.	मो0 अकरम	भूगोल	2017-18	20 मार्च 2018 को 'जल संरक्षण' विषयक कार्यशाला का उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में आयोजन किया।
14.	मो0 अफजल हूसैन	उर्दू	2017-18	1.उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा दिनांक 29 अगस्त 2017 को उर्दू विषयक आयोजित कार्यशाला में प्रतिभाग किया। 2.उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा दिनांक 12 मार्च 2018 को उर्दू विषयक आयोजित कार्यशाला में प्रतिभाग किया।
15.	डॉ0 गोपाल दत्त	व्यावसायिक अध्ययन	2017-18	1. Attended an awareness workshop on Water Conservation: A Shift from Awareness to Consciousness" held at Uttarakhand Open University, Haldwani on March 20, 2018. 2. Participated in 3rd IEEE International Conference on "Internet

				of things: Smart Innovation and Usages", Organized by- Birla Institute of Applied Sciences, Bhimtal, in association with IEEE U.P. Section and Uttarakhand Science Education & Research Center (USERC), during February 23-24, 2018. 3. Attended a Workshop on Uttarakhand Procurement Rules 2017 & GeM (Government E-Marketplace), Organized by- Will & Skill Creation Private Limited, Uttarakhand at Circuit House Kathgodam, Nainital, during January 18-19, 2018. 4. Attended a Workshop on Development of online courses using OERs and Moodle LMS (Learning Management System), Organized by- School of Computer Science and IT, Uttarakhand Open University, Haldwani, Uttarakhand, during November 21-23, 2017.
16.	डॉ0 अखिलेश सिंह	पर्यटन	2017-18	डॉ0 अखिलेश सिंह द्वारा मास नवम्बर 2017 में UGC-HRDC कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल में Orientation Course में प्रतिभाग किया।
17.	दीपांकुर जोशी	विधि	2017-18	1. Paper presented on the Topic "Indian Culture, Corruption , Anticorruption Laws in India and Aestheticism" in International Seminar- Aetheticism and Indian Culture Organised by Department of History, Kumaun University, S.S.J campus Almora, Uttarakhand, held on 17-18 March 2018. 2. Attended Awareness Workshop on "Water Conservation: A Shift from Awareness To Consciousness" held at Uttarakhand Open University,

				Haldwani on 20 March 2018. 3. Paper presented on the Topic "Women Health and Whistle Blowing in National Health Services" in National Seminar "Women Health in India: Issues and Concerns (with special reference to Uttarakhand State) Organized by Department of Political Science, B.S.M.P.G.College Roorkee, Uttarakhand, held on 23-34 Feburary 2018. 4. Participated in National Summit on "Digital Judiciary-Smart Solutions", Organized by Graphic Era Hill University, Dehradun, held on 6th May, 2018.

पुरस्कार और प्रकाशन
(Awards and Publications)

क्रमांक	नाम	विद्याशाखा/विभाग	प्रकाशन / पुरस्कार
1.	डॉ0 शशांक शुक्ला	मानविकी / हिन्दी	1. बेब पत्रिका 'अनुभव' के पशु-पक्षी विशेषांक में आलेख प्रकाशित, मई 2017 2. अन्तर्राष्ट्रिय ई-पत्रिका 'जनकृति' के मई-जून 2017 में मन्टो का साहित्य : समय के उन्माद पर करूणा का शिलालेख नामक लेख प्रकाशित। 3. प्रतिलिपि पत्रिका के 'पत्र विशेषांक में' 'एक अधूरा प्रेम पन' आलेख प्रकाशित, मई 2017 4. हिन्दी अकादमी, नई दिल्ली के इन्द्रप्रस्थ भारती के जून 2017 अंक में 'गिरोह का ब्रह्मभोज' व्यंग्य आलेख प्रकाशित। 5. बनास जन के जुलाई-सितम्बर 2017 अंक में' कहानीकार मुक्तिबोध' शीर्षक आलेख प्रकाशित। 6. मातृभाषा डॉट कॉम पर 'कविता और केन्द्रीय पंक्ति का प्रश्न' आलेख प्रकाशित, मई 2017। 7. जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय के शोध पत्र 'उत्तरवाहिनी' में 'शेक्सपीयर और पत्रानुकूल भाषा का प्रश्न' शीर्षक आलेख प्रकाशित।
2.	डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी	मानविकी / ज्योतिष	**1.** ''अयनांश विमर्श:'' शीर्षक आलेख अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका (International Journal of Jyotish Research) 'वेदचक्षु' में प्रकाशित। (जुलाई-दिसम्बर 2017) ISSN:2456-4427। **2.**''वास्तुशास्त्रस्य विवेचनम्'' नामक शोध पत्र UGC Approved शोध पत्रिका 'वास्तुशास्त्रविमर्श' में प्रकाशित ISSN No. : 0976-4321। (वर्ष 2017-18 अंक) **3.** UGC Approved अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका ''आम्नायिकी'' में 'वैदिक वांगमय में ज्योतिर्विज्ञान के विविध पक्ष' शीर्षक नामक शोध आलेख प्रकाशित। 4. डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी द्वारा अतिरिक्त कार्यभार के रूप में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के समन्वयक का कार्य दायित्व निर्वहन करते हुए B.Lib (पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक) नवीन पाठ्यक्रम के पाठ्यसामग्रियों का निर्माण कार्य करवाया/किया गया।

3.	डॉ0 सुचित्रा अवस्थी	मानविकी/ अंग्रेजी	**1.** "The Jaagars of Uttarakhand: Rituals, Practices and Beliefs"; St. Teresa Journal of Humanities and Social Sciences
4.	डॉ0 गगन सिंह	वाणिज्य	1. डॉ. गगन सिंह द्वारा "Economic Development and Indian Public Sector Enterprises", शीर्षक पर लिखित शोध पत्र **The Management Accountant**, Vol. 52, No. 11, November, 2017, pp. 53-63. (**ISSN-0972-3528**) में प्रकाशित हुआ। 2. डॉ. गगन सिंह द्वारा "Emerging Model of Co-Operative Societies: A Study of Integrated Co-Operative Development Project (ICDP) Kullu, Himachal Pradesh", शीर्षक पर लिखित शोध पत्र **MANAGEMENT INSIGHT A Glimpse of Contemporary Research, DBH Publishers and Distributors,** New Delhi, Vol-25, No. 2, *pp. 576-590.* ***(ISBN:* 978-93-84710-4-8)** में प्रकाशित हुआ।
5.	डॉ0 चारू चन्द्र पन्त	रसायन विज्ञान विभाग	1. research paper published by Charu C. Pant. Title: Essential oil composition and antioxidant, antibacterial activity of leaf extract of *Persea odoratissima (nees).* European Journal of Biomedical and Pharmaceutical sciences.
6.	डॉ0 भावना डोभाल	समाज शास्त्र मनोविज्ञान	1.''भारतीय समाज के परिपेक्ष्य में पंचायत राज व्यवस्था में महिलाओं की भूमिका'' पर शोधपत्र'वि।।वार्ता'(International Multilingual Research Journal) में प्रकाशित। (जुलाई–सितम्बर 2017) ISSN No: 2319-9318 2. ''भारतीय समाज में लड़के व लड़कियों की शिक्षा में व्याप्त असमानता'' नामक शोध पत्र 'Research Highlight' में प्रकाशित। (अक्टूबर–दिसम्बर 2017) ISSN No: 2350-0611 **1-** ''कामकाजी महिलाओं की प्रस्थिति पर जाति एवं पारिवारिक स्थिति का प्रभाव'' शोधपत्र' (International Research Journal to Higher Education) 'Asian Journal of Advance Studies' में प्रकाशित। (अक्टूबर–दिसम्बर 2017) ISSN No: 2395-4965

7.	डॉ0 सीता		"भारत में प्राकृतिक संसाधनों की बेहतर प्रबंधन की आवश्यकता" विषयक शोध आलेख प्रकाशित ISBN: 978-81-935237-7-3
8.	डॉ0 दिनेश कुमार	शिक्षाशास्त्र विभाग	1. डॉ0 दिनेश कुमार द्वारा लिखित ''शिक्षा आरक्षण एवं गोलमेज सम्मेलन'' शीर्षक आलेख महाराष्ट्र से प्रकाशित International Multidiciplinary Research Journal, पत्रिका में मास दिसम्बर 2017 में प्रकाशित हुआ।
9.	दीपांकुर जोशी	विधि विभाग	**1.Deepankur Joshi: "Protection of Whistle Blowers in India:Need of the hour",**research paper published in Printing Area ,A Multilingual International Research Journal,Issue 33,Vol 07,September,2017, ISSN No. 2394-5303 **2. Deepankur Joshi: "Constitutional perspective of The Right to Information and Protection to Whistle Blowers",** research paper published in Vidhyavarta ,A Multilingual International Research Journal,Issue 20,Vol 06,December,2017, ISSN No. 23195-9318 **3.Deepankur Joshi: "Need of Elementary Education in India",** research paper published in Vidhyavarta ,A Multilingual International Research Journal,Issue 21,Vol 03,Jan to March 2018, ISSN No. 2319-9318 4. **. Deepankur Joshi: "Judicial Attitude towards Corruption and Whistle Blowers",** research paper published in Printing Area , A Multilingual International Research Journal,Issue 39,Vol 02,March 2018 ISSN No. 2394-5303 5. **Deepankur Joshi**, Book Chapter- "Manav Swastha ko Surakshit Rakhne me Bhartiya Samvidhan Avam Nyayalayon ki Bhoomica" Book Title- "Swastha Raksha ke Vibhinn Aayam", 1E, 2017, published by Variety books publishers and distributors, ISBN:978-93-81156-60-5.
10.	डॉ0 मदन मोहन जोशी	इतिहास	डॉ0 एम0एम0 जोशी द्वारा लिखित शोध पत्र 'कुमाऊँ की शाक्त प्रतिमायें' नामक शोध पत्र प्रकाशित हुआ।

11.	डॉ0 मंजरी अग्रवाल	प्रबन्ध	Contribution of Market intermediaries to the growth of securities Market in India: Assessing the Relationaship and Impact शीर्षक शोध आलेख The IUP Journal Of Aplied Finance, ICFAI University, Vol.23 पत्रिका में प्रकाशित हुआ।

कार्यशालाओं / सेमिनारों का विवरण

(Details of Workshops/Seminars Organized)

क्रमांक	विद्याशाखा/विभाग	दिनांक	कार्यशाला / संगोष्ठी
1.	मानविकी विद्याशाखा	14th सितम्बर, 2017	हिन्दी दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी
		4 -14 अगस्त 2017	संस्कृत विभाग एवं अनौपचारिक शिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित दस दिवसीय संस्कृत भाषा प्रशिक्षण शिविर का अयोजन।
2.	विज्ञान विद्याशाखा	20 मार्च 2018	भूगोल विभाग द्वारा 'जल संरक्षण' विषयक कार्यशाला
3.	कम्प्यूटर विभाग	21-23 नवम्बर 2017	कम्प्यूटर विभाग द्वारा Development of online courses using OER and Moodle Lms विषयक कार्यशाला का आयोजन।
4.	दूरस्थ शिक्षा संवर्धन प्रकोष्ठ	24 जुलाई 2017	सम्बन्धित प्रकोष्ठ के द्वारा 'दूरस्थ शिक्षा दुर्गम से सुगम की ओर' विषयक कार्यशाला का आयोजन
5.	पर्यटन विभाग	26-27 सितम्बर 2017	विश्व पर्यटन दिवस समारोह का आयोजन
6.	पत्रकारिता विभाग	30 मई 2017	पत्रकारिता दिवस पर 'लोकतंत्र एवं उत्तराखण्ड' विषयक संगोष्ठी
		26-28 मार्च 2018	मीडिया एवं संचार शोध विषय पर कार्यशाला
7.	विधि विभाग	27 नवम्बर 2017	'Know Your Legal Rights' विषयक संगोष्ठी

3.4 विस्तार गतिविधियाँ और संस्थात्मक सामाजिक उत्तरदायित्व (Extention Activities and Institutional Social Responsibility)

❖ एशिया दूरस्थ शिक्षा संघ में यूओयू (UOU is a Member of AAOU)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय को वर्ष 2017 के लिए एशियन एसोसिएशन ऑफ ओपन यूनिवर्सिटीज (AAOU) की सदस्यता प्राप्त हो गई है। वर्तमान में एशिया के 61 मुक्त विश्वविद्यालय इस संगठन के सदस्य हैं। विश्वविद्यालय अपनी बेहतर साख के आधार पर AAOU में शामिल हुआ है। इससे विश्वविद्यालय की पहचान वैश्विक स्तर पर होने लगेगी। भारत में इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के अतिरिक्त 15 अन्य मुक्त विश्वविद्यालय इस संगठन में शामिल हैं। यह संगठन दूरस्थ शिक्षा से जुड़े विषयों पर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विचार विमर्श करता है। दूरस्थ शिक्षा में ज्ञान व अनुभव के आदान प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एशियन एसोसिएशन ऑफ ओपन यूनिवर्सिटीज ने इंटर यूनिवर्सिटी स्टाफ एक्सचेंज फेलोशिप की भी शुरूआत की है।

❖ ग्रामों को गोद लिया जाना (Village Adoption)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, शैक्षिक दायित्व के साथ-साथ समाजोत्थान के कार्य में भी अग्रसर है। इसके तहत उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा हल्द्वानी विकासखण्ड के अन्तर्गत आने वाली 5 ग्राम सभाओं (मानपुर पश्चिम, तल्ली हल्द्वानी, गौजाजली बिचली, धौलाखेडा, गौजाजली उत्तर) को गोद लिया गया है, जिनमें विश्वविद्यालय द्वारा गाँवों के सतत् विकास को लेकर कई कार्यक्रम संचालित किये जा रहे है।

गोद लिए हुए गाँवों का विवरण (Details of adopted villages)

S.N.	Name of the Village	Total Population	O.B.C.	S.C.	S.T.	General
1	Talli Haldwani	8159	504	944	18	6692
2	Manpur Pashchim	3134	356	186	19	2573
3	Dhaula Khera	2083	104	323	33	1623
4	Gauja Jaali Bichli	2208	34	41	13	2120
5	Gaujajaali Uttar	6136	176	308	11	5641

- **हल्द्वानी**

दिनांक 22, अप्रैल 2017 को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गाँव तल्ली हल्द्वानी में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 45 रोगियों का इलाज किया गया। रोगियों में दमा, जोड़ों का दर्द, कमर दर्द, स्पॉण्डिलाईटिस, मधुमेह, यकृत विकार तथा उच्च रक्त चाप आदि रोगों से ग्रस्त ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर नि:शुल्क दवाओं का वितरण किया गया। डॉ0 हेमन्त काण्डपाल के नेतृत्व में आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर में डॉ0 प्रीति बोरा द्वारा खान-पान से रोगों के बचाव के सम्बन्ध में जानकारी दी गई तथा डॉ0 वीरेन्द्र सिंह द्वारा कृषि की विभिन्न तकनीकों के सम्बन्ध में ग्रामीणों को अवगत कराया गया।

❖ राष्ट्रीय एकता दौड़ (Run-for-Unity Event)

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय एकता दौड़ में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययन केन्द्रो में अध्यनरत छात्रों व विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने सामूहिक दौड़ लगाकर राष्ट्रीय एकता का सन्देश दिया। इस अवसर पर रॉयल कॉलेज फॉर टूरिज्म व होटल मैनेजमेंट,

आई.आई.एम.टी. व स्मार्ट स्किल्स क्लासेज के 100 से अधिक छात्रों ने सामूहिक दौड़ लगाई। इस दौड़ में अन्य संस्थाओं के साथ-साथ शहर के बड़े-बुजुर्गो ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया। दौड़ की समाप्ति के पश्चात मुख्य अतिथि श्री अजय भट्ट ने वहां उपस्थित विशाल जन-समूह को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई।

❖ सदाशय सामाजिक सरोकार - Woolen Cloth Distibution:

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा सर्दी के मौसम और कोहरे के रूप में भयानक ठण्ड को देखते हुए सम्मिलित रूप से एक मानवीय प्रयास का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के लगभग सभी सदस्यों द्वारा घरेलू सामान और गर्म कपड़े जमाकर आसपास रह रहे जरूरतमंदों को वितरित किए गए। विश्वविद्यालय परिवार द्वारा जमा किए गए विशेषत: कपड़े ऊनी एवं गर्म थे। जो जरूरत के आधार पर बहुत छोटे बच्चों, किशोरों, महिलाओं और वृद्धों में वितरित किए गए। 'सदाशय' नाम से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों का योगदान रहा तथा यह प्रयास भविष्य में भी किए जाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का औपचारिक शुभारम्भ कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव जी द्वारा किया

❖ रक्त दान शिविर - (Blood Donation Camp)

उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसन्धान केन्द्र यूसर्क और उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में यूसर्क के वसंत विहार स्थित परिसर में रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। रक्तदान शिविर में प्रोफेसर दुर्गेश पन्त एवं डॉ0 सुभाष रमोला की सक्रिय सहभागिता रही।

❖ पोषण जागरुकता शिविर

दिनांक 5 सितम्बर, 2017 को मानपुर पश्चिम गाँव में ग्राम प्रधान श्रीमती भागीरथी देवी के सहयोग से पोषण जागरुकता शिविर लगाया गया जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों द्वारा भागीदारी दी गई।

❖ स्वच्छता पखवाड़ा (1 से 15 नवम्बर, 2017)

विश्वविद्यालय में 1 से 15 नवम्बर के बीच स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये गए। क्षेत्र के विभिन्न कॉलेजों से आये बच्चों ने पर्यावरण एवं स्वच्छता की केंद्रीय थींम को लेकर आयोजित निबन्ध, पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लिया। स्वच्छता पखवाड़े का समापन व्यापक स्तर पर सफ़ाई अभियान एवं विचार गोष्ठी के माध्यम से हुआ। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों को स्वच्छता को लेकर शपथ ग्रहण करायी गयी। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी छात्रों को पुरस्कार वितरित किये गये।

स्वच्छता पखवाड़ा का छायाचित्र

दूरस्थ शिक्षा संवर्धन प्रकोष्ठ (Distance Education Promotion Cell)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के दूरस्थ शिक्षा संवर्धन प्रकोष्ठ के द्वारा श्री गुरू राम राय इण्टर कालेज पैठानी के सभागार में ''दूरस्थ शिक्षा दुर्गम से सुगम की ओर'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनाँक 24 जुलाई, 2017 को किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन उच्च शिक्षा राज्यमंत्री डॉ0 धन सिंह रावत द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ0 धन सिंह रावत जी ने कार्यशाला में आये लोगों को सम्बोधित करते हुये कहा कि वर्तमान समय प्रतियोगिता का है। प्रतियोगिता में जीत ज्ञान के माध्यम से ही संभव है और ज्ञान को धारण करने के लिये दूरस्थ शिक्षा माध्यम भी अपनी उपयोगिता बढ़ा रहा है।

शौर्य दीवार अनावरण समारोह:

उत्तराखंड मुक्त विवि में शौर्य दीवार का अनावरण उच्च शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश के 118 महाविद्यालयों में से 110 महाविद्यालयों में वह अभी तक शौर्य दीवार का अनावरण कर चुके हैं, और हर महाविद्यालय में हमारे राज्य समेत देश भर के परमवीर चक्र पाए सपूतों की तस्वीरें हो यह मेरा सपना है। इस शौर्य दीवार में उत्तराखंड के पहले परमवीर चक्र विजेता सोमनाथ शर्मा समेत सभी 21 परमवीर चक्र पाए शहीदों की तस्वीरें है।

शौर्य दीवार अनावरण की छायाचित्र

प्रदर्शनी देखने के बाद विवि के सभागार में सभी एकत्रित हुए. जहां सभा की शुरुआत करते हुए विवि के कुलपति प्रो. नागेश्वर राव ने जानकारी दी कि उच्च शिक्षा मंत्री द्वारा विवि के तीन मोबाइल एप्लीकेशन्स का उद्घाटन किया जाना है। तीनों ही एप आम व सीमांत जन तक डिजीटल इंडिया के मिशन को पहुँचाने के उद्देश्य से बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि विवि तकनीकि का उपयोग प्रदेश के विकास में करना चाहता है।

4. अधिसंरचना और अधिगम संसाधन
(Infrastructure and Learning Resources)

उत्तराखण्ड प्रदेश में शैक्षिक जगत के लिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। इस विश्वविद्यालय ने अल्प समय में ही यहाँ के दूरस्थ, ग्रामीण एवं दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले निवासियों को भी शिक्षा से जोड़कर समाज की मुख्यधारा में लाने का कार्य किया है। परम्परागत शिक्षा प्रणाली की अपनी सीमाएं होती हैं। सीमित सीटों, सीमित संसाधनों की वजह से वे सभी के लिए सुलभ नहीं हो पाती। परम्परागत शिक्षा प्रणाली केन्द्रीयता के सिद्धान्त पर चलने वाली व्यवस्था है, जिसमें एक केन्द्र की क्रियाशीलता होती है। मुक्त विश्वविद्यालयी प्रणाली में ''शिक्षा आपके लिए तथा शिक्षा आपके द्वार'' जैसी अवधारणा होती है। यही कारण है कि शिक्षा की मुख्यधारा से वंचित लोग भी इस प्रणाली में मुख्यधारा के अंग बन जाते हैं। मुक्त विश्वविद्यालय की इसी अवधारणा के क्रम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना हुई है।

विश्वविद्यालय का मुख्य द्वार

4.1 भौतिक अधिसंरचना (Physical Infrastructure)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का मुख्यालय हल्द्वानी में स्थित है। हल्द्वानी को उत्तराखण्ड का प्रवेश द्वार कहा जाता है, क्योंकि इसके पश्चात् राज्य की पर्वत श्रृंखलायें शुरू हो जाती है। यहाँ उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय एक तरह से शिक्षा का द्वार भी बन जाता है, क्योंकि इसी के माध्यम से सम्पूर्ण राज्य में शिक्षा का 'सार्वजनीन प्रसरण' सम्भव हो पा रहा है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने अपनी प्राथमिक भूमिका को समझ कर राज्य के शिक्षार्थियों-बुद्धिजीवियों के लिए नये-नये पाठ्यक्रम का संचालन व अकादमिक गतिविधियों में उनकी सक्रिय भागीदारी कर अपना महत्वपूर्ण सांस्कृतिक योगदान दिया है। किसी भी संस्था के कार्य का प्राथमिक आधार उसके ढाँचे और अधिसंरचनाएं होती हैं। मूलभूत ढाँचा और अधिसंरचना संस्था के कार्यों के सुचारू रूप से सम्पन्नता/संचालन में अपना विशेष योगदान देते हैं। इन्हीं के माध्यम से विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ अपना सजीव आकार ग्रहण कर पाती हैं। भौतिक अधिसंरचना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के भवन, परिसर, मूलभूत

सुविधा, तकनीकी सुविधा एवं अन्य क्षेत्र आते हैं। एक प्रकार से अधिसंरचना एवं मानवीय संसाधन क्षमतायें संस्था के शरीर की भॉति होते हैं, जिसमें सभी गतिविधियाँ संचालित होती हैं।

4.2 मुख्य भवन (Main Building)

विश्वविद्यालय भवन का शिलान्यास तत्कालीन महामहिम कुलाधिपति एवं राज्यपाल डॉ. मार्ग्रेट अल्वा, मुख्यमन्त्री डॉ.रमेश पोखरीयाल 'निशंक' द्वारा अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। तदुपरान्त विश्वविद्यालय के भवन का उद्घाटन माननीय राज्यपाल श्री अजीज कुरैशी जी के कर कमलों द्वारा हुआ।

विश्वविद्यालय का मुख्य भवन

विश्वविद्यालय का भवन शैक्षिक, प्रशासनिक एवं तकनीकी परिसरों का संयुक्त समवाय है। इसका एक भवन जहाँ अकादमिक सदस्यों के लिए निर्मित है, वही दूसरा भवन प्रशासन के कार्यों के क्रियान्वयन के लिए है। भवन का एक हिस्सा कम्प्यूटर लैब के रूप में विकसित है। शैक्षणिक भवन के भीतर विश्वविद्यालय के 13 विद्याशाखाओं के शिक्षकों के बैठने के लिए स्वतन्त्र कक्ष की सुविधा उपलब्ध है, जिससे वे अपने विभागीय दायित्वों का निर्वहन कर सकें। शैक्षणिक भवन का विभाजन विद्याशाखाओं के अनुसार किया गया है। एक विद्याशाखा के भीतर विभिन्न विभाग हैं, जो आन्तरिक विषय-वस्तु की दृष्टि से जुड़े हुए हैं। कक्षों का विभाजन भी वैज्ञानिक पद्धति पर किया गया है। मानविकी, समाज विज्ञान, विज्ञान, कम्प्यूटर साइन्स, वाणिज्य एवं प्रबन्धन, पत्रकारिता जैसी विद्याशाखाओं के लिए स्वतन्त्र स्थान एवं कक्ष निर्मित किये गए हैं।

4.3 प्रशासनिक भवन: (Administrative Building)

प्रशासनिक भवन विश्वविद्यालय की समस्त अकादमिक गतिविधियों के संचालन को व्यावहारिक धरातल पर क्रियाशील करने का केन्द्र होता है। इस भवन में कुलपति कार्यालय, कुलसचिव कार्यालय, वित्त नियंत्रक कार्यालय प्रमुख रूप से निर्मित है। कुलपति कार्यालय सम्पूर्ण विश्वविद्यालयी गतिविधियों, चाहें वह अकादमिक हो या प्रशासनिक का केन्द्र है। कुलसचिव कार्यालय सम्पूर्ण प्रशासन–कार्यों का नियन्त्रण करता है।

प्रशासनिक भवन

विश्वविद्यालय प्रशासन का तीसरा घटक वित्त नियन्त्रक कार्यालय है । वित्त–नियन्त्रक विश्वविद्यालय के समस्त आर्थिकी का केन्द्रभूत अधिकारी है। इस प्रकार कुलपति, कुलसचिव एवं वित्त कार्यालय आस-पास हैं, जिससे कार्य-संचालन में सुविधा हो।

विश्वविद्यालय भवन में कुछ अन्य अधिकारियों के कार्यालय भी हैं जिसमें मुख्य रूप से जनसम्पर्क अधिकारी, सहायक कुलसचिव, लोक सूचना अधिकारी हैं।

4.4. पुस्तकालय: एक अधिगम संसाधन के रूप में (Library: As a Learning Resource)

विश्वविद्यालय ज्ञान की एक बौद्धिक इकाई है। यह ज्ञान का ऐसा केन्द्र है, जो सम्पूर्ण समाज व संस्कृति को प्रभावित करता है। यह केवल ज्ञान का वितरण ही नहीं करता बल्कि उसका निर्माण भी करता है। ज्ञान-विज्ञान की इस प्रक्रिया में संवादात्मकता अनिवार्य है। संवाद की यह प्रक्रिया अध्यापक और छात्र के मध्य भी चलती है तथा पुस्तक और छात्र के मध्य भी। पुस्तक ज्ञान के संयोजित रूप होते हैं, इसीलिए हर वर्ग के व्यक्तियों के लिए यह हमेशा प्रासंगिक बनी रहती है। किसी भी उन्नत समाज की एक प्रमुख पहचान यह होती है कि उस समाज के पास श्रेष्ठ ग्रन्थ, पुस्तकें कितनी हैं? समृद्ध समाज, समृद्ध पुस्तकों का ऋणी होता है। प्राचीन समय में भी नालन्दा, तक्षशिला के ग्रन्थालय भारतीय ज्ञानात्मक चेतना के उत्कर्ष के प्रतीक थें। आज भी ग्रन्थालय किसी भी स्थान समाज और विश्वविद्यालय के ज्ञान–केंद्र बने हुए हैं। ग्रन्थालय विश्वविद्यालय के ज्ञान केन्द्र होते हैं, जो विद्यार्थी व शिक्षक को निरन्तर ज्ञानात्कम ऊर्जा से संचालित करते हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पास समृद्ध पुस्तकालय है। इस पुस्तकालय में 26594 पुस्तकें उपलब्ध हैं, जो मानविकी, समाज विज्ञान, विज्ञान, कम्प्यूटर साइंस, योग–आयुर्वेद, ज्योतिष, परम्परागत धर्मशास्त्र, विधि से लेकर लोक आधुनिक विषयों को भी समेटे हुए हैं। विश्वविद्यालय ग्रन्थालय विभाग इस बात के लिए दृढ़प्रतिज्ञ है कि ग्रन्थालय में किसी भी विषय की महत्वपूर्ण अध्ययन पुस्तकें उपलब्ध हों, इसीलिए समय-समय पर सम्बन्धित विषयों के प्राध्यापक नवीन पुस्तकों की सूची पुस्तकालय विभाग को देते रहते हैं।

ग्रन्थालय में पुस्तकों के साथ शैक्षणिक विडियों/ऑडियो भी संग्रहीत हैं, जिसका लाभ प्राध्यापक एवं छात्र उठाते रहते हैं। इसके अतिरिक्त प्रमुख जर्नल, पत्रिकाएं एवं समाचार पत्रों की सुविधाएं भी हैं, जो ग्रन्थालय को बहुविध ज्ञान–विज्ञान से सम्पन्न करती हैं। विश्वविद्यालय का ग्रन्थालय विभाग छात्रहित केन्द्रित रहा है,

इसलिए उसने छात्र–हित को ध्यान में रखते हुए विभिन्न सुविधाएं दी हैं, फिर वह चाहें छात्रों को पुस्तकों के आदान-प्रदान की सुविधा हो या इन्टरनेट सुविधा, फोटोकॉपी कराने की सुविधा हो या स्कैन कराने की सुविधा।

विश्वविद्यालय का ग्रन्थालय आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से युक्त है। ग्रन्थालय में सारी पुस्तकों की प्रविष्टि ई–माध्यम से की जा रही है जिससे अपनी दक्षता एवं तकनीकी सुविधाओं के उचित उपयोग से छात्र विश्वविद्यालय में उपलब्ध पुस्तकों को सहजता से ही प्राप्त कर सकते हैं।

पुस्तकालय विभाग की सक्रियता एवं कुशलता को समय–समय पर विभिन्न संगठनों ने सराहा है। NCTE, VGC, DEC एवं RC के सदस्यों के निरीक्षण समय-समय पर यहाँ होते रहें हैं। ग्रन्थालय के प्रभारी डॉ0 जटाशंकर तिवारी के साथ ही राकेश पंत एवं श्रीमती मीनू गुप्ता की सक्रियता ने पुस्तकालय को छात्र हित के सर्वथा अनुकूल बना दिया है। इस प्रकार विश्वविद्यालय का ग्रन्थालय आधुनिक सुविधाओं के साथ ही मानवीय दृष्टि से भी सहयोगी है। ग्रन्थालय से लगा इसका वाचनालय शांतिपूर्ण कक्ष है, जिसमें छात्र पुस्तकालय का उचित लाभ उठाते रहे हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अपनी अकादमिक गतिविधियों के लिए उत्तराखण्ड में विशेष प्रसरित रहा है। इसकी अकादमिक गतिविधियाँ स्वत: स्फूर्त हैं। यही कारण है कि विश्वविद्यालय में आए दिन विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है। विश्वविद्यालय में विभिन्न महापुरूषों की जयन्तियाँ मनाने का प्रचलन रहा है, जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की कार्यसूची में भी है।

4.5. पाठ्यसामग्री उत्पादन एवं वितरण प्रभाग (एम.पी.डी.डी.)

मुक्त विश्वविद्यालयीय परम्परा में पाठ्यसामग्री का अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान है। दूसरे शब्दों में कहा जाय तो पाठ्यसामग्री मुक्त शिक्षण व्यवस्था में सर्वमूलाधार है। इस प्रणाली में छात्र प्रत्यक्ष नहीं होता, इसलिए यहाँ के अध्यापकों के लिए एक विशेष दायित्व बन जाता है कि उन्हें छात्रों को अप्रत्यक्ष रूप से उसका विषय बोध करायेंइस कड़ी में अध्यापक अपनी पाठ्यसामग्री से ही छात्रों से जुड़ता है। पाठ्यसामग्री मुद्रणोपरान्त एम.पी.डी.डी. प्रभाग द्वारा छात्रों को वितरित की जाती है। इस प्रकार पाठ्यसामग्री उत्पादन एवं वितरण प्रभाग विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण प्रभाग है। यह प्रभाग छात्रों तक पाठ्यसामग्री वितरण के प्रति उत्तरदायी है। यह प्रभाग सुनिश्चित करता है कि पाठ्यसामग्री छात्रों को समय पर प्राप्त हो सके।

एम.पी.डी.डी. के सदस्यों द्वारा छात्रों को पाठ्यसामग्री वितरण करते हुए

यह प्रभाग छात्रों के हित में, वर्ष 2017-18 से अधिकांश विद्यार्थियों की अध्ययन सामग्री सीधे उनके अध्ययन केन्द्रों पर प्रेषित कर रहा है। एम0पी0डी0डी0 अनुभाग द्वारा विद्यार्थियों को तीन प्रकार से पाठ्यसामग्री उपलब्ध कराई जा रही है-

1. विद्यार्थियों को उनके अध्ययन केन्द्रों तक सीधे पहुँचाकर।
2. क्षेत्रीयों केन्द्रों तक पहुँचाकर।
3. विद्यार्थियों को सीधे उनके पते पर स्पीड पोस्ट के माध्यम से।

एमपीडीडी अनुभाग में अध्ययन सामग्री के साथ

इस वर्ष से विश्वविद्यालय का एम.पी.डी.डी. अनुभाग का यह प्रयास रहा है कि विद्यार्थियों को उनकी अध्ययन सामग्री और अधिक सहजता से प्राप्त हो सके। इसके लिए यह अनुभाग निरन्तर नवीन योजनाओं के साथ कार्य कर रहा है। वर्ष 2017-18 में यह अनुभाग अपनी कार्यकुशलता के साथ नवीन परिवर्तन करते हुए शीघ्रता से विद्यार्थियों को उनकी अध्ययन सामग्री प्रेषित कर चुका है। इस प्रकार यह प्रभाग विद्यार्थियों को उनका पाठ्यसामग्री वितरण हेतु कटिबद्ध है।

4.6. सूचना प्रौद्योगिकी अधिसंरचना (Information Technology Infrastructure)

- **सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (I.C.T.)**

वर्ष 2010 में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में आई.सी.टी. विभाग की स्थापना की गई। विश्वविद्यालय के पास वर्तमान में विश्वविद्यालय के आई.सी.टी. विभाग का अपना स्वयं का वैब सर्वर, एप्लिकेशन सर्वर और डेटाबेस सर्वर है। विश्वविद्यालय के पास सम्प्रति 12TB NAS की सम्पूर्ण बैकअप धारिता क्षमता है, और विश्वविद्यालय 1GBPS NKN नेटवर्क पाइप से जुड़ा है तथा 4MBPS नेटवर्क पाइप के बैकअप की व्यवस्था है।

आइ.सी.टी अनुभाग में कार्यरत तकनीकी विशेषज्ञ

आई.सी.टी. विभाग मूलत: सूचना प्रोद्यौगिकी के सम्बन्ध में योजना निर्माण के साथ सूचना, तकनीकी निर्माण, हार्डवेयर प्रबंधन, आई.टी. सम्भरण एवं सहायता, अधिप्राप्ति, आभासी शिक्षा, कम्यूनिटी रेडियो आदि कार्यों का सम्पादन करता है और सॉफ्टवेयर विकास, पोर्टल विकास, प्रयोज्यता सम्भरण, डाटा केन्द्र प्रबन्धन, नेटवर्क प्रबन्धन, आई.टी. सेवाएं तथा सहयोग एवं सभी प्रकार के सम्प्रेषण के कार्यों का निर्वहन करता है। विश्वविद्यालय में इसके द्वारा स्टूडेण्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम का निर्माण किया गया है, जिसके अन्तर्गत ऑनलाइन प्रवेश/ परीक्षा फॉर्म, ऑनलाइन भर्ती प्रक्रिया, इन्ट्रानेट में प्रार्थना पत्र के अलावा एम.पी.डी.डी., प्रवेश फॉर्म, परीक्षा/ अंकपत्र, वित्त एप आदि की सुविधा भी उपलब्ध है। आई.सी.टी. विभाग द्वारा वैब पोर्टल बनाया गया है और छात्रों के लिए शिकायती टिकट प्रणाली भी निर्मित की गयी है।

वन-व्यू एप्लीकेशन द्वारा छात्रों को उनकी प्रोफाइल, शुल्क, परीक्षा आदि की समस्त जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। आई.सी.टी. विभाग द्वारा विकसित ई-ग्रन्थालय भी विश्वविद्यालय में उपलब्ध है। विश्वविद्यालय कर्मचारियों के लिए इन्ट्रानेट पोर्टल कार्यरत है और बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करने का प्रावधान किया गया है। आई.सी.टी. विभाग द्वारा क्षेत्रीय केन्द्रों के लिए प्रवेश फॉर्म, पुस्तक वितरण फॉर्म, परीक्षा फॉर्म, परीक्षाफल, हार्डवेयर एवं प्रयोज्यता से संबंधित आई.सी.टी. सहायता दी जाती है।

आई.सी.टी. विभाग द्वारा शिक्षण केन्द्रों के लिए भी प्रवेश फॉर्म, पुस्तक वितरण फॉर्म, परीक्षा फॉर्म, ऑनलाइन शुल्क भुगतान, परीक्षाफल तथा सम्बन्धित सूचनायें प्रदान की जाती है । विश्वविद्यालय में आई.सी.टी. विभाग द्वारा छात्रों के लिए एक किओस्क भी स्थापित किया गया है, और ऑनलाइन लर्निंगं भी शुरू की गयी है। वर्तमान में विश्वविद्यालय परिसर Wi-Fi से सुसज्जित है, और सुरक्षा की दृष्टि से परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाये गये हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय देश का प्रथम मुक्त विश्वविद्यालय है, जिसने विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त करने के लिए मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज़ (MOOC) की सुविधा दी है।

4.7. मानव संसाधन (Human Resources)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय श्रेयताओं के सर्वांगीण विकास के लिए उच्च भौतिक एवं मानवीय संसाधनों से युक्त विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय में जहाँ एक ओर उच्च तकनीकी सुविधायें उपलब्ध हैं, तो दूसरी ओर अपने-अपने विषय में विशेषज्ञ प्राध्यापक एवं कर्मचारी भी हैं। विश्वविद्यालय का उद्देश्य छात्र-हित को ध्यान में रखते हुए श्रेष्ठ मानवीय क्षमताओं की उत्पादकता निर्मित करना है। इसलिए विश्वविद्यालय भौतिक,

तकनीकी एवं मानवीय संसाधनों की 'एकसूत्रता की अंतर्क्रिया' पर विशेष बल देता है। अर्थात् एक ओर तो इसमें भौतिक ढाँचा, कार्यदशायें हैं, दूसरी ओर उन कार्यदशाओं को प्रसारित करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता है, तो तीसरी ओर कार्यदशा को व्यावहारिक रूप देने के लिए श्रेष्ठ मानवीय संसाधन यानी शिक्षा और कौशल का संयुक्त समवाय देखने को मिलता है। यहाँ का हर सदस्य अपने विषय की दक्षता के साथ ही यन्त्र एवं तकनीकी कौशल से युक्त है। आज का युग तकनीकी कौशल का युग है। आज हमारे पास ज्ञान का पुस्तकीय रूप ही पर्याप्त नहीं रह गया है। तेजी से बदल रहे विश्व में घटित हो रही हर महत्वपूर्ण घटना दूसरे समाज (देश) को प्रभावित कर लेती हैं। ऐसी स्थिति में यह युग की आवश्यकता है कि हम तकनीकी रूप से सक्षम बनें और सूचना युग में अपने लिए तथा अपने समाज के लिए ज्ञान का सृजन करें। इसलिए आज के युग में ज्ञान और कौशल दोनों महत्वपूर्ण हो उठे हैं। ज्ञान को प्रसारित होने के लिए कौशल चाहिए तथा कौशल को ज्ञान का स्त्रोत चाहिए। इसीलिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने तकनीकी कार्य कुशल प्राध्यापक एवं कर्मचारियों की नियुक्ति की हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में नियमित और अस्थायी शिक्षकों की श्रेष्ठ टीम है। यह देश के प्रारम्भिक विश्वविद्यालयों में से है, जहाँ शिक्षकों की चयन प्रक्रिया को लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के माध्यम से सम्पन्न किया जाता है।

एक ओर हम छात्रों के लिए उच्चस्तरीय पाठ्यपुस्तकें निर्मित करते हैं तो दूसरी ओर उनके ज्ञानात्मक उत्कर्ष के लिए वीडियो लेक्चर, रेडियो व्याख्यान, टैली कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से अध्यापन, कार्यशाला, परामर्श सत्रों का आयोजन एवं संगोष्ठी का आयोजन करते हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का शिक्षण तन्त्र लचीलेपन, लोकतान्त्रिक एवं पारदक्रिया से संचालित होता है। प्राध्यापक सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन करते समय विशेष सुझावात्मक टिप्पणियाँ करते हैं, जिससे छात्र परीक्षा के पूर्व ही अपनी कमियों में सुधार कर लेते हैं। इसी प्रकार परामर्श सत्र में छात्रों की जिज्ञासाओं का रचनात्मक तरीके / पद्धति से शमन किया जाता है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में समय-समय पर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है, जिसमें सम्बन्धित विषय के विशेषज्ञ विद्धानों को आमन्त्रित किया जाता है जिससे छात्र लाभान्वित हो सकें।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षणेत्तर कर्मचारी तीन प्रक्रियाओं के तहत नियुक्त किए जाते हैं। कर्मचारियों का बड़ा वर्ग 'उपनल' सरकारी संस्था के तहत नियुक्त है। दूसरा वर्ग आउटसोर्सिंग एजेन्सियों के तहत नियुक्त है तथा तीसरा वर्ग दैनिक भत्ते वाले कर्मचारी हैं।

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक तथा प्रशासनिक पदों का सृजन उत्तराखण्ड सरकार द्वारा किया जाता है। इन पदों पर नियुक्तियाँ उत्तराखण्ड सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित सेवा शर्तों पर की जाती है। इसके अतिरिक्त दूरस्थ शिक्षा परिषद् (डेब) के मानकों के अनुरूप कुछ वरिष्ठ परामर्शदाताओं की नियुक्ति भी विश्वविद्यालय करता रहा है। इन शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों की सम्यक व्यवस्था में सहयोग के लिए तकनीकी कर्मचारी एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारिंयों की नियुक्ति की गई है।

5. शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ

(Student Support Services)

किसी भी शिक्षण संस्था या विश्वविद्यालय के दो मुख्य घटक होते हैं – छात्र और प्राध्यापक। एक शिक्षा का ग्रहीता है तो दूसरा उसका प्रदाता। छात्र और अध्यापक के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान वैसे तो प्रत्यक्ष रूप में होता है, किन्तु उसकी प्रक्रिया के निष्पादन में विश्वविद्यालय के अन्य तत्व भी सहायक के रूप में अपनी भूमिका निभाते हैं। परम्परागत विश्वविद्यालय में गुरू और छात्र के बीच ज्ञान ग्रहण की प्रक्रिया प्रत्यक्ष होती है, किन्तु दूरस्थ व मुक्त शिक्षा पद्धति में अध्यापक और छात्र के बीच प्रत्यक्ष संवाद प्राय: नहीं होता। इसलिए यहाँ विद्यार्थी सहायता सेवाओं की लम्बी प्रक्रिया क्रियाशील होती है, जिसमें विश्वविद्यालय में छात्र के प्रवेश से लेकर उसके प्लेसमेन्ट और पुराछात्र समुदाय तक की प्रक्रिया चलती है। किसी भी शिक्षण तन्त्र के लिए छात्र केन्द्रीय घटक होता है। इस प्रकार विद्यार्थी सहायता सेवा का तात्पर्य उस पूरी प्रक्रिया से है, जो किसी भी शिक्षण संस्था में छात्रों के ज्ञानार्जन व सीखने की प्रक्रिया को समुन्नत व सुगठित रूप प्रदान करने के लिए कोई शिक्षण संस्था अपनाती है।

शिक्षण सहायता सेवाएँ के अन्तर्गत प्रवेश, पाठ्य-सामग्री, परामर्श सत्र, पुस्तकालय, परीक्षा, दीक्षान्त, प्लेसमेन्ट एवं पुराछात्र आदि शिक्षार्थी केन्द्रित व्यवस्था सन्निहित होती है। इस पूरी प्रक्रिया को इस चित्र/आरेख के माध्यम समझा जा सकता है -

शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ

• अकादमिक सत्र

सामान्यतः विश्वविद्यालय का सत्र जुलाई से प्रारम्भ होकर अगले वर्ष जून तक चलता है। इस पाठ्यक्रम वार्षिक परीक्षा प्रणाली या सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली पर आधारित हैं। सेमेस्टर प्रणाली में सेमेस्टर की अवधि छः माह है। विश्वविद्यालय में वर्ष में दो बार प्रवेश दिया जाता है।

1. ग्रीष्म कालीन सत्र - (प्रवेश 1 जुलाई से प्रारम्भ)

2. शीत कालीन सत्र - (प्रवेश 1 जनवरी 2018 से प्रारम्भ)

• प्रवेश की अंतिम तिथि -

प्रवेश	सत्र	
	ग्रीष्मकालीन	शीतकालीन
आरम्भ की तिथि	01 जुलाई	01 जनवरी
अंतिम तिथि	31 अगस्त	28 फरवरी
विलम्ब शल्क रू.250/- के साथ	15 सितम्बर	15 मार्च
विलम्ब शल्क रू.500/- के साथ	30 सितम्बर	31 मार्च

• ऑनलाइन प्रवेश -

सभी पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश की सुविधा उपलब्ध है। ऑनलाईन प्रक्रिया में शुल्क का भुगतान पेमेंट गेटवे (डेबिड कार्ड/क्रेडिड कार्ड अथवा नेट बैकिंग) के माध्यम से किया जाता है।

प्रथम वर्ष/प्रथम समेस्टर में प्रवेश हेतु विद्यार्थी अपने आवेदन पत्र तथा संलग्नकों को अनिर्वाय रूप से अध्ययन केन्द्र में जाकर सत्यापित कराते हैं। इन विद्यार्थियों को अग्रिम वर्ष में प्रवेश लेते समय अपने अभिलेखों को सत्यापित करवाने की आवश्यकता नही होती और वे सीधे ऑनलाइन प्रवेश प्राप्त करते हैं।

अगर कोई विद्यार्थी विश्वविद्यालय में पूर्व से ही नामांकित है तथा नये पाठ्यक्रम में ऑनलाइन प्रवेश लेना चाहता है, तो उस विद्यार्थी को अपने फार्म तथा संलग्नकों का सत्यापन अनिवार्य रूप से करवाना होता है।

• नामांकन/ पहचान पत्र

शिक्षार्थी सहायता सेवा का प्रथम चरण छात्र द्वारा विश्वविद्यालय में प्रवेश है। विश्वविद्यालय में प्रवेश के पश्चात् प्रत्येक विद्यार्थी का नामांकन किया जाता है और उसे एक नामांकन संख्या का आवंटन एक ही बार होता है, जिसका उल्लेख अंक तालिका, प्रमाण पत्र एवं उपाधि पत्र में किया जाता है।

विश्वविद्यालय में छात्रों को पहचान पत्र उपलब्ध कराने की व्यवस्था है। छात्र द्वारा पहचान पत्र पर प्रविष्टियाँ अंकन तथा नवीनतम फोटोग्राफ चिपका कर सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र निदेशक से हस्ताक्षरित कराया जाना अनिवार्य होता है। पहचान पत्र शिक्षार्थी के विश्वविद्यालय में छात्र होने का प्रमाण होता है।

• पुनर्प्रवेश एवं पार्श्व प्रविष्टि

यदि कोई विद्यार्थी अपरिहार्य कारणों से पाठ्यक्रम के मध्य में ही अध्ययन छोड़ देता है और बाद में पुन: प्रवेश लेना चाहता है, तो ऐसे विद्यार्थी को इस प्रतिबन्ध के साथ पुन: प्रवेश प्रदान किया जा सकता है कि ऐसे

विद्यार्थी द्वारा उसके सम्बन्धित पाठ्यक्रम में प्रथम प्रवेश की अवधि से निर्धारित अधिकतम अवधि के अन्तर्गत ही पाठ्यक्रम पूर्ण किया जाना होगा।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने छात्र हित को ध्यान में रखते हुए पार्श्व प्रविष्टि (Lateral Entry) की भी व्यवस्था की है। पार्श्व प्रविष्टि के आधार पर प्रवेश पाने वाले अभ्यर्थियों के प्रकरणों में उनके पूर्व संस्थानों के प्राप्तांको को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में प्रचलित प्रतिशतांक में परिवर्तित किया जाता है, जिससे कुल प्रतिशत के आधार पर विश्वविद्यालय द्वारा उपाधि का निर्धारण किया जा सके।

• प्रवेश पद्धति -

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों ही पद्धतियों से प्रवेश लेने की व्यवस्था की गई है। जिन कार्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश होता है वहाँ राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित आरक्षण के नियम लागू होते हैं, किन्तु जिन कार्यक्रमों में सीधे प्रवेश की व्यवस्था है, वहाँ सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में केवल वे अभ्यर्थी ही प्रवेश के पात्र हैं जो विद्या परिषद द्वारा निर्धारित शैक्षिक अर्हता, आयु सीमा तथा अन्य मापदण्डों को पूरा करते हों। विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र अथवा विश्वविद्यालय से निर्धारित शुक्ल का भुगतान कर प्राप्त किये जा सकते हैं। अभ्यर्थी का प्रवेश उसी अध्ययन केंद्र में माना जाएगा, जहाँ उसने पूरित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हो अथवा पंजीकरण कराया हो । विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए वही आवेदन पत्र स्वीकार्य हैं, जिनके साथ विद्यार्थी द्वारा स्वप्रमाणित एवं सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र द्वारा सत्यापित अभिलेख/प्रमाण पत्र संलग्न हों। विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु मात्र उन्हीं स्कूल बोर्डों/ विश्वविद्यालयों/शैक्षणिक संस्थानों द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र एवं उपाधियाँ मान्य है जिन उपाधियों को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेण्डरी ऐजुकेशन/विद्यालयी शिक्षा परिषद उत्तराखण्ड/विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समकक्षता/ मान्यता प्रदान की गयी हो।

• पाठ्यसामग्री (Learning Meterial)

दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा प्रणाली में मुद्रित अध्ययन सामग्री का महत्वपूर्ण स्थान है। विश्वविद्यालय की अध्ययन सामग्री छात्रों की रूचि, उनके मानसिक स्तर तथा ज्ञान के उच्चस्तरीय क्रियारूपों की सापेक्षता में निर्मित की जाती है। विश्वविद्यालय में छात्रों के प्रवेश एवं नामाकंन के पश्चात् अध्ययन सामग्री छात्रों को दे दी जाती है। अध्ययन सामग्री का वितरण विश्वविद्यालय के मुख्यालय से भी होता है तथा क्षेत्रीय एवं अध्ययन केंद्र से भी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के 8 क्षेत्रीय केंद्र हल्द्वानी, रानीखेत, बागेश्वर, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, उत्तरकाशी, पौड़ी, रूड़की एवं देहरादून में स्थित हैं। इन क्षेत्रीय केन्द्रों का संचालन इसके अन्तर्गत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से होता है। विद्यार्थी का नामांकन किसी अध्ययन केन्द्र पर होता है, और इस तरह वह क्षेत्रीय केंद्र तथा विश्वविद्यालय का एक भाग बनता है। विश्वविद्यालय छात्रों के लिए अध्ययन सामग्री क्षेत्रीय केंद्रो तथा अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से उपलब्ध कराता है। इस प्रकार विश्वविद्यालय छात्र हित को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त लचीलेपन की पद्धति का अनुसरण करता है।

• परामर्श (Counselling)

मुक्त विश्वविद्यालय की भिन्न शिक्षण-पद्धति के कारण परामर्श प्रक्रिया इसकी मुख्य आकादमिक गतिविधि है। परामर्श कक्षा-शिक्षण का विकल्प नहीं है, अपितु कक्षा-शिक्षण के आगे की प्रक्रिया है। मुक्त अध्ययन पद्धति यह स्वीकार करती है कि छात्र ने स्व-अध्ययन सामग्री का अध्ययन कर विषय को समझ लिया है

तथा विषय की समझ को उसके अंतिम रूप, क्रियात्मकता तक अब 'परामर्श सत्रों' का आयोजन कर लाया जाता है। परामर्श सत्र मुख्यत: अध्यापक और छात्र के मध्य क्रियात्मक-संवाद है। यानी किसी विषय की सैद्धान्तिक अवधारणा की समझ के पश्चात् उस विषय के क्रियात्मक रूपों के अनुशासन का नाम ही परामर्श सत्र या परामर्श कक्षायें हैं। परामर्श सत्र सैद्धान्तिक अधिगम की व्यावहारिक उपस्थापना है।

परामर्श सत्र का छायाचित्र

परामर्श कक्षाओं का आयोजन विश्वविद्यालय के मुख्यालय, क्षेत्रीय एवं अध्ययन केन्द्रों पर किया जाता है। क्षेत्रीय केंद्रो एवं अध्ययन केन्द्रों पर शनिवार एवं रविवार के दिन परामर्श सत्र का आयोजन किया जाता है, जब कि विश्वविद्यालय अपने मुख्यालय पर प्रतिदिन छात्रों के लिए परामर्श कक्षायें चलाता है। शनिवार एवं रविवार के दिन परामर्श सत्रों के आयोजन के पीछे मुख्य ध्येय यह है कि अवकाश के दिनों में व्यवसायरत, कार्यरत एवं गृहणियाँ भी इस सत्र का लाभ उठा सकती हैं। समय-समय पर आयोजित परामर्श–सत्रों की सूचना उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के बेवसाइट, क्षेत्रीय एवं अध्ययन केंद्रो कार्यालय के सूचना पट्ट एवं समन्वयकों तथा समाचार पत्रों के माध्यम से दी जाती है। इस प्रकार परामर्श सत्र का आयोजन उन लोगों के लिए भी लाभप्रद है, जो अपनी व्यावसायिक एवं घरेलू व्यस्तता के कारण स्व-अध्ययन सामग्री के माध्यम से विषय का समुचित ज्ञान नहीं प्राप्त कर पाते हैं।

❖ मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार (Evaluation Process and Improvement)

- **परीक्षा (Exam)**

परीक्षा विद्यार्थी के स्व-अर्जित ज्ञान का मूल्यांकन चरण है। किसी छात्र ने अपने विषय को किस रूप में ग्रहण किया है तथा उसकी अभिव्यक्ति कैसी है, इस तथ्य का परीक्षा के माध्यम से ही मूल्यांकन किया जा सकता

है। विश्वविद्यालय ने छात्र हित को ध्यान में रखते हुए परीक्षा को पारदर्शी ढंग से निष्पादित करने की व्यवस्था की है।

• पात्रता एवं अनिवार्यता

प्रत्येक विद्यार्थी जिसने विश्वविद्यालय में विधिवत् प्रवेश लिया हो, विश्वविद्यालय में नामांकन कराया हो, पंजीकृत हो तथा जिसने सत्रीय कार्य पूर्ण कर जमा कर दिया हो और विश्वविद्यालय का शिक्षण शुल्क तथा परीक्षा शुल्क जमा किया हो, वह परीक्षा में सम्मिलित होने का पात्र होगा। प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उन समस्त विषयों की परीक्षाओं में सम्मिलित होना अनिवार्य होगा जो उस पाठ्यक्रम के लिए वर्ष विशेष में उसके द्वारा चयनित किये गये हों। यदि कोई छात्र किसी परीक्षा अथवा किसी विषय की परीक्षा में सम्मिलित नहीं होता है, तो उसे उस विषय की परीक्षा अथवा सम्पूर्ण परीक्षा (यथा स्थिति) में अनुपस्थित माना जाएगा। यदि छात्र पूरी परीक्षा में अनुपस्थित रहता है तो उसे सम्बन्धित कक्षा के लिए पुन: पंजीकरण नहीं करवाना होगा और न ही प्रवेश सम्बन्धी शुल्क का भुगतान करना होगा। छात्र को केवल उस वर्ष के लिए रूपये – 200 /- प्रति प्रश्न पत्र बैक परीक्षा शुल्क के साथ बैंक फॉर्म भर के परीक्षा हेतु आवेदन करना होगा, साथ ही वह अगले वर्ष की परीक्षा हेतु आवेदन कर सकता है। परीक्षार्थी के पास विश्वविद्यालय द्वारा जारी प्रवेश पत्र जिसमें छात्र की फोटो लगी हो, अवश्य होनी चाहिए। परीक्षार्थी के पास अपना पहचान-पत्र (वोटर आई.डी., लाइसेंस, पैन कार्ड आदि) होना चाहिए।

• 2017-18 में विभिन्न परीक्षाओं हेतु अंकों का निर्धारण

(क) ऐसे विषय जिनमें प्रयोगात्मक कार्य न हों-

1. सत्रीय कार्य- 20% अंक
2. लिखित परीक्षा- 80% अंक

(ख) ऐसे विषय जिनमें प्रयोगात्मक कार्य होते हैं-

1. सत्रीय कार्य 30% अंक
2. प्रयोगात्मक कार्य 15% अंक
3. लिखित परीक्षा 55% अंक

(ग) पूर्णरूपेण मौखिक परीक्षा अथवा परियोजना कार्य 100 अंक अथवा सम्बन्धित विभाग द्वारा निर्धारित व्यवस्था।

(घ) जिन पाठ्यक्रमों में व्यावहारिक प्रशिक्षण होगा उनमें सन्तोषजनक अथवा असन्तोषजनक के रूप में मूल्यांकन कार्य किया जाएगा।

• सत्रीय कार्य –

सत्रीय कार्य परीक्षा-मूल्यांकन का ही प्राथमिक चरण है। सत्रीय कार्य की परिकल्पना यह है कि इस मूल्यांकन के कारण छात्र की चिन्तन शक्ति का विकास हो तथा उसके स्व-अध्ययन सामग्री का प्रायोगिक, व्यावहारिक रूप सामने आ सके। अर्थात् छात्र द्वारा सीखे गये विषय का स्वरूप स्पष्ट हो सकें। सत्रीय कार्य छात्रों की मूल्यांकन प्रक्रिया का महत्वपूर्ण चरण है, इसलिए यह अनिवार्य है कि छात्र निर्धारित शुल्क सीमा एवं निर्धारित समयावधि के भीतर ही इसे अध्ययन केंद्र में जमा कर दें। यदि कोई छात्र अन्तिम तिथि के उपरान्त सत्रीय कार्य जमा करता है तो उसे रू. 100 प्रति सत्रीय कार्य की दर से जमा करना होगा।

- **अंक निर्धारण –**

विभिन्न परीक्षाओं हेतु अंको का निर्धारण अलग-अलग हैं। जैसे उन विषयों में, जिनमें प्रयोगात्मक कार्य न हो, उनमें सत्रीय कार्य के लिए 30 अंक तथा लिखित परीक्षा के लिए 70 अंक रखे गये हैं। किन्तु जिन विषयों में प्रयोगात्मक कार्य होते हैं, उनमें सत्रीय कार्य 40 अंको का प्रयोगात्मक कार्य 15 अंकों का तथा लिखित परीक्षा 45 अंकों के मध्य विभाजित होती है। यह प्रणाली पूर्णरूपेण विभाग द्वारा निर्धारित व्यवस्था के अनुसार सुनिश्चित की जाती है।

- **परीक्षा में उत्तीर्ण होने के मापदण्ड -**

प्रत्येक वर्ष में पंजीकृत छात्र द्वारा उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक विषय में न्यूनतम 35 प्रतिशत अंक (सत्रीय कार्य, प्रयोगात्मक परीक्षा, मौखिक परीक्षा, परियोजना कार्य एवं लिखित परीक्षा में पृथक-पृथक) प्राप्त करना आवश्यक है। यदि कोई छात्र किसी विषय में उपर्युक्त विधि से निर्धारित अंक नहीं प्राप्त करता है तो उसे उस विषय में अनुत्तीर्ण माना जाएगा। अनुत्तीर्ण छात्र को उस विषय में उत्तीर्ण होने के लिए पुन: परीक्षा देनी होगी। परन्तु किसी विषय में अनुत्तीर्ण छात्र उस पाठ्यक्रम की परीक्षा अगले वर्ष की परीक्षा के साथ दे सकता है।

- **परीक्षा केन्द्र परिवर्तन, शुल्क भुगतान एवं सुधार परीक्षा**

छात्र हित को ध्यान में रखते हुए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने परीक्षा केन्द्र परिवर्तन की सुविधा प्रदान की है। किसी भी अभ्यर्थी को आवंटित परीक्षा केन्द्र में परिर्वतन हेतु निर्धारित शुल्क रू0 500/- का भुगतान करना होगा।

किसी भी प्रकार का प्रवेश अथवा परीक्षा शुल्क नकद रूप में मान्य नहीं है। सभी प्रकार के शुल्क का भुगतान बैंक चालान के माध्यम से अथवा विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियम के अनुसार करना अनिवार्य होगा।

उत्तीर्ण होने के पश्चात् यदि कोई विद्यार्थी स्नातक अथवा स्नातकोत्तर स्तर की परीक्षा मे प्राप्त अंको में सुधार करने की इच्छा रखता है तो वहाँ रू0 200/- प्रति प्रश्न पत्र की दर से शुल्क का भुगतान कर सुधार परीक्षा दे सकता है। यह सुविधा विद्यार्थी को अपने चयनित पाठ्यक्रम के अधिक से अधिक सभी विषयों की आधी संख्या के बराबर विषयों में ही उपलब्ध होगी, किन्तु जो भी विषय चयनित किए जायेंगे उनके सभी प्रश्न पत्रों की परीक्षा देनी होगी। स्नातकोत्तर /डिप्लोमा/प्रमाण पत्र कार्यक्रमों में भी सुधार परीक्षा अधिकतम कुल प्रश्न पत्रों की आधी संख्या के लिए अनुमन्य होगी। यथा 5 या 6 प्रश्न पत्रों में अधिकतम 3 प्रश्न पत्र, 3 या 4 प्रश्न पत्रों में अधिकतम 2 प्रश्न पत्र। कोई भी परीक्षार्थी जिन विषयों में अनुत्तीर्ण हो, उन विषयों में वह सुधार परीक्षा दे सकता है । सुधार परीक्षा हेतु प्रति प्रश्न–पत्र रू. 200/- की दर से शुल्क का भुगतान करना होगा। सुधार परीक्षा में निर्धारित प्राप्तांक प्राप्त करने पर विद्यार्थी को उस वर्ष के लिए उत्तीर्ण घोषित कर दिया जाएगा।

- **श्रेणी –**

परीक्षा परिणाम की निम्न तीन उत्तीर्ण श्रेणियाँ होंगी :

A) स्नातक स्तर (Graduation Level):

प्रथम श्रेणी	60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक	First Division	60% or more
द्वितीय श्रेणी	60 प्रतिशत से कम तथा 45 प्रतिशत तक	Second Division	Less than 60% and upto 45%

तृतीय श्रेणी	45 प्रतिशत से कम तथा 35 प्रतिशत तक	Third Division	Less than 45% and upto 35%

B) परास्नातक स्तर (Post Graduation Level):

प्रथम श्रेणी	**60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक**	**First Division**	**60% or more**
द्वितीय श्रेणी	60 प्रतिशत से कम तथा 48 प्रतिशत तक	Second Division	Less than 60% and upto 48%
तृतीय श्रेणी	48 प्रतिशत से कम तथा 35 प्रतिशत तक	Third Division	Less than 48% and upto 35%

• बैक पेपर की सुविधा (Back Paper Facility)

विद्यार्थी यदि अपने चयनित पाठ्यक्रम में अनुत्तीर्ण होता है तो रू. 200 /- प्रति प्रश्न की दर से शुल्क का भुगतान कर पुन: परीक्षा दे सकता है। विद्यार्थी को यह सुविधा उन सभी विषयों में देय होगी जिनमें वह अनुत्तीर्ण है। यह सुविधा पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु निर्धारित अधिकतम समय सीमा तक देय होगी। बैक पेपर व सुधार परीक्षाएँ मुख्य परीक्षा के साथ ही आयोजित की जाती हैं।

❖ द्वितीय दीक्षान्त समारोह (Second Convocation Ceremony)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का द्वितीय दीक्षान्त समारोह 17 अप्रैल 2017 को सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि कुलाधिपति एवं राज्यपाल डॉ0 के0के0 पॉल रहे। उन्होंने 18 टॉपर्स को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। इस दौरान 7140 छात्रों को विभिन्न उपाधियों से सम्मानित किया गया। दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति उपस्थित थे। कार्यक्रम में विद्यापरिषद एवं कार्यपरिषद के सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसके अतिरिक्त नगर एवं प्रदेश के गणमान्य व्यक्ति एवं मीडियाकर्मी भी उपस्थित थे।

द्वितीय दीक्षान्त समारोह का छायाचित्र

दीक्षान्त समारोह का सम्बोधित करते हुए महामहिम डॉ0 के.के. पॉल ने कहा कि आज के समय में मुक्त एवं सुदूरवर्ती शिक्षा आन्दोलन की लोकप्रियता एवं उपयोगिता को बढ़ाने में आधुनिक सूचना तकनीक का प्रयोग नितान्त आवश्यक है। संचार क्रान्ति के इस युग में प्रत्येक क्षेत्र में इतनी तेजी से बदलाव आ रहा है कि कई चीजें जन सामान्य की जानकारी में आने से पहले ही अप्रचलित या अप्रसांगिक हो जाती हैं। इसलिए यह भी जरूरी है कि मौजूदा पाठ्यसामग्री को नई जानकारी के साथ निरन्तर अद्यतन किया जाये। वर्तमान में संचालित पाठ्यक्रमों को राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में विकसित करने की प्रक्रिया भी लगातार चलती रहनी आवश्यक है।

दूरस्थ शिक्षा समाज के उन वर्गों की शैक्षिक उन्नति का एक प्रभावशाली माध्यम बन रही है, जो अनेक कारणों से औपचारिक शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। आज के परिवेश में दूरस्थ शिक्षा को ठीक से समझने व बढ़ावा देने की आवश्यकता है, जिससे हम सकल नामांकन अनुपात (GER) में राष्ट्रीय लक्ष्य को भी प्राप्त कर सकें।

तृतीय दीक्षान्त समारोह (Third Convocation Ceremony)

दिनांक 14 नवम्बर,2017 को विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षान्त समारोह आयोजित किया गया। दीक्षान्त समारोह में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति माननीय श्री राज्यपाल द्वारा दीक्षान्त भाषण दिया गया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति माननीय श्री राज्यपाल ने कहा कि, हम सभी को महापुरूषों के जीवन एवं अनुकरणीय पुस्तकों से प्रेरणा प्राप्त करनी चाहिए। शिक्षा एक दीर्घकालिक प्रक्रिया है। जीवन में निरन्तर नवीन ज्ञान की खोज आवश्यक है। अपनी कल्पनायें बढ़ाते हुए नई सम्भावनाओं का पता लगाने और उनमें सफल होने के लिए लगातार परिश्रम करते रहना चाहिए। पाठ्यसामग्री की भाषा सरल एवं शैली बोधगम्य होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्र का निर्माण और समाज को लाभ पहुँचाना ही सभी विश्वविद्यालयों का एकमात्र लक्ष्य होना चाहिए।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय भारतीय संस्कृति के संरक्षण के साथ-साथ प्रतिभाशाली युवाओं का निर्माण करते हुए उन्हें मानवीय मूल्यों पर आधारित जीवनशैली के लिए प्रोत्साहन देता रहेगा। माननीय राज्यपाल महोदय ने कहा कि भारत सरकार ने राष्ट्रीय कौशल मिशन की स्थापना की है। विश्वविद्यालय को चाहिए कि इस मिशन के अनुरूप अपनी गतिविधियों का संचालन करें, ताकि युवाओं में कौशल विकसित हो और वे आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो सकें। विश्वविद्यालय ऐसे रोजगारपरक पाठ्यक्रम

संचालित करे जिससे युवा वर्ग को रोजगार में आसानी हो। साथ ही प्लेसमेंट कैम्पों का लगातार आयोजन करना चाहिए। विश्वविद्यालय स्मार्ट कैम्पस बनाए जिसमें आवश्यकतानुसार डिजिटल लाइब्रेरी एवं ई-कटेंट का निर्माण किया जाए।

विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ0 धन सिंह रावत ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे माननीय प्राधनमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी का सपना भारत के प्रत्येक जन को साथ लेकर विकास के ध्येय को प्राप्त करना है और इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए केन्द्र तथा राज्य सरकार निरन्तर प्रयासरत है। आर्थिक सुधार, रक्षा, समाज सुधार के विभिन्न आयामों के साथ-साथ सम्पूर्ण शिक्षा व्यवस्था के पुनर्मूल्यांकन का कार्य भी किया जा रहा है। हम परम्परागत शिक्षा के स्थान पर मूल्याधारित देशज विद्या पद्धति के लिए प्रयासरत है। माननीय मुख्यमन्त्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत के कुशल नेतृत्व में शीघ्र ही नई शिक्षा नीति का संचालन करने का कार्य कर सकेंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि इस शुभ संकल्प की सिद्धि के लिए आप लोगों का हितकरी सहायोग भी हमको प्राप्त होता रहा रहेगा। मैं आप सभी को विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि हमारी प्रदेश सरकार इस प्रदेश के सर्वांगीण एवं चहुँमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने विश्वविद्यालय की भावी योजनाओं का भी विस्तार से परिचय दिया। विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षान्त समारोह के अन्तर्गत सत्र 2016-17 में उत्तीर्ण स्नातक के 1738, परास्नातक के 4766, पी0जी0 डिप्लोमा के 98, डिप्लोमा के 830 तथा प्रमाण पत्र के 442 कुल 7838 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गई। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति माननीय श्री राज्यपाल द्वारा इन पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले 19 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक तथा इन्हीं में से 2 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक एवं 3 छात्राओं को प्रायोजित स्वर्ण पदक प्रदान किए गए।

❖ प्रशिक्षण और प्लेसमेन्ट सेल (Training and Placement Cell)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा अपने छात्रों के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि हेतु एक प्लेसमेन्ट सेल का निर्माण किया गया है। इस सेल में छात्रों का विस्तृत डाटाबेस रखा गया है। सेल नौकरियों की रिक्तियों की सूचना के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनो के एच.आर. हेड्स के सम्पर्क में रहता है।

इस दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा 'प्लेसमेन्ट सेल' नामक एक पोर्टल निर्मित किया गया है, जिसके माध्यम से छात्रों को उनके कैरियर सम्बन्धित विभिन्न जानकारी प्रदान की जाती है। छात्र इस पोर्टल से जुड़कर विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के बारे में जानकारी ले सकते है। इस सेल को पुरा छात्र प्रकोष्ठ से भी जोड़ा गया है। विश्वविद्यालय के प्रबन्ध विषय में 150 से अधिक शिक्षार्थी जिन्होंने अपनी शिक्षा पूरी कर ली है वो विभिन्न क्षेत्रों में (यथा – प्रशासनिक, बैंकिग, अध्यापन, निजी क्षेत्र, वित्तीय क्षेत्र आदि) कार्यरत हैं, जो विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसी प्रकार पर्यटन, होटल प्रबन्ध, कला, सामाजिक विज्ञान, कम्प्यूटर तथा विज्ञान आदि विषयों के शिक्षार्थी भी विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार पाकर अपनी- अपनी सेवायें दे रहे हैं। भविष्य में सेल द्वारा जॉब फेयर आयोजित करने की योजना है।

• प्रथम पुरा छात्र सम्मेलन कार्यक्रम (First Alumini Meet)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के प्रथम पुरा-छात्र-सम्मेलन का आयोजन दिनांक 20 मई 2017को वन प्रशिक्षण संस्थान के केन्द्रीय सभागार में सम्पन्न हुआ। विश्वविद्यालय के प्रथम पुरा-छात्र सम्मेलन 'समवाय' कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वानिकी वन प्रशिक्षण अकादमी के निदेशक डॉ0 कपिल जोशी ने कहा कि शिक्षा ज्ञान अर्जन करने का प्रमुख साधन है। जीवन में इसकी विशेष महत्ता है। डॉ0 जोशी ने कहा कि शिक्षा का जीवन में विशेष महत्व है, व्यक्ति पैदा होने से मृत्यु पर्यन्त सीखता ही रहता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में रोजगार एवं

कौशलपरक शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण हो गयी है। समय के साथ-साथ शिक्षा की अवधारणा भी बदल गयी है। पूर्व छात्रों के सम्बन्ध में उन्होंने कहा कि पुरा-छात्र संगठन उनके विकास के लिए एक अच्छा मंच साबित होगा।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर जी ने कहा कि पूर्व छात्र किसी भी विश्वविद्यालय की बड़ी सम्पदा होते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा सभी छात्रों से चाहे पूर्व के हों या वर्तमान के, उनसे आत्मीय जुड़ाव है। उन्होंने पूर्व छात्रों का आह्वान करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय आपका है, इसका बहुमुखी विकास कैसे हो, इसके लिए आप आगे आयें। प्रोफेसर राव ने कहा कि हमने विद्यार्थियों की समस्या को देखते हुए अपने नियमों को काफी सरल किया है। कुछ समय पश्चात् विद्यार्थी के पास बिना आवेदन किए ही घर पर डिग्री पहुँच जायेगी। इसके अलावा परीक्षा व प्रवेश के नयिमों को भी काफी सरल किया गया है। कार्यक्रम में निदेशक प्रोफेसर एच0पी0शुक्ल, प्रोफेसर गिरिजा पाण्डेय, प्रोफेसर पी0डी0 पन्त ने पुरा छात्र संगठन के महत्व को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि यहाँ विद्यार्थियों के शिक्षा के लिए कई अवसर उपलब्ध हैं। कार्यक्रम में आए इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलसचिव डॉ0 जे0एन0 मिश्र ने कहा कि पूर्व छात्र विश्वविद्यालय के ब्राण्ड अम्बेसडर है। मुक्त विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में ज्ञान अर्जन की सम्भावनायें अधिक होती हैं। कुलसचिव प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र ने कहा कि पुरा-छात्र सम्मेलन पूर्व छात्रों व विश्वविद्यालय व एफटीआई के बीच कुछ रोजगारपरक पाठ्यक्रम संचालित किए जाने के लिए शीघ्र ही निर्णय लिये जायेंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रभारी वन क्षेत्राधिकारी मदन सिंह बिष्ट को उनके समाज सेवी कार्यों एवं वन औषधियों से उपचार को बढ़ावा देने के प्रयास के लिए सम्मानित किया गया।

6. प्रशासन, नेतृत्व एवं प्रबन्धन
(GOVERNANCE, LEADERSHIP AND MANAGEMENT)

❖ विश्वविद्यालय की संदृष्टि (Vision of University):

"ज्ञान के इस युग में उच्च-शिक्षा को विकास का सशक्त माध्यम बनाने के लिए ज्ञान का सृजन कर उत्तरा -खण्ड के लोगों, विशेषकर युवाओं तथा शिक्षा से वंचित एवं रोजगार में संलग्न व्यक्तियों को मूल्य-आधारित गुणवत्तापरक उच्च शिक्षा के सुविधाजनक एवं सर्वसुलभ अवसर उपलब्ध कराते हुए उन्हें जीवन पर्यन्त अध्ययन के लिए प्रेरित करना तथा स्व-रोजगार, रोजगार एवं अन्य कौशलों में दक्ष बनाना जिससे कि वे प्रदेश, देश व सम्पूर्ण मानवता की उपयुक्त सेवा कर सकें।

❖ विश्वविद्यालयीय सहभागी स्वरूप एवं विकेन्द्रीकरण (Participative Decision Process and Decentralization)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय सहभागी स्वरूप की पद्धति पर कार्य करता है। किसी भी पाठ्यक्रम या योजना को वह विभिन्न स्रोतों के माध्यम से लागू करता है। प्राध्यापक अपने निदेशक से तथा निदेशक कुलपति के माध्यम से किसी निर्णय का निस्तारण करते हैं। इस प्रकार कार्यों में केन्द्रीयता और विकेन्द्रीयता दोनों रहती है। विश्वविद्यालय के विभिन्न अनुभाग विकेन्द्रीकृत हैं। जैसे प्रादेशिक सेवाएँ, प्रवेश अनुभाग, शोध एवं नवाचार, अकादमिक अनुभाग, पुस्तक वितरण अनुभाग, आईसीटी अनुभाग ये सभी मिलकर सहभागी रूप में कार्य करते हैं। इन विभागों के स्वतन्त्र रूप से प्रभारी हैं और वे इसका संयोजन करते हैं। इसी प्रकार दीक्षान्त समारोह या अन्य सामुदायिक कार्यक्रमों में परस्पर सहभागी रूप में विश्वविद्यालय के सदस्य कार्य करते हैं। प्रशासन के स्तर पर विकेन्द्रीकरण का उदाहरण है – कुलपति के कार्यों का विभिन्न अकादमिक व्यक्तियों में वितरण। इस समय ओएसडी सामान्य, ओएसडी क्रय एवं मुद्रण, ओएसडी अनुरक्षण तथा ओएसडी पुस्तकालय के रूप में प्रशासन का विकेन्द्रीकरण हुआ है। विश्वविद्यालय की नीति लोकतान्त्रिक है।

❖ भविष्य की योजनायें (Perspective plans)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्विद्यालय कुछ नए पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की योजना पर कार्य कर रहा है। पूर्व के पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त इस वर्ष यूजीसी से कुछ नये पाठ्यक्रमों के लिए भी अनुरोध किया गया है। उनकी स्वीकृति मिलने पर विश्वविद्यालय द्वारा एम0ए0 (ज्योतिष), एम.एस.सी. (भूगोल), एम.ए.(मनोविज्ञान), एम.ए. (संगीत), बी.एड, बी.एड (स्पेशल) तथा जीएसटी में डिप्लोमा आदि पाठ्यक्रम संचालित किया जायेगा। प्रबन्ध विभाग द्वारा संचालित होने वाले जीएसटी प्रोग्राम में विश्वविद्यालय ऑनलाइन अध्ययन सामग्री उपलब्ध करायेगा। विश्वविद्यालय ने MOOC को अपने यहाँ लागू किया है, किन्तु अभी भी यह कम्प्यूटर साइंस जैसे कुछ विषयों में ही चल रहा है, भविष्य में हम उसे अन्य विषयों में भी लागू करेंगे, हम इस योजना पर भी कार्य कर रहे हैं। इसी प्रकार OER पर हम और पाठ्यक्रम स्वीकार करेंगे। OER में अन्य विषयों को भी शामिल किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय इस बात के लिए भी प्रयासरत रहा है कि हमारे पाठ्यक्रम ज्ञानार्जन के साथ ही साथ छात्रों को रोजगार से भी जोड़े। विश्वविद्यालय ने रोजगारपरक कई पाठ्यक्रमोंका निर्माण किया है, जिसे वह यूजीसी को स्वीकृति हेतु भेज रहा है। यूजीसी की स्वीकृति मिलने के पश्चात् हम इन पाठ्यक्रमों को प्रारम्भ करेंगे।

❖ छात्र शिकायत एवं निवारण पोर्टल (Students' Greivances and Solution Portal)-

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में वर्तमान सत्र से तकनीकी माध्यम का उपयोग करते हुए छात्र हित में एक **'सपोर्ट टिकट पोर्टल'** का निर्माण किया गया है। इसके माध्यम से कोई भी छात्र अपनी समस्या को ऑनलाइन प्रेषित कर सकता है। छात्र द्वारा जब ऑनलाइन शिकायत दर्ज की जाती है, उसी समय उसे एक टिकट नम्बर भी प्राप्त हो जाता है। उस नम्बर के आधार पर वह अपनी शिकायत का निवारण कभी भी कर सकता है। समस्या के निवारण सम्बन्धित विभाग द्वारा किया जाता है। विश्वविद्यालय में यह सुविधा आइसीटी अनुभाग द्वारा निर्मित की गई है।

❖ सम्बद्ध अध्ययन केन्द्रों का प्रबन्ध एवं संचालन (Management and monitoring of affiliated centres (Regional and study centres)

विश्वविद्यालय में सम्बद्ध अध्ययन केन्द्रों का संचालन आरएसडी अनुभाग द्वारा किया जाता है।

- मान्यता बोर्ड की छठी बैठक दिनांक 21/03/2017 को सम्पन्न हुई जिसमें विश्वविद्यालय की अध्ययन केन्द्र स्थापना हेतु मानक/ मापदण्ड एवं सामान्य नियम–2016 में संशोधन किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी। ।
- पूर्व में स्थापित 18 अध्ययन केन्द्रों को उनके कार्यकाल पूर्ण होने के उपरान्त उन्हें नवीनीकरण की प्रक्रिया के दौरान असंतोषजनक प्रदर्शन के कारण बन्द कर दिया गया।
- वर्तमान में 246 अध्ययन केन्द्र संचालित हैं। (परिशिष्ट XVI का अवलोकन करें)
- अध्ययन केन्द्रों को शैक्षिक सत्र 2017-18 ग्रीष्म के शुल्क अंश की प्रथम एवं द्वितीय किश्तों का भुगतान विश्वविद्यालय द्वारा किया जा चुका है।
- निदेशालय के समस्त दैनिक कार्यों का सम्पादन यथा माँग के आधार पर विद्यार्थियों के प्रवेश व अध्ययन केन्द्र परिवर्तन, प्राप्त डाक का निस्तारण कार्य, अध्ययन केन्द्रों/ पाठ्यक्रमों को ऑन लाइन अपडेट करना, आवश्यकतानुसार अन्य विभागों द्वारा सौंपे गये कार्यों का सम्पादन करना, क्षेत्रीय केन्द्रों, अध्ययन केन्द्रों व विद्यार्थियों से सम्पर्क करना आदि।

❖ अकादमिक संपरीक्षा (Academic Audit)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल के अकादमिक संपरीक्षा की प्रक्रिया समय- समय पर सम्पन्न होती रही है। विश्वविद्यालय का अकादमिक निदेशालय इस कार्य को तत्परतापूर्वक करता रहा है। अकादमिक संपरीक्षा के अन्तर्गत सत्र 2017-18 के बीच हुए प्रमुख कार्यों का मूल्यांकन विवेचन है। इस बीच विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम की गुणवत्ता की जाँच, नए पाठ्यक्रम के प्रारम्भ की आवश्यकता एवं उनके महत्व निर्धारण, संगोष्ठी कार्यशालाओं में भागीदारी –आयोजन का मूल्यांकन करना तथा शिक्षकों के अकादमिक उन्नयन की गतिविधियों की जाँच का कार्य किया गया। विश्वविद्यालय में शीघ्र ही आईक्यूएसी (आंतिरक गुणवत्ता निर्धारण प्रकोष्ठ) का गठन किया जायेगा, जिससे अकादमिक संपरीक्षा और व्यवस्थित रूप में सम्पन्न हो सके। सम्प्रति विश्वविद्यालय के निदेशक, अकादमिक, प्रोफेसर आर.सी.मिश्रा के निर्देशन में अकादमिक संपरीक्षा का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है।

❖ विश्वविद्यालय सहायता प्रणाली (University Support System)

विश्वविद्यालय का अपना एक शिक्षार्थी Support system है, जिसके द्वारा शिक्षार्थी अपनी समस्या विश्वविद्यालय से सम्बन्धित व्यक्ति तक पहुँचा सकता है। यह एक ऑनलाइन प्रक्रिया है। शिक्षार्थी सपोर्ट सिस्टम का उद्देश्य है - विश्वविद्यालय से जुड़े छात्रों या जुड़ने वाले छात्रों की समस्या का समाधान तकनीकी माध्यम से करना। अत: युगानुरूप शिक्षार्थियों के समस्या समाधानार्थ यह एक सुलभ साधन है ।इसके अतिरिक्त शिक्षार्थी प्रवेश या परीक्षा से सम्बन्धित कोई भी समस्या सीधे दूरभाष द्वारा बता सकता है साथ ही उसका समाधान भी प्राप्त कर सकते है।

❖ विश्वविद्यालय के वित्तीय प्रबंधन (Financial Management of University)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में बजटीय नियन्त्रण प्रणाली का पालन किया जाता है जिसके द्वारा विश्वविद्यालय का बजट तैयार किया जाता है। विश्वविद्यालय का वार्षिक बजट आगामी वर्ष के पहले ही तैयार कर लिया जाता है।

विश्वविद्यालय को शुल्क राशि (Fee-Fund) से आय प्राप्त होती है तथा राज्य सरकार द्वारा राज्य-अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता प्राप्त होती है। जहाँ तक वित्तीय संसाधनों का सम्बन्ध है, विश्वविद्यालय सभी अनुदान/ निधि का कुशलता से उपयोग करता है।

लेखा के ऑडिट के लिये माननीय कुलपति महोदय द्वारा एक चॉर्टड एकाउन्टेन्ट को बाहरी ऑडिटर के रूप में नियुक्त किया जाता है। यह चार्टड एकाउन्टेन्ट प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अन्त में लेखा की ऑडिट रिपोर्ट तैयार करता है। (देखें … परिशिष्ट XV)

❖ अध्ययन परिषद/ विशेषज्ञ समिति की बैठक के महत्वपूर्ण बिन्दु

क्रम संख्या	विभाग	तिथि	अध्ययन परिषद/ विशेषज्ञ समिति
1.	ज्योतिष	7 जुलाई 2017	विश्वविद्यालय में एम.ए. ज्योतिष (MAJY-18) नवीन पाठ्यक्रम आरम्भार्थ अध्ययन परिषद् की बैठक हुई। जिसमें सम्बन्धित पाठ्यक्रम के दोनो वर्षो के कुल 09 प्रश्नपत्रों को संशोधनोपरान्त संस्तुति दी गई।
2.	संस्कृत	19 मई 2017	संस्कृत भाषा में प्रमाण पत्र (CSL-17) नवीन आधार पाठ्यक्रम हेतु विशेषज्ञ समिति की बैठक हुई। जिसमें सम्बन्धित पाठ्यक्रम हेतु संस्तुति दी गयी।
3.	व्यावसायिक अध्ययन	21 सितम्बर 2017	CVP, CVS, CVSP, CISP, DIIP, CWDD, CBFI आदि व्यावसायिक अध्ययन में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम हेतु अध्ययन परिषद की बैठक हुई।
4.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान	5 अगस्त 2017	विश्वविद्यालय में बी0लिब0 (B.Lib-18) नवीन पाठ्यक्रम आरम्भार्थ अध्ययन परिषद् की बैठक हुई। जिसमें सम्बन्धित पाठ्यक्रम के दोनों सेमेस्टर के कुल 08 प्रश्नपत्रों को संस्तुति दी गई।
5.	विधि विभाग	21 सितम्बर 2017	विधि विभाग में अध्ययन परिषद की बैठक हुई, जिसमें एकवर्षीय 'Diploma in Right to Information' तथा षाण्मासिक 'Certificate in Right to Information' नामक नवीन पाठ्यक्रम हेतु संस्तुति दी गयी।

7. नवाचार एवं उत्तम क्रियायें
(Innovations and Best Practices)

DEGITAL PRACTICES :

छात्रहित में विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया है। इस पोर्टल का उद्देश्य पाठ्यसामग्री को विश्वविद्यालय की वेबसाइट E-Learning.uou.ac.in पर अपलोड करना है। इसका मुख्य उद्देश्य उन छात्रों को सही समय पर पाठ्यसामग्री उपलब्ध कराना हैं, जिनकी पाठ्यसामग्री कई कारणों से विलम्ब से प्राप्त होती है। इस पोर्टल के माध्यम से अध्ययन सामग्री अपलोड कर दी गयी है, जिससे छात्र प्रवेश के साथ ही अध्ययन सामग्री का पाठ कर सके। यह पोर्टल छात्रों को अध्ययन सामग्री तत्काल उपलब्ध कराता है। इसमें अभी 22 पाठ्यक्रम की अध्ययन सामग्री उपलब्ध है। इस पोर्टल को विगत तीन महीनों में लगभग 11,000 छात्रों ने देखा है। जो विद्यार्थी उक्त पोर्टल के माध्यम से डाउनलोड कर इ- बुक्स का उपयोग करेगा तथा पुस्तक की माँग नहीं करेगा, उसे शुल्क में 15 प्रतिशत की छूट मिलेगी। वर्तमान में यह सुविधा साइबर सिक्योरिटी, एम.जी.आई.एस तथा योग के कोर्स में उपलब्ध हैं।

❖ विश्वविद्यालय की नवीन वेबसाइट और दो एप हुए लांच

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय परिसर में शौर्य दिवार अनावरण के अवसर पर आए माननीय शिक्षा मन्त्री डॉ0 धन सिहं रावत एवं माननीय कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव जी द्वारा विश्वविद्यालय का नवीन बेबसाइट का लोकार्पण किया गया। इस नवीन वेबसाइट को विद्यार्थियों की सुविधा के लिए नये रूप में प्रस्तुत किया गया है। विश्वविद्यालय की नवीन वेबसाइट ओपन सोर्स टेक्नोलॉजी के आधार पर विकसित की गई है और इसकी गति अधिक तीव्र है। यह कम इन्टरनेट स्पीड में भी आसानी से खुल सकती है। इसकी सहायता से विद्यार्थी अकादमिक कैलेन्डर, प्रवेश, सत्रीय कार्य, परीक्षा सम्बन्धी जानकारी, परीक्षा परिणाम, कार्यशाला, प्रयोगात्मक परीक्षा, ई-बुक्स (पाठ्यसामग्री) तथा विश्वविद्यालय सम्बन्धी अन्य सभी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकता है। इस नवीन वेबसाईट का माह दिसम्बर में लगभग 90,000 से अधिक उपयोगकर्ताओं द्वारा इसका उपयोग किया गया है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव जी ने कहा कि उच्च शिक्षा मन्त्री द्वारा विश्वविद्यालय के उद्घाटित तीनों ही ऐप एवं वेबसाईट आम व सीमान्त जन तक डिजिटल इण्डिया के मिशन को पहुँचाने के लक्ष्य से विकसित किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय तकनीकी का उपयोग प्रदेश के विकास में करना चाहता है। उन्होंने उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थीयों के लिए एप्लीकेशन्स को बहुत महत्वपूर्ण बताया और कहा कि मोबाइल में इस ऐप के होने से विद्यार्थी विश्वविद्यालय की प्रत्येक गतिविधि से भी निरन्तर अपडेह रह सकेंगे।

विवि की वेबसाइट- इसके माध्यम से स्टूडेट्स को प्रवेश से लेकर डिग्री प्राप्त करने तक के विभिन्न चरणों की जानकारी मिल सकेगी। पाठ्यसामग्री व वीडियो व आडियो लेक्चर उपलब्ध होंगे।

मोबाइल एप- जिसके माध्यम से वेबसाइट की सभी जानकारियां मोबाइल पर 24 घंटे मिल सकेंगी।

डिजीटल ग्राम एप- हर ग्रामीण सरकारी योजनाओं की जानकारी ले सकेंगे, जन सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे फोन पानी बिजली के बिल जमा कर सकेंगे।

माननीय शिक्षा मन्त्री डॉ0 धन सिंह रावत एवं कुलपति जी ऐप लाँच करते हुए

❖ कम्पोस्ट खाद के गढ्ढो का निर्माण

विश्वविद्यालय में पार्किंग स्थल पर कम्पोस्ट खाद के गढ्ढे गए है। विश्वविद्यालय में उत्पन्न होने वाला जैविक कूड़ा जो सड़ एवं गल सकता हों जैसे - घास, पत्तियां, कागज, गत्ते, बचा हुआ भोजन आदि इस गढ्ढे में डाले जायेंगे जिससे कि वह डीकम्पोज हों कर जैविक खाद (Compost) में परिवर्तित हों सके। इससे उत्पन्न जैविक (Compost) खाद का प्रयोग विश्वविद्यालय की फूलो की क्यारियों में किया जाना प्रस्तावित है। इससे विश्वविद्यालय परिसर कों स्वच्छ रखने में भी मदद मिलेगी।

कम्पोस्ट खाद के एक गढ्ढे का चित्र

❖ शिक्षार्थियों हेतु मुफ्त FOSS कोर्स की सुविधा (Free Open Source Software (FOSS) Course for Learners)

विश्वविद्यालय द्वारा free open source software (FOSS) को बढ़ावा देने हेतु spoken Tutorial IIT, Bombay से अनुबंध किया गया है। इस परियोजना के अंतर्गत सभी छात्रों को free open source software (FOSS) कोर्स के बारे में ऑनलाइन जानकारी दी जाएगी तथा कोर्स की समाप्ति के बाद आई0 आई0 टी0, बॉम्बे की ओर से प्रमाण पत्र भी दिये जायेंगे। इस हेतु सभी छात्रों को spoken Tutorial IIT, Bombay की वेब साईट http://spoken-tutorial.org/ पर जाकर all courses के ड्राप डाउन मेनू में से अपनी रुचि के अनुसार कोई भी कोर्स चुन सकते है ये सारे कोर्स के व्याख्यान ऑडियो विडियो के रूप में उपलब्ध होंगे तथा ये सभी कोर्स इन्टरनेट के माध्यम से आसानी से डाउनलोड करके प्राप्त किये जा सकते है यह कोर्स दोनों ही भाषा हिंदी तथा अंग्रेज़ी में उपलब्ध है।

स्पोकन ट्यूटोरियल की कुछ विशेषताएं इस प्रकार है: -

- सीखने की पद्धति स्वयं सीखने के लिए बहुत फायदेमंद है।
- स्पोकन ट्यूटोरियल के ऑडियो विडियो ट्यूटोरियल हिंदी तथा अग्रेजी दोनों माध्यमों में उपलब्ध है।
- स्पोकन ट्यूटोरियल के ऑडियो विडियो व्याख्यान इन्टरनेट के माध्यम से आसानी से प्राप्त किये जा सकते है।
- स्नातक, स्नातकोत्तर या शोध के छात्रों और यहाँ तक कि विज्ञान, आईटी, इंजीनियरिंग,वाणिज्य, प्रबंधन और अन्य विषयों के छात्र व शिक्षक किसी भी अतिरिक्त मार्गदर्शन के बिना इसे FOSS (Free Open Source Software) आसानी से सीख सकते हैं।
- स्पोकन ट्यूटोरियल को ई-गाइड माना जा सकता है ताकि छात्र किसी अन्य माध्यम से सीखने और विशेषज्ञों की सहायता के बिना स्वयं ही विभिन्न प्रकार के सॉफ़्टवेयर के बारे में ज्ञान अर्जित कर सकते है।

कोर्स की समाप्ति के बाद छात्र छात्राओं यदि चाहे तो अपनी रुचि के अनुसार किसी भी कोर्स की आकलन परीक्षा दे सकते है, यदि वे परीक्षा उत्तीर्ण करते है , तो स्पोकन ट्यूटोरियल, आईआईटी बॉम्बे द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान किये जायेंगे

बारहवाँ स्थापना दिवस समारोह (12th Foundation Day Celeberation)

विश्वविद्यालय का एकादश स्थापना दिवस विश्वविद्यालय के मुख्यालय तीनपानी, हल्द्वानी में धूमधाम से मनाया गया। स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के 12 वर्षों के कार्यों तथा उपलब्धियों के सोपानों से सम्बन्धित स्मारिका प्रगति के सोपान का भी विमोचन किया गया। स्थापना दिवस कार्यक्रम में प्रो0 वी0 एस0 प्रसाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नागेश्वर राव ने की। पौधारोपण भी किया गया। अन्त में एक संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया।

विश्वविद्यालय स्थापना दिवस पर कुलपति जी एवं अतिथिगण

विश्वविद्यालय कई द्वित्तीय प्रगति आख्या का विमोचन

इस अवसर पर सभी प्राध्यापकों ने विश्वविद्यालय के 12 वर्षो के इतिहास पर चर्चा की और प्रगति पर प्रकाश डाला। कुलसचिव प्रो. आरसी मिश्र ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में निदेशक प्रो. एचपी शुक्ल, प्रो. दुर्गेश पंत, प्रो. गोविन्द सिंह, प्रो. गिरिजा पाण्डेय, वित्त नियंत्रक आभा गर्खाल व संयोजक डॉ. मंजरी अग्रवाल सहित विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद थे।

❖ न्यूज लेटर 'उड़ान' (The News-Letter 'UDAAN')

विश्वविद्यालय के विकास को दर्शित करता यह न्यूज़ लेटर नियमित क्रम से प्रकाशित हो रहा है। यह न्यूज़ लेटर विश्वविद्यालय की अकादमिक गतिविधियों का संक्षिप्त वातायन है, जिसके माध्यम से हम विश्वविद्यालय के अकादमिक एवं प्रशासनिक जगत को समझ सकते हैं। इसमें विश्वविद्यालय की समस्त की समस्त गतिविधियों को समायोजित करने का प्रयास किया गया है। प्रो. नागेश्वर राव के कार्यभार ग्रहण के पश्चात न्यूज़ लेटर के अब तक 5 अंक प्रकाशित हो चुके हैं।

विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण (Plantation in University Premises)

हरित स्मार्ट परिसर की परिकल्पना के तहत उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में बड़ी संख्या में वृक्षारोपण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के प्राध्यापक एवं कर्मचारियों ने इसमें सहयोग दिया। यह कार्यक्रम अमर उजाला फाउण्डेशन के सहयोग से किया गया।

❖ राष्ट्रीय पोषण सप्ताह -

गृह विज्ञान विभाग द्वारा 1-7 सितम्बर, 2017 के बीच राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया गया। इस सप्ताह में विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया -

- दिनांक 4 सितम्बर, 2017 को "स्वस्थ पोषण: स्वस्थ जीवन" विषय पर विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों के रूप में इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की सतत् शिक्षा विद्याशाखा की पोषण विज्ञान की प्रोफेसर दीक्षा कपूर मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित थीं। इसके अतिरिक्त कुमाऊँ विश्वविद्यालय के डी0एस0बी0 कैम्पस, नैनीताल की गृह विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर लता पाण्डे तथा गुड़गाँव से आहार विशेषज्ञ प्रेरणा पाल भी उपस्थित थीं।

- दिनांक 5 सितम्बर, 2017 को मानपुर पश्चिम गाँव में ग्राम प्रधान श्रीमती भागीरथी देवी के सहयोग से पोषण जागरुकता शिविर लगाया गया जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों द्वारा भागीदारी दी गई। दिनांक 6 सितम्बर, 2017 को पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों तथा विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा भाग लिया गया। दिनांक 7 सितम्बर, 2017 को एक पोषण क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों तथा विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। इन सब आयोजनों के अतिरिक्त पूरे सप्ताह पोषण के विभिन्न पहलुओं पर रेडियो वार्ताएं भी प्रसारित की गई। प्रोफेसर दीक्षा कपूर तथा आहार विशेषज्ञ प्रेरणा पाल द्वारा रेडियो व्याख्यान भी रिकॉर्ड किए गए। इन व्याख्यानों को समुदाय में पोषण जागरुकता के लिए विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो स्टेशन "हैलो हल्द्वानी" के माध्यम से प्रसारित किया गया।

कार्यशाला का छायाचित्र

❖ महत्वपूर्ण दिवस समारोह (Important Days Celeberation)

- **डॉ. भीम राव अम्बेडकर जयन्ती –**

महान चिन्तक –विचारक एवं भारतीय संविधान निर्माता डॉ0 भीमराव अम्बेडकर की 126वीं जयन्ती के अवसर पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। माननीय कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव जी की अध्यक्षता में आयोजित इस संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के सभी सदस्य उपस्थित थे। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता डॉ0 दिनेश कुमार ने डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के जीवन की प्रमुख घटनाओं के आलोक में उनके विचारों की विस्तार से व्याख्या की। डॉ0 दिनेश ने अम्बेडकर को समानता और ज्ञान का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि दलित चिन्तन अम्बेडकर के व्यक्तित्व का एक पक्ष है। डॉ0 अम्बेडकर वस्तुत: विश्व की बड़े मानवाधिकारी, नेतृत्वकर्ता व चिन्तक हैं। उनके इसी योगदान को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ ने उनकी जयन्ती मनाने का निर्णय लिया।

डॉ0 अम्बेडकर भारत के पहले व्यक्ति हैं, जिनकी जयन्ती संयुक्त राष्ट्र संघ में आयोजित की गई। अपने सम्बोधन में उन्होंने डॉ0 अम्बेडकर द्वारा किए गए कार्यों का विस्तार से वर्णन किया। संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे कुलपति डॉ0 नागेश्वर राव ने कहा कि हमें डॉ0 अम्बेडकर के विचारों को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय भविष्य में डॉ0 अम्बेडकर के जीवन से सम्बन्धित प्रमुख घटनाओं पर एक संग्रहालय स्थापित करेगा, जिससे हम उनसे प्रेरणा ले सकें। संगोष्ठी को कुलसचिव डॉ0 आर0सी0 मिश्र ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 राजेन्द्र कैड़ा ने किया।

- **विश्व पर्यावरण दिवस (World Environment Day)**

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2017 के अवसर पर विश्वविद्यालय एवं वन विभाग के सदस्य

- **अन्तर्राष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस (International Mother Language Day Celebration)**

अन्तर्राष्ट्रीय संस्था यूनेस्को द्वारा प्रत्येक वर्ष 21 फरवरी को अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस समारोह आयोजन किया गया। जिनमें सामान्य भाषा ज्ञान प्रतियोगितायें एवं संक्षिप्त विचार गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव जी ने गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कहा कि, अपनी मातृभाषाओं की उन्नति हेतु सदैव जमीनी स्तर पर कार्य करना चाहिए तथा भाषा की उन्नति ही सभ्यता की उन्नति का परिचालक होती है। साथ ही उन्होंने कहा कि एक सभ्य समाज की भाषा ही उन्नत होती है। कार्यक्रम के अन्तर्गत सामान्य भाषा ज्ञान प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। अन्त में कुलपति द्वारा विजेताओं को प्रमाण-पत्र दिए गए। कार्यक्रम संयोजक डॉ0 राजेन्द्र कैड़ा ने कहा कि भाषा के प्रश्न को भी मूल्य स्तर पर हल करने का प्रयत्न करना चाहिए। विश्वविद्यालय परिसर के अलावा भी अनेक अध्ययन केन्द्रों पर भी अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर प्रतियोगिता एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिनके विजेताओं को कुलसचिव प्रोफेसर आर.सी.मिश्र द्वारा प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

- **स्वतन्त्रता दिवस (Independance day)**

15 अगस्त 2017 को 71 वां स्वतन्त्रता दिवस समारोह के शुभ अवसर पर कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव जी द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में झण्डारोहण किया गया। माननीय कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय परिवार को सम्बोधित भी किया गया। तदुपरान्त कुलपति जी सहित सभी निदेशकों, शिक्षकों, अधिकारियों व कार्मिकों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय परिसर कार्यालय, देहरादून में भी परिसर निदेशक द्वारा झण्डारोहण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

स्वतन्त्रता दिवस समारोह का छायाचित्र

गणतन्त्र दिवस (Republic day)

26, जनवरी 2018 को देशभर में 69 वाँ गणतन्त्र दिवस समारोह आयोजित किया गया। इसी क्रम में विश्वविद्यालय प्रांगण में भी गणतन्त्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव द्वारा ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया गया। राष्ट्रगान के उपरान्त विश्वविद्यालय की विगत

लगभग छ: मास की प्रगति एवं उपलब्धियों की आख्या प्रस्तुत की गई। मिष्ठान वितरण के उपरान्त कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की दो आन्तरिक टीमों के मध्य एक दोस्ताना क्रिकेट मैच का आयोजन भी किया गया।

गणतन्त्र दिवस पर माननीय कुलपति जी द्वारा ध्वजारोहण

शिक्षक दिवस (Teachers' Day)

शिक्षक दिवस के अवसर पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम आयोजित कर पूर्व प्राचार्य डॉ0 मृगेश पाण्डेय को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ0 पाण्डेय जी ने कहा कि आपकी आवश्यकताओं के समय जो सहयोग करे वह गुरू है। उन्होंने अपने जीवन में आए कई पहलुओं का वर्णन भी किया और कहा कि शिक्षक को अपने कर्तव्यों का निर्वहन सदैव ईमानदारी से करना चाहिए।

कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव जी ने कहा कि शिक्षक और गुरू का सम्बन्ध बहुत महत्वपूर्ण होता है, यह सम्बन्ध कभी समाप्त नहीं होता है। प्रो0 राव ने कहा कि गुरू के द्वारा दी हुई शिक्षा कभी व्यर्थ नहीं जाती है। उन्होंने कहा कि शिक्षक को नि:स्वार्थ भाव से अपना कार्य करते रहना चाहिए। कार्यक्रम में कुलसचिव प्रोफेसर आर.सी.मिश्रा ने कहा कि गुरु सदैव शिष्य की बेहतरी के लिए कार्य करता है।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर संगोष्ठी (International Womens' Day Celeberation)

8 मार्च 2017 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें बोलते हुए मुख्य वक्ता कुलपति प्रो. नागेश्वर राव ने कहा कि महिला शक्ति को पहचाने तथा उनके प्रति संवेदनशील बनें। उन्होंने कहा कि महिलाओं के योगदान को किसी भी कीमत पर कम नहीं आंका जा सकता तथा उन्हें और अधिक मजबूत बनाये जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि महिलाएँ दया की नहीं, सम्मान की पात्र हैं। कुलसचिव प्रो. आरसी मिश्रा ने महिलाओं की समस्याओं पर विशेष जोर देते हुए कहा कि हम बार-बार टूटन की बात तो करते हैं, लेकिन समन्वय की बात नहीं करते। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भूमिका हर जगह पर अग्रणी रही है। बैठक में महिला वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं को और अधिक आत्मनिर्भर व आर्थिक निर्भर बनाये जाने की दरकार है। साथ ही उन्होंने कहा कि महिलाओं के उत्थान के लिए और अधिक प्रयास किया जाने चाहिए। कार्यक्रम का संचालन ममता कुमारी व राजेन्द्र कैड़ा द्वारा किया गया। संगोष्ठी में डा. प्रीति बोरा, नेहा अत्री, कंचन बिष्ट आदि वक्ताओं ने भी अपने-अपने विचार रखे। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय की महिला कर्मी श्रीमती लीला बेलवाल को कुलपति प्रो नागेश्वर राव द्वारा सम्मानित किया गया।

चाकीसैंण में आयोजित हिमालय दिवस

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा संवर्धन प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 10, सितम्बर 2017 को पौड़ी जिले की चाकीसैंण तहसील के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों में हिमालय दिवस के उपलक्ष्य में मेरा प्यारा हिमालय विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यालय स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थानों पर आये छात्रों को दिनांक 15, सितम्बर 2017 को राजकीय इंटर कॉलेज चाकीसैंण में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा में नवाचार तकनीकी के अनुप्रयोग" विषय पर आयोजित कार्यशाला में सम्मानित किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन स्थानीय विधायक एवं उत्तराखंड राज्य के उच्च शिक्षामंत्री डॉ धन सिंह रावत जी द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि माननीय उच्च शिक्षा मन्त्री डॉ0 धन सिंह रावत जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि पूर्व में उन्होंने उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय से गाँवो को 'डिजिटल गाँव' बनाने की बात कही थी इस सन्दर्भ में उन्होंने नौगांव (पौड़ी जिला) को डिजिटल गाँव के साथ साथ डिजिटल साक्षर भी बनाने की घोषणा की, और कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 27 सितम्बर 2017 को नौगांव (पौड़ी जिला) को डिजिटल गाँव बनाने के लिए पहले एक सर्वे किया जायेगा। कार्यक्रम में स्वच्छता पखवाड़े के तहत चाकीसैंण तहसील के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा कूड़े की सफाई हेतु कूड़ेदान माननीय उच्च शिक्षामंत्री डॉ0 धन सिंह रावत जी एवं उपजिलाधिकारी श्री कमलेश मेहता जी द्वारा वितरित किये गए।

क्रेडिट ट्रान्सफर (Credit Transfer)-

विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों के लिए क्रेडिट ट्रान्सफर की सुविधा उपलब्ध कराई गयी है। स्वयं पोर्टल पर उपलब्ध मूक MOOC कोर्सेज पूर्ण करने एवं अंकतालिका उपलब्ध कराने पर सम्बन्धित विषय में क्रेडिट ट्रान्सफर दिया जायेगा। विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित मूक कोर्सेज की सूची विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर उपलब्ध है।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस

हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में व्याख्यान देते हुए इतिहासकार प्रोफेसर गिरिजा पांडे ने कहा कि उत्तराखण्ड की पत्रकारिता ने हिंदी पत्रकारिता के विकास में शुरुआत से ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज़ादी से पहले यहां के हिंदी अख़बारों ने जनता की दुख-दर्दों को ज़ुबान देने का काम किया है। वह हिंदी पत्रकारिता, लोकतंत्र और उत्तराखण्ड विषय पर बोल रहे थे। विश्वविद्यालय में प्रोफेसर गिरिजा पाण्डेय का व्याख्यान स्कूल ऑफ़ जर्नलिज़्म एंड मीडिया स्टडीज़ की तरफ़ से आयोजित किया गया था। प्रो. पाण्डेय ने उत्तराखण्ड की पत्रकारिता का उल्लेख करते हुए नैनीताल से 1868 में प्रकाशित समय विनोद नाम के अख़बार का उल्लेख किया और बताया कि हिंदी के पहले अख़बार उदंत मार्तंड के प्रकाशन के करीब चालीस साल के भीतर ही उत्तराखण्ड ने भी हिंदी पत्रकारिता में अपना योगदान देना शुरू कर दिया था।

APPENDICES

Appendix- I (परिशिष्ट –I)

द्वितीय दीक्षान्त समारोह

Appendix- II (परिशिष्ट –II)

तृतीय दीक्षान्त समारोह

Appendix- III (परिशिष्ट –III)

विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षान्त समारोह में स्वर्ण पदक विजेताओं की सूची

परास्नातक स्तर पर

शिक्षार्थी का नाम	विषय	प्राप्तांक प्रतिशत
अमित चौधरी	योग	84.08%
उमेश चन्द्र जोशी	शिक्षाशास्त्र	83.56%
रेखा पन्त	वनस्पति विज्ञान	82.25%
रूपा पालीवाल	समाजशास्त्र	80.22%
सुधीर चन्द्र उनीयाल	हिन्दी	79.56%
पवन कुमार दूबे	भौतिक विज्ञान	79.42%
आकांक्षा गर्ग	अंग्रेजी	79.22%
हरीश चन्द्र डंगवाल	संस्कृत	78.67%
निम्मी बंसल	अर्थशास्त्र	77.56%
रश्मि उपाध्याय	**शेलजा सिंह**	76.44%
प्रकाश सिंह	रसायन विज्ञान	76.17%
नमिता बोरा	राजनीति शास्त्र	76.11%
नेहा चौहान	**इतिहास**	75.89%
महेश कुमार	समाज कार्य	73.39%
अमिता बर्गली	एम.बी.ए.	71.57%

स्नातक स्तर पर

हुदा ए.जी. जरीवाला	होटल प्रबन्ध	78.21 %
विभोर शर्मा	बी.कॉम.)	77.95 %
दीपक थपलयाल	बी.ए.	75.95%

विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षान्त समारोह में स्वर्ण पदक विजेताओं की सूची

कुलाधिपति स्वर्ण पदक

1. दृष्टि बौड़ाई, बी0ए0
2. उत्तम प्रसाद सेमवाल, एम.एस.सी.

विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक 2016-17

1. दृष्टि बौड़ाई, बी0ए0
2. मिताली मधुस्मिता साहू, बी0 कॉम
3. ललिता गड़िया, बी0एच0एम
4. पूजा शर्मा, बी0वाई0एन
5. कुमारी आरती, एम.ए. अंग्रेजी
6. जगत सिंह, एम.ए. हिन्दी
7. मुकेश कुमार, एम.ए. संस्कृत
8. अजीत कुमार सैनी, एम.ए. शिक्षाशास्त्र
9. डिम्पल गुप्ता, एम.ए. इतिहास
10. दीपक सिंह रौतेला, एम.ए. राजनीति विज्ञान
11. ममता कठायत, एमएसडब्ल्यू
12. हिमांशु बहुगुणा, एम.ए. समाजशास्त्र
13. मनवीर सिंह, एम.ए. अर्थशास्त्र
14. प्रियंका बलोधी, एम0बी0ए0
15. मनीषा पाण्डे, एम0कॉम
16. रमिता महर्जन, एम0ए0 योग
17. उत्तम प्रसाद सेमवाल, एम0एस0सी0 वनस्पति विज्ञान
18. अनुराधा जोशी, एम0एस0सी0 रसायन विज्ञान
19. भारतभूषण, एम0एस0सी0 भौतिक विज्ञान

सामाजिक कार्यकर्ता डॉ0 प्रमोद अग्रवाल 'गोल्डी' द्वारा प्रायोजित स्वर्ण पदक :

1. दृष्टि बौड़ाई, बी.ए.
2. कुमारी आरती, एम.ए. अंग्रेजी
3. मनीषा पाण्डे, एम.कॉम

Appendix- IV (परिशिष्ट –IV)

कार्य परिषद

(Executive Council)

क्रमाक	सदस्य	पदाधारिता
1	प्रोफेसर नागेश्वर राव कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल, हल्द्वानी	अध्यक्ष
2	प्रोफेसर बी0एस0 पठानिया रिटायर्ड डीन ऑफ लैंगवेजज, हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, समर हिल शिमला	सदस्य
3	प्रोफेसर के0 एन0 पाठक पूर्व कुलपति, पंजाब विश्वविद्यालय, चड़ीगढ़	सदस्य
4	श्री मनोज सिंघल, एफ-1204, चितरंजन पार्क, नई दिल्ली-110 019	सदस्य
5	श्री राकेश भारती मित्तल, उपाध्यक्ष, भारती एंटरप्राइजेज, भारती क्रीसेंट, 1 नेल्सन मंडेला रोड, वंसत कुंज, फेस-2, नई दिल्ली -110 070	सदस्य
6	प्रमुख सचिव/सचिव उच्च शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि	सदस्य
7	कुलपति, इन्दिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि जो उपकुलपति से निम्न पद का न हो	सदस्य
8	प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
9	प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र निदेशक, प्रबंध अध्ययन एवं वाणिज्य, विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
10	प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल निदेशक, मानवीकि विद्याशाखा,उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
11	डॉ0 देवेश कुमार मिश्र सहायक प्राध्यापक, संस्कृत, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
12	वित्त अधिकारी	आमंत्रित सदस्य
13	कुलसचिव	सदस्य सचिव

Appendix- V (परिशिष्ट –V)

विद्या परिषद

(Academic Council)

क्रमांक	सदस्य	पदाधारिता
1	प्रोफेसर नागेश्वर राव कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ,हल्द्वानी	अध्यक्ष
2	प्रोफेसर वेदप्रकाश शास्त्री पूर्व आचार्य एवं उप-कुलपति, गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार	सदस्य
3	प्रोफेसर धर्मेन्द्र कुमार प्राध्यापक, कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग विभाग,गुरू जाम्बेश्वर साइंस एण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा	सदस्य
4	प्रोफेसर शंभुनाथ सिंह निदेशक, पत्रकारिता एवं नवीन जनसंचार अध्ययन विद्यापीठ, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदानगढ़ी, नई दिल्ली	सदस्य
5	प्रोफेसर बी0एम0 कुमार मानविकी एवं समाज विज्ञान महाविद्यालय, गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर	सदस्य
6	प्रोफेसर मधुरेन्द्र कुमार राजनीति विज्ञान विभाग, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल	सदस्य
7	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष द्वारा नामित एक व्यक्ति जो संयुक्त सचिव से निम्न पंक्ति का न हो	सदस्य
8	प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र निदेशक, प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
9	प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल निदेशक, मानविकी विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
10	प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
11	प्रोफेसर दुर्गेश पंत निदेशक, कम्प्यूटर साइंस एवं सूचना प्रोद्यौगिकी विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
12	डॉ0 वीरेन्द्र कुमार सहायक प्राध्यापक, कृषि, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सचिव
13	डॉ0 हेमन्त काण्डपाल सहायक प्राध्यापक, आयुर्वेद, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
14	कुलसचिव	सदस्य सचिव

Appendix- VI (परिशिष्ट –VI)

योजना परिषद
(Planning Board)

क्रमाक	सदस्य	पदाधारिता
1	प्रोफेसर नागेश्वर राव कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल, हल्द्वानी	अध्यक्ष
2	डॉ0 वेणुगोपाल रेड्डी निदेशक, क्षेत्रीय सेवाएं, इन्दिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली- 110068	सदस्य
3	प्रोफेसर ओमजी गुप्ता निदेशक, प्रबन्ध अध्ययन विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्तविश्वविद्यालय, इलाहाबाद	सदस्य
4	डॉ0 एम0एन0 सिंह समाज कार्य विभाग, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद,सी0पी0आई0 कैम्पस, एम0जी0 मार्ग, सिविल लाइन्स, उत्तरप्रदेश, पिन- 221001	सदस्य
5	सी0ए0 गौतम कथूरिया लैम्डा (Lamda)14, ओमेक्स रिवेरा, रूद्रपुर- 263153	सदस्य
6	श्री राजीव बेरी 19/1, प्लीसेन्ट वैली, राजपुर रोड़, देहरादून	सदस्य
7	प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र निदेशक, प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
8	प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल निदेशक, मानविकी विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
9	प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
10	प्रोफेसर दुर्गेश पंत निदेशक, कम्प्यूटर साइंस एवं सूचना प्रोद्यौगिकी विद्या शाखा,उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
11	कुलसचिव	सदस्य सचिव

Appendix- VII (परिशिष्ट –VII)

वित्त समिति
(Finance Committee)

क्रमांक	सदस्य	पदाधारिता
1	प्रोफेसर नागेश्वर राव कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	अध्यक्ष
2	डॉ0 सवीता मोहन निदेशक, उच्च शिक्षा (प्रतिनिधि सचिव, उच्च शिक्षा) उत्तराखण्ड शासन, देहरादून	सदस्य
3	सुश्री कृष्णा रौंकली वित्त नियन्त्रक, गोविन्द वल्लभ पन्त विश्वविद्यालय, पन्तनगर (प्रतिनिधि सचिव, वित्त) उत्तराखण्ड शासन, देहरादून	सदस्य
4	श्रीमती आभा गर्खाल वित्त नियन्त्रक, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	सचिव
5	प्रोफेसर आर0सी0मिश्र, कुलसचिव, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	विशेष आमन्त्रित सदस्य
6	श्री खेमराज भट्ट, सहायक कुलसचिव (वित्त), उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	विशेष आमन्त्रित सदस्य
7	श्री पी0सी0डालाकोटी, प्रशासनिक परामर्शदाता, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	विशेष आमन्त्रित सदस्य

Appendix-VIII (परिशिष्ट –VIII)

विश्वविद्यालय प्राधिकरण के सदस्य

(Members of the University Authority)

Prof.Nageshwar Rao Vice Chancellor			
Name	**Designation**	**Contact No.**	**E-mail**
Prof. R.C. Mishra	Registrar	05946-210957	registrar@uou.ac.in
Prof. H.P. Shukla	Director (RSD/Admission)	05946-286067	hpshukla@uou.ac.in
Prof. P.D. Pant	Examination Controller	9411597995	pdpant@uou.ac.in
Mrs. Abha Garkhal	Finance Controller	9456727137	gabha@uou.ac.in
Dr. Rakesh Rayal	Public Relation Officer	9410967600	rryal@uou.ac.in

Directors of School / Division/ Directorate				
Name	**Name of School**	**Division/ Directorate**	**Contact No.**	**E-mail**
Prof. R.C. Mishra	Management Studies & Commerce Health Science Tourism, Hotel Management & Hospitality	Academics Material Production and Distribution (MPDD)	9412034574	rcmishra@uou.ac.in
Prof. H.P. Shukla	Humanities	Regional Services Division (RSD) Journalism & Media Studies, Library & Information Science and Education	9410715100	hpshukla@uou.ac.in
Prof. Durgesh Pant	Computer Science & Information Technology	Dehradun Campus	9412375384	dpant@uou.ac.in
Prof. Govind Singh (On leave)	Journalism & Media Studies	–	9410964787	govindsingh@uou.ac.in
Prof. Girija P. Pande	Social Science Law Vocational Studies	Research & Innovation and UOU Community Radio	9412351759	gpande@uou.ac.in

Prof. P.D. Pant	Science Agriculture & Development Studies	Examination Department	05946 210958	pdpant@uou.ac.in

Regional Directors

Regional Centre	**Regional Director**	**Address**	**Contact No.**	**E-mail**
Dehradun (11)	Dr. Sandeep Negi	SGRR, Pathribagh, Dehradun	9412031183 01352720027	dehradun@uou.ac.in
Roorkee (12)	Dr. Rajesh Paliwal	B.S.M PG College, Roorkee	9412439436 01332274365	roorkee@uou.ac.in
Pauri (14)	Dr. A.K Dobriyal	H.N.B. Garhwal University, Pauri	9412960687 01368223308	pauri@uou.ac.in
Uttarkashi (15)	Dr. Sursh Chandra	Govt. PG College, Uttarkashi	01374-222004 9557557880 9911708741	uttarkashi@uou.ac.in
Haldwani (16)	Dr. Rashmi Pant	M.B P.G. College, Haldwani	9411162527 05946284149	haldwani@uou.ac.in
Ranikhet (17)	Dr. Yogendra Chandra Singh	Govt. PG College, Ranikhet	05966-220474 9997272828	ranikhet@uou.ac.in
Pithoragarh (18)	Dr. Bipin Chandra Joshi	Govt. PG College,Pithoragarh	9412093678 05964-264015	pithoragarh@uou.ac.in
Bageshwar (19)	Dr. B.C Tiwari	Govt. PG College, Bageshwar	9412044914 05963221894	bageshwar@uou.ac.in

Appendix IX (परिशिष्ट –IX)

विश्वविद्यालयीय मानव संसाधन
(Human Resource of University)

विश्वविद्यालय में शैक्षिक पद

क्र0सं0	विषय	प्राध्यापक	सहायक प्राध्यापक
1.	अंग्रेजी	प्रो. एच. पी. शुक्ल	डॉ. सुचित्रा अवस्थी
2.	प्रबन्ध अध्ययन	प्रो. आर. सी. मिश्र	डॉ.मंजरी अग्रवाल डॉ. सुमित प्रसाद
3.	कम्प्यूटर साइंस	प्रो. दुर्गेश पन्त	डॉ. जितेन्द्र पाण्डे
4.	इतिहास	प्रो. जी. पी. पाण्डे	डॉ. एम. एम. जोशी
5.	पत्रकारिता एवं जनसंचार	प्रो. गोविन्द सिंह (अवकाश पर)	श्री भूपेन सिंह
6.	शिक्षाशास्त्र	-	डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. प्रवीण कुमार तिवारी, सुश्री ममता कुमारी, डॉ0 भावना पलडिया, डॉ. कल्पना पाटनी लखेड़ा
7.	वाणिज्य	-	डॉ. गगन सिंह
8.	होटल मैनेजमेन्ट	-	डॉ. जटाशंकर तिवारी
9.	कृषि	-	डॉ. विरेन्द्र कुमार
10.	समाजशास्त्र	-	डॉ. दीपक पालीवाल
11.	राजनीतिशास्त्र	-	डॉ. सूर्यभान सिंह
12.	हिन्दी	-	डॉ. शशांक शुक्ला
13.	पर्यटन	-	डॉ. अखिलेश सिंह
14.	वानिकी	-	डॉ. एच. सी. जोशी
15.	आयुर्वेद	-	डॉ. हेमन्त काण्डपाल
16.	भौतिकी	-	डॉ. कमल देवलाल
17.	संस्कृत	-	डॉ. देवेश कुमार मिश्रा
18.	योग	-	डॉ. भानू जोशी
19.	एम.एस. डब्लू	-	डॉ. नीरजा सिंह
20.	ज्योतिष	-	डॉ. नन्दन कुमार तिवारी
21.	मनोविज्ञान	-	डॉ. सीता
22.	रसायन विज्ञान	-	डॉ. शालिनी सिंह
23.	भूगोल	-	मोहम्मद अकरम
24.	अर्थशास्त्र	-	डॉ. शालिनी चौधरी

अल्पकालिक विनियोजित वरिष्ठ परामर्शदाता/परामर्शदाता तथा अकादमिक एसोसिएट का विवरण

क्र0सं0	विद्याशाखा	विषय	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा	शिक्षाशास्त्र	डॉ. जे. के. जोशी
2.	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा	शिक्षाशास्त्र	डॉ. रम्भा जोशी
3.	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा	बी.एड. (विशिष्ट शिक्षा)	डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल

4.	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा	(शिक्षाशास्त्र)	श्रीमती मनीषा पंत
5.	विज्ञान विद्याशाखा	वनस्पति विज्ञान	डॉ. पूजा जुयाल
6.	विज्ञान विद्याशाखा	जन्तु विज्ञान	डॉ. श्याम सिंह कुंजवाल
7.	विज्ञान विद्याशाखा	भूगोल	डॉ. रंजू जोशी पाण्डे
8.	विज्ञान विद्याशाखा	रसायन विज्ञान	डॉ. चारु चन्द्र पंत
9.	विज्ञान विद्याशाखा	गणित	सुश्री लता तिवारी
10.	समाज विज्ञान विद्याशाखा	लोकप्रशासन	डॉ. घनश्याम जोशी
11.	समाज विज्ञान विद्याशाखा	अर्थशास्त्र	सुश्री नेहा अत्री
12.	कम्प्यूटर विज्ञान विद्याशाखा	आई.टी.एण्ड कम्प्यूटर साइंस	श्री बालम सिंह दफौटी
13.	मानविकी विद्याशाखा	हिन्दी	डॉ. राजेन्द्र सिंह कैड़ा
14.	मानविकी विद्याशाखा	उर्दू	मो. अफजल हुसैन
15.	मानविकी विद्याशाखा	संगीत	श्री द्विजेश उपाध्याय
16.	स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा	फूड एण्ड न्यूट्रीशियन (गृह विज्ञान)	श्रीमती मोनिका द्विवेदी
17.	स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा	फूड एण्ड न्यूट्रीशियन (गृह विज्ञान)	डॉ. प्रीति बोरा
18.	पत्रकारिता एवं जनसंचार	पत्रकारिता एवं जनसंचार	श्री राजेन्द्र सिंह क्वीरा
19.	पर्यटनएवं आतिथ्य अध्ययन विद्याशाखा	पर्यटन	डॉ. सुभाष रमोला
20.	विधि विद्याशाखा	विधि	श्री दीपांकुर जोशी
21.	व्यावसायिक अध्ययन विद्याशाखा	व्यावसायिक अध्ययन	श्री गोपाल दत्त

अल्पकालिक व्यवस्था के अन्तर्गत नियोजित प्रशासनिक परामर्शदाता/तकनीकी परामर्शदाताओं का विवरण

क्र0सं0	पदनाम	अनुभाग	कार्यरत् कार्मिक का नाम
1.	प्रशासनिक परामर्शदाता	कुलसचिव कार्यालय	श्री महेश चन्द्र जोशी
2.	प्रशासनिक परामर्शदाता	लेखा अनुभाग	श्री पूरन चन्द्र डालाकोटी
3.	प्रशासनिक परामर्शदाता	परीक्षा अनुभाग	डॉ. दयाकृष्ण मथेला
4.	तकनीकी परामर्शदाता	आई.सी.टी. अनुभाग	श्री प्रदीप चन्द्र पाठक
5.	तकनीकी परामर्शदाता (डाटा प्रोसेसिंग)	परीक्षा अनुभाग	श्री नवनीत कुमार
6.	तकनीकी परामर्शदाता (रेडियो)	कम्यूनिटी रेडियो	श्री अनिल नैलवाल
7.	प्रशासनिक परामर्शदाता	मॉडल स्टडी सेन्टर	श्री विनोद विरखानी

नियमित/संविदा के आधार पर सृजित पद

क्र0सं0	पदनाम	कार्यरत कार्मिक का नाम	पद की प्रवृति
1.	नैटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर	श्री मोहित रावत	संविदा
2.	कम्प्यूटर प्रोग्रामर	श्री जितेन्द्र द्विवेदी, श्री राजेन्द्र गोस्वामी	संविदा
3.	हार्डवेयर इंजीनियर	श्री राजेश आर्या, श्री विनीत पौड़ियाल,	संविदा
4.	प्रशासनिक अधिकारी ग्रेड-2	श्री पी0एस0 परिहार	संविदा
5.	आशुलिपिक ग्रेड-1	श्री संजय भट्ट	संविदा
6	आशुलिपिक ग्रेड-1	श्री विमल कुमार	नियमित

बाह्य सेवा प्रदाता (उपनल) के माध्यम से पूरित किये जाने हेतु सृजित पद

क्र0सं0	पदनाम	कार्यरतकार्मिक का नाम
1.	नैटवर्क सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर	श्री पार्थ जोशी
2.	वेबसाइट एडमिनिस्ट्रेटर	श्री राकेश पपनै
3.	कम्प्यूटर लिट्रेट स्टेनो	श्रीमती बबीता दास
4.	कम्प्यूटर लिट्रेट एकाउन्टेंट	श्री हर्षवर्धन लोहनी
5.	कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क	कु0 कमला राठौर, श्री योगेश मिश्रा, श्री पंकज बिष्ट,
6.	कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क	श्री मनोज कुमार शर्मा, श्री संतोष ढौडियाल
7.	कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क	श्री बसंत बल्लभ काण्डपाल, श्री चारु चन्द जोशी
8.	कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क	श्री गोपाल सिंह, श्री मनमोहन त्रिपाठी,
9.	डाटा एंट्री ऑपरेटर/क्लर्क टाइपिस्ट	श्रीमती मधु डोगरा, श्री अनिल कुमार पंत
10.	कम्प्यूटर ऑपरेटर,	कु. पूनम खोलिया
11.	कोऑर्डिनेटर	श्री नंदन अधिकारी, श्री मोहन चन्द्र पाण्डे,
12.	कोऑर्डिनेटर	श्रीमती दीपा फुलारा, श्रीमती रेखा बिष्ट,
13.	कोऑर्डिनेटर	श्रीमती रंजना जोशी, श्री अजय कुमार सिंह,
14.	कोऑर्डिनेटर	श्री विनय जोशी, श्री निर्मल सिंह धौनी
15.	कम्प्यूटर लिट्रेट पी0ए0,	श्री रमन लोशाली
16.	इलैक्ट्रीशियन,	श्री दिनेश पाल सिंह
17.	ड्राइवर,	श्री मनीष कुमार
18.	लैब असिस्टेंट	श्री मनीष बुंगला
19.	चतुर्थ श्रेणी कार्मिक	श्री हेमचन्द, श्री व्यास सिंह, श्री चन्द्र शेखर सुयाल
20.	क्लर्क कम टाइपिस्ट,	श्री कुन्दन सिंह
21.	कैटलागर्स,	श्री राकेश पन्त,
22.	अनुसेवक	श्री चेत बहादुर
23.	स्टोरमेट	श्री बलबन्त राम
24.	बुक लिफटर	श्री दीपक चन्द्र उप्रेती
25.	प्लम्बर	श्री देवेन्द्र प्रसाद
26.	हेल्पर	श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
27.	माली	श्री मनोज कुमार
28.	स्वच्छक	श्री दलीप
29 .	चपरासी	कु. नीमा उप्रेती, श्रीमती उषा देवी, श्री कैलाश राम विश्वकर्मा, नवीन चन्द्र जोशी

विश्वविद्यालय में नियोजित विनियमित कार्मिक

क्र0सं0	पदनाम	अनुभाग	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय रानीखेत	श्री रविन्द्र कुमार कोहली
2.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय रुड़की	श्री महबूब आलम
3.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून	श्री बृज मोहन सिंह खाती
4.	लिपिक	क्रय अनुभाग	श्री हेम चन्द्र छिमवाल
5.	लिपिक	अधिष्ठान	श्री राहुल बिष्ट
6.	लिपिक	प्रवेश	श्री फिरोज खान

7.	लिपिक	निदेशालय, क्षेत्रीय सेवाएं	श्री भरत नैनवाल
8.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय, पिथौरागढ़	श्री त्रिलोचन पाटनी
9.	वाहन चालक	कुलसचिव	श्री देवेन्द्र सिंह नेगी
10.	वाहन चालक	कुलपति	श्री मोहन चन्द्र पाण्डे
11.	वाहन चालक	वित्त नियन्त्रक	श्री शेखर उप्रेती

विश्वविद्यालय में नियोजित संविदा कार्मिक

क्र0सं0	पदनाम	अनुभाग	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय पौड़ी	श्री सत्येन्द्र सिंह रावत
2.	लिपिक	परीक्षा अनुभाग	श्री मोहन चन्द्र बवारी
3.	लिपिक	लेखा अनुभाग	श्री दिनेश कुमार
4.	चतुर्थ श्रेणी	पुस्तक वितरण प्रकोष्ठ	श्री अजय पाल सिंह
5.	चतुर्थ श्रेणी	निदेशक मानविकी	श्री दिनेश चन्द्र फुलेरा
6.	चतुर्थ श्रेणी	कुलसचिव कार्यालय	श्री जगत सिंह बंगारी
7.	-	स्वच्छक अनुरक्षण	श्रीमती छाया देवी

बाह्य सेवा प्रदाता (ड्रेस रोजगार डॉट कॉम) के माध्यम से दैनिक वेतन भोगी के रुप में कार्यरत कार्मिक

क्र0सं0	पदनाम	अनुभाग	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	लिपिक	लेखा अनुभाग	श्रीमती पूजा हेडिया
2.	लिपिक	लाइब्रेरी	श्री गुणनिधि सिंह बिष्ट
3.	लिपिक	एम0पी0डी0डी0	श्री दीपक पन्त
4.	लिपिक	परीक्षा	श्री राहुल नेगी
5.	लिपिक	परीक्षा	श्री उमाशंकर नेगी
6.	लिपिक	परीक्षा	श्री हेमचन्द्र
7.	लिपिक	प्रवेश	श्री प्रमोद चन्द्र जोशी
8.	लिपिक	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा	कु. दीपिका रैकवाल
9.	लिपिक	पुस्तक वितरण प्रकोष्ठ	श्री उमेश सिंह खनवाल
10.	लिपिक	प्रबंध अध्ययन विद्याशाखा	श्रीमती वैदेही गुरुरानी
11.	योग प्रशिक्षक	स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा	श्री ललित मोहन
12.	लिपिक	आर0एस0डी0 / मानविकी	श्री मोहन जोशी
13.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय,उत्तरकाशी	श्री धनेश्वर नेगी
14.	लिपिक	देहरादून परिसर	श्रीमती अपर्णा कुकरेती
15.	चतुर्थ श्रेणी	पुस्तक वितरण प्रकोष्ठ	श्री भुवन चन्द्र पलड़िया
16.	चतुर्थ श्रेणी	लेखा अनुभाग	श्री भीम आर्या
17.	स्वच्छक	अनुरक्षण	श्री अनिल कुमार
18.	स्वच्छक	देहरादून परिसर	श्री सतीश सिंह
19.	सुरक्षा कर्मी	देहरादून परिसर	श्री धीरेन्द्र सिंह
20.	सुरक्षा कर्मी	देहरादून परिसर	श्री दीपक रतूड़ी
21.	सुरक्षा कर्मी	देहरादून परिसर	श्री सुरेश प्रसाद

Appendix- X (परिशिष्ट –X)

PROGRAMMES AT A GLANCE

पाठ्यक्रम एक दृष्टि में

UNDER GRADUATE PROGRAMMES

Programme Name (Code)	Eligibility	Duration (Yrs)		SLM	Mode of Exam
		Min	Max		
Bachelor of Arts (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Art with Geography (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Art with Music (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Commerce (BCOM-17)	10+2	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Science (BSCG-17) (ZBC/ ZBF/BCF/BFG/PCM/PGM Groups)	10+2 Science	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Computer Application (BCA-17)	10+2 (Candidates not having Mathematics at 10+2 level will have to pass one qualifying Mathematics paper during course of the programme, exam fee for the subject will be charged separately) / BCAPP Lateral entry (BCA IIIrd Sem): Diploma in Computer Application / IT (DCA/DIT)/ Diploma (Polytechnic) in relevant stream	3	6	English	Semester
Bachelor of Business Administration (BBA-17)	10+2	3	6	English	Annual
Bachelor of Yogic Science (BYS-17)	10+2, or equivalent Learners having diploma in Yoga and Naturopathy from UOU may take admission directly in second year	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Tourism and Travel Management (BTTM-17)	10+2	4	8	English	Semester
Bachelor of Hotel Management (BHM-17)	10+2	4	8	English	Semester

POST GRADUATE PROGRAMMES

Programme Name & (Code)	Eligibility	Duration (Yrs)		SLM	Mode of Exam
		Min	Max		
Master of Computer Application (MCA-17)	Graduation in any stream (Candidates not having Mathematics at 10+2 level will have to pass one qualifying Mathematics paper during course of the programme. Exam fee for the subject will be charged separately). Lateral Entry: MCA IIIrd SEM: BCA/BSc (CS/IT), A Level from DOEACC, PGDCA, MCA Vth Semester: MSc (IT/CS)	3	6	English	Semester
Master of Geo Informatics (MGIS-17)	Graduation in any stream Lateral entry: MGIS IInd Year to PGDGIS	2	4	English	Annual
Master of Information Technology (MSCIT-17)	Graduation with Mathematics at graduation or 10+2 level. However, candidates not having Mathematics at 10+2 level or Graduation level will have to pass one qualifying Mathematics paper during course of the programme. Exam fee for the subject will be charged separately). Lateral Entry: B.Tech./B.E./A-level from DOEACC after graduation / PGDCA and graduation	2	4	English	Semester

M.A. Yoga (MAY-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
M.Sc. Botany (MSCBOT-17)	Graduation in concerned subject	2	6	English	Annual
M.Sc. Chemistry (MSCCH-17)	Graduation in concerned subject	2	6	English	Annual
M.Sc. Physics (MSCPHY-17)	Graduation in concerned subject	2	6	English	Annual
M.Com. (MCOM-17)	Bachelor's Degree in Commerce (B. Com.)	2	6	Hindi	Annual
M.A. Education (MAED-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
M.A. Hindi (MAHL-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
M.A. English (MAEL-17)	Graduation in any stream	2	6	English	Annual
M.A. Sanskrit (MASL-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
M.A. Urdu (MAUL-17)	Graduation in any stream / ADEEB-E-KAMIL	2	6	Urdu	Annual
M.A. Economics (MAEC-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
M.A. History (MAHI-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
M.A. Political Science (MAPS-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
M.A. Public Admin. (MAPA-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Master in Social Works (MSW-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Semester
M.A. Sociology (MASO-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Annual
Masters of Laws (LLM-17)	LLB with not less than 50% from any recognized university or equivalent (5% relaxation for reserved category)	2	6	Hindi /Eng	Annual
M.A. Journalism & Mass Communication (MAJMC-17)	Graduation in any stream. For lateral admission to IIIrd semester, those who have one year PGDJMC or any other diploma on Journalism and Mass Communication after graduation	2	6	Hindi	Semester
Master of Hotel Management (MHM-17)	DHM & CT, BHM, B.Sc. in Hospitality and Hotel Management Administration	2	4	English	Semester
Master of Tourism and Travel Management (MTTM-17)	Graduation in any stream	2	4	English	Semester
PG Programmes where admissions are carried out through entrance examination (M.B.A.)					
Master of Business Administration (MBA-17)	50% Marks at graduate or post-graduate level or 45% at Graduate or post graduate level along with 2 years' of supervisory / managerial/ professional/ teaching experience after completing graduation or post-graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student). (5% relaxation for reserved category).Admission through entrance test conducted by the University / MAT / CAT score	2	4	English	Semester

POST GRADUATE DIPLOMA PROGRAMMES

Programme Name & (Code)	Eligibility	Duration (Yrs)		SLM	Mode of Exam
		Min	Max		
PG Diploma in Computer Application (PGDCA-17)	Graduation in any stream	1	3	English	Semester
PG Diploma in Geo Informatics (PGDGIS-17)	Graduation in any stream	1	3	English	Annual
PG Diploma In Disaster Management (PGDDM-17)	Graduation in any subject	1	3	English / Hindi	Annual
PG Diploma in Cyber Law (PGDCL-17)	Graduation in any stream	1	3	English-Hindi	Annual
PG Diploma in Journalism and Mass Communication (PGDJMC-17)	Graduation in any stream	1	3	Hindi	Semester

PG Diploma in Broadcast Journalism & New Media (PGDBJ-17)	Graduation in any stream	1	3	Hindi	Semester
PG Diploma in Advertising and Public Relations (PGDAPR-17)	Graduation in any stream	1	3	Hindi	Semester
PG Diploma Programmes where admissions are carried out through entrance examination (PGDMM, DIM and PGDHRM)					
PG Diploma in Marketing Management (PGDMM-17)	50% Marks at graduate or post graduate level with 1 year experience in the relevant field. Further those having 45% marks at graduate level or post graduate level shall also be eligible with 2 years' of supervisory/ managerial/ professional / teaching experience after completing graduation or post-graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student).(5% relaxation for reserved category). Admission through entrance test conducted by University / MAT /CAT score	1	3	English	Semester
PG Diploma Human Resource Management (PGDHRM-17)		1	3	English	Semester
Diploma in Management (DIM-17)	50% Marks at graduation or at post graduation level or 45% at graduate or post graduate level along with 2 years' of supervisory / managerial / professional / teaching experience after completing graduation or post-graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student). (5% relaxation for reserved category). Admission through entrance test conducted by University / MAT/ CAT score	1	3	English	Semester
DIPLOMA PROGRAMMES					
Programme Name (Code)	**Eligibility**	**Duration (Yrs)**		**SLM**	**Mode of Exam**
		Min	**Max**		
Diploma in Value Added Products from Fruits and Vegetables (DVAPFV-17)	10+2	1	3	Hindi	Semester
Diploma in Commercial Horticulture (DCH-17)	10+2	1	3	Hindi	Semester
Diploma in Public Health and Community Nutrition (DPHCN-17)	10+2	1	3	Hindi	Semester
Diploma in Yogic Science (DYS-17)	10+2 or equivalent	1	3	Hindi	Annual
Diploma in Management of Non-wood Forest Products (DMNWFP-17)	10+2	1	3	English	Semester
Diploma in Phalit Jyotish (DPJ-17)	10+2 or Certificate in Jyotish	1	3	Hindi	Annual
Diploma in Hotel Management (DHM-17)	10+2	1	4	English	Annual
Diploma in Front Office Management (DFO-17)	10+2	1	4	English	Semester
Diploma in Accommodation Management (DAM-17)	10+2	1	4	English	Semester
Diploma in Tourism Studies (DTS-17)	10+2	1	4	English	Annual
Diploma in Information Technology(DIT-17)	10+2	1	3	English	Semester
Diploma in Vadic Karmkand (DVK-17)	10+2	1	3	Hindi	Annual
CERTIFICATE PROGRAMMES					
Programme name (code)	**Eligibility**	**Duration (yrs)**		**SLM**	**Mode of exam**
		Min	**Max**		
Certificate in Commercial Flower Production (CCFP-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester

Certificate in Vegetable Production (CVP-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Organic Farming (CCOF-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Geo Informatics (CGIS-17)	10+2	½	2	English	Semester
Certificate in Computer Application (CCA17)	10+2	½	2	English	Semester
Certificate in e-Governance and Cyber Security (CEGCS-17)	10+2	½	2	English	Semester
Certificate in Ayurvedic Masseur (CAM-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Herbal Beauty Care (CHBC-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Ayurvedic Herb Cultivation (CAHC-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Ayurvedic Food and Nutrition (CAFN-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Yogic Sciences (CYS-17)	10+2 or equivalent	½	1	Hindi	Semester
Certificate in Naturopathy (CIN-17)	10+2 or equivalent	½	1	Hindi	Semester
Certificate Course in Office Management (CCOM-17)	10th pass	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Vedic Karmkand (CVK-17)	10th	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Phalit Jyotish (CPJ-17)	10th	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Sanskrit Language (CSL-17)	10th	½	2	Hindi	Semester
Certificate Course in Panchayati Raj (CCPR-17)	10th	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Memory Enhancement (CME-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Mass Media (CMM-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
.Certificate Course in Industrial Skills & Process(CCISP-17)	10+2	1	2	English	Semester
Certificate Course in Automotive Manufacturing(CCAM-17)	10+2	½	1	English	Semester
Certificate Course in Automotive Assembly(CCAA-17)	10+2	½	1	English	Semester

Appendix XI (परिशिष्ट –XI)

विश्वविद्यालय दौरे पर आए गणमान्य व्यक्ति

(Dignitaries visited the University Campus)

क्रमांक	नाम	पद	आयोजन
1	डॉ0 के0के0 पॉल	महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति, उत्तराखण्ड शासन	दिनांक 17 अप्रैल 2017 एवं 14 नवम्बर 2017 को द्वितीय एवं तृतीय दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष के रूप में प्रतिभाग।
2	डॉ0 धन सिंह रावत	माननीय उच्च शिक्षा मन्त्री उत्तराखण्ड सरकार	दिनांक 14 नवम्बर 2017 को तृतीय दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग।
3	अजय टम्टा	केन्द्रीय कपड़ा राज्य मन्त्री, भारत सरकार	दूरस्थ शिक्षा संवर्द्धन प्रकोष्ठ के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग।
4	प्रोफेसर बी0एस0 प्रसाद	पूर्व कुलपति, डॉ0 बी0 आर0 अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, हैदराबाद	31 अक्टूबर 2017 विश्वविद्यालयीय स्थापना दिवस में अतिथि के रूप में प्रतिभाग
5	प्रोफेसर प्रदीप कृष्णात्रयी	जौनस हापकीन्स यूनवर्सिटी यूएसके, इण्डिया स्टडी सेन्टर के इण्डियन प्रोग्राम के निदेशक	पत्रकारिता विभाग के कार्यशाला में प्रतिभाग
6	पंकज बिष्ट	सम्पादक समयान्तर प्रसिद्ध साहित्यकार	पत्रकारिता विभाग के कार्यशाला में प्रतिभाग
7	डॉ0 मीना खरवाल	भारतीय मूल की फ्रान्सिसी मनोवैज्ञानिक	पत्रकारिता के कार्यशाला में प्रतिभाग
8	प्रोफेसर देवीप्रसाद त्रिपाठी	अध्यक्ष, वास्तुशास्त्र विभाग, श्रीलालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली	दिनांक 7 जुलाई 2017 को एम0ए0 ज्योतिष पाठ्यक्रम के अध्ययन परिषद की बैठक में बाह्य विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभाग।
9	प्रोफेसर सत्यकाम	हिन्दी विभाग, इग्नू, नई दिल्ली	14 सितम्बर 2017 को हिन्दी दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान देने हेतु
10	डॉ0 श्रीमती जानकी त्रिपाठी	प्रान्तीय अध्यक्ष, संस्कृत भारती, हल्द्वानी	दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभाग।
11	डॉ0 पी0 के0 शर्मा	एसोसिएट प्रोफेसर, सेवानिवृत्त सहारनपुर, स्वच्छताग्रही पुरस्कार प्राप्त	18 मार्च 2018 को जल संरक्षण सम्बन्धित कार्यशाला में प्रतिभाग।
12	सिराज केशर	एडीटर हिन्दी, इण्डिया वॉटर पोल	,,
13	प्रोफेसर पी0के0 सिंह	जी0बी0 पन्त विश्वविद्यालय, पन्तनगर	,,
14	प्रोफेसर अरविन्द कुमार पाण्डेय	विभागाध्यक्ष, काशी विद्यापीठ	21 मार्च 2018 को शोध मौखिकी में परीक्षक के रूप मे प्रतिभाग
15	प्रोफेसर जे0पी0 पचौरी	हेमवती नन्दन केन्द्रीय विश्वविद्यालय	शोध मौखिकी में परीक्षक
16	डॉ0 रूपेश कुमार	डॉ0 शकुन्तला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ	शोध मौखिकी में परीक्षक
17	प्रोफेसर पी0के0 सिंह	आई0आई0एम0 इन्दौर	प्रबन्ध सम्बन्धित कैरियर काउन्सिलिंग में प्रतिभाग
18	प्रोफेसर एस0पी0 गुप्ता	सेवानिवृत्त अध्यक्ष एवं संकायप्रमुख उत्तरप्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	28 -29 दिसम्बर 2017 को बी0एड0 स्पेशल पाठ्यक्रम समीक्षार्थ प्रतिभाग।
19	प्रोफेसर रजनी रंजन सिंह	अधिष्ठाता, विशिष्ट शिक्षा संकाय, डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ	एम0एड0 लघु शोध प्रबन्ध मूल्यांकन एवं मौखिकी हेतु
20	डॉ0 लवकुश मिश्रा	बी0आर0 अम्बेडकर	पी0जी0 डिप्लोमा में परियोजना कार्य की मौखिकी हेतु

		विश्वविद्यालय, आगरा	
21	डॉ० यशपाल सिंह	सह प्रोफेसर, शिक्षा संकाय, एम.जे.पी. रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली	एम0एड0 लघु शोध प्रबन्ध मूल्यांकन एवं मौखिकी हेतु
22	डॉ0 राजीव रंजन गिरि	प्रसिद्ध आलोचक, दिल्ली	मुख्य अतिथि व वक्ता, गॉधी जयन्ती 2 अक्टूबर 2017
23	प्रोफेसर वी0पी0 खरे	बुन्देल खण्ड विश्वविद्यालय, झॉसी	दिनाक 5 अगस्त 2017 को पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा में B.Lib पाठ्यक्रम के अध्ययन परिषद की बैठक में वाह्य विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभाग
24	प्रोफेसर जे0 एन0 गौतम	जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर	,,
25	प्रोफेसर आर0 के0 सिंह	डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद	,,
26	डॉ0 टी0 एन0 दूबे	उत्तरप्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	,,
27	प्रोफेसर जयदीप शर्मा	IGNOU. नई दिल्ली	B.Lib पाठ्यक्रम के पाठ्यसामग्रियों के सम्पादनार्थ आगमन
28.	प्रोफेसर मनोज जोशी	कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र	,,
29.	प्रोफेसर ए0पी0 सिंह	BHU, वाराणसी	,,
30.	डॉ0 सोनल सिंह	विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन	,,
31.	डॉ0 शकुन्तला सिंह	बेरली कॉलेज, बरेली	,,
32.	प्रोफेसर मंजूलिका श्रीवास्तव	IGNOU, नई दिल्ली	जापानी भाषा में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम निर्माण सम्बन्धित कार्यक्रम में आगमन
33.	प्रोफेसर अंजु गुप्ता	IGNOU, नई दिल्ली	..
34.	प्रोफेसर राजलक्ष्मी	Delhi University	..
35.	प्रोफेसर मंजु श्री चौहान	JNU, New Delhi	..

Appendix XII (परिशिष्ट –XII)

विश्वविद्यालय स्थापना दिवस

(University Establishment Day)

Appendix XIII (परिशिष्ट –XIII)

योग विभाग की विविध दस दिवसीय कार्यशालाओं का आयोजन निम्नानुसार राज्य में अलग- अलग स्थानों में किया गया-

ग्रीष्मकालीन सत्र 01/04/2017 के बाद की कार्यशालाओं का विवरण निम्न प्रकार से है।

क्रम सं०	कार्यशाला का स्थान	दिनाक	विषय	कुल प्रतिभागी
1	आदित्य योग एंव प्राकृतिक चिकित्सालय , किच्छा उधमसिंह नगर	02/04/2017 से 11/04/2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 12/04/2017	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक प्रथम वर्ष एवं डिप्लोमा	164
2	आदित्य योग एंव प्राकृतिक चिकित्सालय , किच्छा उधमसिंह नगर	15/04/2017 से 24/04/2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 25/04/2017	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक तृतीय वर्ष	121
3	केयर कम्प्यूटर पिथौरागढ़	19/04/2017 से 28/04/2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 29/04/2017	एम०ए० योग प्रथम वर्ष	58
4	केयर कम्प्यूटर पिथौरागढ़	19/04/2017 से 28/04/2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 29/04/2017	एम०ए०योग द्वितीय वर्ष	50
5	श्री साई इन्फोटेक , हरिद्वार	प्रयोगात्मक परीक्षा 04/07/2017	योग एंव प्राकृतिक चिकित्सा में प्रमाण पत्र	-
6	उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी	प्रयोगात्मक परीक्षा 04/07/2017	योग एंव प्राकृतिक चिकित्सा में प्रमाण पत्र	-

शीतकालीन सत्र की कार्यशालाओं का विवरण निम्न प्रकार से है।

क्रम सं०	कार्यशाला का स्थान	दिनाक	विषय	कुल प्रतिभागी
1	उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी	15 /09/2017 से 24/09 /2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 25/09/2017	एम०ए०योग प्रथम वर्ष	105
2	उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी	15 /09/2017 से 24/09 /2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 25/09/2017	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक प्रथम वर्ष एवं डिप्लोमा	49
3	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	03 /10/2017 से 12 /10 /2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 13/10/2017	एम०ए०योग प्रथम वर्ष	115
4	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	03 /10/2017 से 12 /10 /2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 13/10/2017	एम०ए०योग द्वितीय वर्ष	48

5	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	06 /11 /2017 से 15/11 /2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 16/11/2017	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक प्रथम वर्ष एवं डिप्लोमा	98+25=123
6	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	06 /11 /2017 से 15/11 /2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 16/11/2017	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक प्रथम वर्ष एवं डिप्लोमा	99+24=123
7	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	17 /11/2017 से 26/11 /2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 27/11/2017	एम०ए०योग प्रथम वर्ष	184
8	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	17 /11/2017 से 26/11 /2017 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 27/11/2017	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष	49
9	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	प्रयोगात्मक परीक्षा 27/11/2017	योग एंव प्राकृतिक चिकित्सा में प्रमाण पत्र	-
10	उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी	प्रयोगात्मक परीक्षा 27/11/2017	योग एंव प्राकृतिक चिकित्सा में प्रमाण पत्र	-

ग्रीष्मकालीन सत्र 2018 की कार्यशालाओं का विवरण निम्न प्रकार से है।

क्रम सं०	कार्यशाला का स्थान	दिनाक	विषय	कुल प्रतिभागी
1	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	10 /01/2018 से 19 /01 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 20/01/2018	एम०ए०योग प्रथम वर्ष	390
2	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	10 /01/2018 से 19 /01 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 20/01/2018	एम०ए०योग द्वितीय वर्ष	282
3	पावनधाम भूपतवाला , हरिद्वार	14 /01/2018 से 23 /01 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 24/01/2018	योग विज्ञान में डिप्लोमा एवं स्नातक प्रथम वर्ष	425
4	पावनधाम भूपतवाला , हरिद्वार	14 /01/2018 से 23 /01 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 24/01/2018	योग विज्ञान में डिप्लोमा एवं स्नातक प्रथम वर्ष	170
5	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	22 /01/2018 से 31 /01 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 01/02/2018	एम०ए०योग प्रथम वर्ष	318
6	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	22 /01/2018 से 31 /01 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 01/02/2018	एम०ए०योग प्रथम वर्ष	297
7	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	03 /02/2018 से 12 /02 /2018 तक	योग विज्ञान में डिप्लोमा एवं स्नातक प्रथम वर्ष	356

		प्रयोगात्मक परीक्षा 13/01/2018		
8	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	03 /02/2018 से 12 /02 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 13/01/2018	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक तृतीय वर्ष	113
9	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	15 /02/2018 से 24 /02 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 25/02/2018	एम०ए०योग प्रथम वर्ष	407
10	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	15 /02/2018 से 24 /02 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 25/02/2018	एम०ए०योग द्वितीय वर्ष	303
11	वेद निकेतन धाम भूपतवाला , हरिद्वार	15 /02/2018 से 24 /02 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 25/02/2018	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक द्वितीय वर्ष	113
12	आदित्य योग एंव प्राकृतिक चिकित्सालय , किच्छा उधमसिंह नगर	05 /03/2018 से 14 /03 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 15/03/2018	एम०ए०योग प्रथम वर्ष	331
13	आदित्य योग एंव प्राकृतिक चिकित्सालय , किच्छा उधमसिंह नगर	05 /03/2018 से 14 /03 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 15/03/2018	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक द्वितीय वर्ष	35
14	आदित्य योग एंव प्राकृतिक चिकित्सालय , किच्छा उधमसिंह नगर	05 /03/2018 से 14 /03 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 15/03/2018	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में स्नातक तृतीय वर्ष	37
15	आदित्य योग एंव प्राकृतिक चिकित्सालय , किच्छा उधमसिंह नगर	17 /03/2018 से 26 /03 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 27/03/2018	एम०ए०योग द्वितीय वर्ष	179
16	आदित्य योग एंव प्राकृतिक चिकित्सालय , किच्छा उधमसिंह नगर	17 /03/2018 से 26 /03 /2018 तक प्रयोगात्मक परीक्षा 27/03/2018	योग विज्ञान में डिप्लोमा एवं स्नातक प्रथम वर्ष	293

Appendix XIV- वार्षिक लेखा (Financial Statements – 2017–18)

VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATES
Chartered Accountants

Ist floor, Jagannath Complex, Tikonia
Nainital Road, Haldwani-263139
Distt.: Nainital (Uttarakhand)

Ref ..... Date .....

Chartered Accountant Report

To
Management
Uttarakhand Open University
Teenpani, By-Pass Road,
Transport Nagar,
Haldwani

We have Compiled the Balance Sheet of **Uttarakhand Open University** (DEC-**Fund), Haldwani** as at 31st March,2018,Income and Expenditure and Receipt & Payment Account for the year ended on that date annexed thereto both of which we have signed under reference to this report. These financial statements are the responsibility of the University Management. Our responsibility is to Compilation of Balance Sheet as per detail provided to us.

Further, we have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of the Compilation of Balance Sheet. In our opinion, proper books of account have been kept by the university so far as it appears from our examination of books of account.

In our opinion and to the best of our information and according to information given to us, the said accounts read with notes attached hereto give a true and fair view-

i> In the case of the Balance Sheet of the State of affairs of the above named university as on 31st March 2018.

AND

ii> In the case of Income & Expenditure account for the year ended on 31st March 2018.

VIJAY KUMAR BANSAL, F.C.A.,
M.NO- 088360
Partner
For & On Behalf Of
VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATES
Chartered Accountants
Firm Regn. No.: 510655C

Place: Haldwani
Date:25.09.2018

Ph.- 05946-280483, Mob.- 9837053417, e-mail : bansal25@gmail.com, taxconsultancy2011@gmail.com

VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATES
Chartered Accountants

Ist floor, Jagannath Complex, Tikonia
Nainital Road, Haldwani-263139
Distt.: Nainital (Uttarakhand)

Ref ..... Date .....

Chartered Accountant Report

To
Management
Uttarakhand Open University
Teenpani, By-Pass Road,
Transport Nagar,
Haldwani

We have Compiled the Balance Sheet of **Uttarakhand Open University (FEE-Fund), Haldwani** as at 31st March 2018, Income and Expenditure and Receipt & Payment Account for the year ended on that date annexed thereto both of which we have signed under reference to this report. These financial statements are the responsibility of the University Management. Our responsibility is to Compilation of Balance Sheet as per detail provided to us.

Further, we have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of the Compilation of Balance Sheet. In our opinion, proper books of account have been kept by the university so far as it appears from our examination of books of account.

In our opinion and to the best of our information and according to information given to us, the said accounts read with notes attached hereto give a true and fair view-

i> In the case of the Balance Sheet of the State of affairs of the above named university as on 31st March 2018.

AND

ii> In the case of Income & Expenditure account for the year ended on 31st March 2018.

Place: Haldwani
Date: 25.09.2018

CA VIJAY KUMAR BANSAL, F.C.A.,
M.NO- **088360**
Partner
For & On Behalf Of
VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATES
Chartered Accountants
Firm Regn. No. : 510655C

Ph - 05946-280483, Mob : 9837053417, e-mail : bansal25@gmail.com, taxconsultancy2011@gmail.com

VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATES
Chartered Accountants

Ist floor, Jagannath Complex, Tikonia
Nainital Road, Haldwani-263139
Distt.: Nainital (Uttarakhand)

Ref ..... Date .....

Chartered Accountant Report

To
Management
Uttarakhand Open University
Teenpani, By-Pass Road,
Transport Nagar,
Haldwani

We have Compiled the Balance Sheet of **Uttarakhand Open University (State-Fund), Haldwani** as at 31st March,2018,Income and Expenditure and Receipt & Payment Account for the year ended on that date annexed thereto both of which we have signed under reference to this report. These financial statements are the responsibility of the University Management. Our responsibility is to Compilation of Balance Sheet as per detail provided to us.

Further, we have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of the Compilation of Balance Sheet. In our opinion, proper books of account have been kept by the university so far as it appears from our examination of books of account.

In our opinion and to the best of our information and according to information given to us, the said accounts read with notes attached hereto give a true and fair view-

i> In the case of the Balance Sheet of the State of affairs of the above named university as on 31st March 2018.

AND

ii> In the case of Income & Expenditure account for the ended on 31st March 2018.

CA VIJAY KUMAR BANSAL, F.C.A.,
M.NO- 088360
Partner
For & On Behalf Of
VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATES
Chartered Accountants
Firm Regn. No. : 510655C

Place: Haldwani
Date: 25.09.2018

Ph.- 05946-280483, Mob.: 9837053417, e-mail : bansal25@gmail.com, taxconsultancy2011@gmail.com

UTTRANKHAND OPEN UNIVERSITY

TEENPANI, BY-PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR, HALDWANI (NAINITAL)

BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH,2018

(A/C DEC GRANT)

LIABLITIES		AMOUNT (Rs.)	ASSETS	AMOUNT (Rs.)
CAPITAL FUND			**FIXED ASSETS**	7,654,388.0
Opening Balance	1,156,702.00		(As Per Schedule)	
Add : Excess of Income			**CURRENT ASSETS,LOAN & ADVANCES**	
over Expenditure	-	1,156,702.00	Cash In Hand	-
			Bank Of Baroda A/c No.16774	-
GRANT UTILISED FOR FIXED ASSETS			S.B.I.KusumKhera A/c No-31089287064	-
Opening Balance	7,654,388.00		Punjab National Bank-96999	21,392.0
Add: Addition	-	7,654,388.00	Excess Payment for DEC	530.0
CURRENT LIABILITIES			UOU-State Fund	144,288.0
Unutilised Grant		2,404,960.00	UOU-Fee Fund A/c	3,564,098.0
Sundry Creditors & Advance			**Loan & Advances**	
Shyam Bihari Lal		5,660.00	Dr. H.C.Joshi	16,048.0
Indica Publication		179,032.00		
TOTAL		11,400,740.00	TOTAL	11,400,740.0

Notes on Accounts-Annexed

Place : Haldwani

Dated-25-09-2018

As per our report of even date

CA VIJAY KUMAR BANSAL, F.C.A

Partner

Membership No.088

For & On Behalf Of

VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATES

Chartered Accountants

Firm Regn No. : 51065

UTTRANKHAND OPEN UNIVERSITY
TEENPANI, BY-PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR, HALDWANI (NAINITAL)
BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH,2018
(A/C FEE FUND)

LIABLITIES		AMOUNT (Rs.)	ASSETS	AMOUNT (Rs.)
CAPITAL FUND			FIXED ASSETS	
Opening Balance	389,442,437.40		Vehicle A/c	2,127,537.80
			A.C. A/c	76,000.00
Add : Excess of Income			D.G.Set A/c	1,590,182.00
over Expenditure	171,224,161.85	560,666,599.25	UOU Building Construction	14,083,926.00
			CURRENT ASSETS,LOAN &	
VCWF (Dec)		898,112.00	ADVANCES	
VCWF (Fees)		1,373,573.65	Loan & Advances	14,242,360.76
VCWF (State)		5,088.00	(As Per Annexure)	
CURRENT LIABITIES & PROVISION			Sundry Debtors & Advances	996,579.00
TDS Payable		48,256.00		
Cheque Reversal A/c (Unpaid Cheque)		4,510,169.00	FDR AUCB	15,239,345.00
			FDR BOB	17,455,835.00
NPS		453,327.70	FDR Canara	33,177,178.19
GPF/GSLI		103,632.00	FDR BOB Main Branch	25,495,419.00
			FDR-PNB	25,992,232.00
UOU-DEC Fund		3,564,088.00	TDS on FDR	761,965.00
UOU-State Fund		7,043,800.80	Relief Fund	667.00
			Security Money	250,000.00
			PF	7,571.00
			Closing Balance	
			Cash in Hand	26,486.00
			Allahabad Bank A/c 104	39,783.00
			Bank of Baroda A/c-17270	303,543,921.24
			Canara Bank	60,978,064.2[illegible]
			Bank of Baroda A/c-17298	2,217,486.4[illegible]
			SBI 306-17837388 S/B	16,986,415.9[illegible]
			SBI 306 S/B	16,783.60
			ICICI Bank Ltd	45,083,487.9[illegible]
TOTAL		578,443,057.40	TOTAL	578,443,057.4[illegible]

Notes on Accounts-Annexed

Place : Haldwani
Dated-25-09-2018

As per our report of even date
VIJAY KUMAR BANSAL, F.C.A
Partner
Membership No 0883[illegible]
For & On Behalf O[illegible]
VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATE[illegible]
Chartered Accountant[illegible]
Firm Regn. No : 510655

UTTRANKHAND OPEN UNIVERSITY
TEENPANI BY-PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR, HALDWANI (NAINITAL)
BALANCE SHEET AS ON 31ST.MARCH,2018
(A/C STATE GRANT)

LIABILITIES		AMOUNT (Rs.)	ASSETS		AMOUNT (Rs.)
CAPITAL FUND			**FIXED ASSETS**		93,753,515.00
Opening Balance	6,271,915.84		(As Per Schedule-A)		
Add : Excess of Income over Expenditure	908,542.96	7,180,458.80	**CURRENT ASSETS,LOAN & ADVANCES**		
			Security Money		1,000.00
GRANT UTILISED FOR FIXED ASSETS			**Loan & Advances**		
Opening Balance	93,753,515.00		Loan & Advances (Assets)	269,463.00	
			Imprest Money	16,500.00	285,963.00
Add: Addition	-	93,753,515.00			
			Sundry Debtors & Advances		3,452.00
CURRENT LIABILITIES					
Shipee Photographers		12,641.00	UOU-Fee- Fund A/c		7,042,600.80
UOU-DEC Fund A/c		144,286.00	**Closing Balance**		
			Cash in hand		4,370.00
TOTAL		101,090,900.80	TOTAL		101,090,900.80

Notes on Accounts Annexed

Place : Haldwani
Dated 25-09-2018

As per our report of even date

CA VIJAY KUMAR BANSAL, F.C.A.
Partner
Membership No 083363
For & On Behalf Of
VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATES
Chartered Accountants
Firm Regn No. 310655C

UTTRANKHAND OPEN UNIVERSITY
TEENPANI, BY-PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR, HALDWANI (NAINITAL)
RECEIPT & PAYMENT ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH,2018
(A/C DEC GRANT)

RECEIPTS	AMOUNT (Rs.)	PAYMENTS	AMOUNT (Rs
Opening Balance		Appointment of Academic Staff	-
Cash in hand	-	Development of Course Material & Quality Assurance	-
Bank of Baroda-A/c No 16774	289,740.00	Student Support Service	-
S.B.I.KusumKhera A/c No-31089267064	17,502,616.00	Staff Training and Development	-
Punjab National Bank-96999	20,012.00	Technology Support System	-
		Vocational Education and Training skills	-
Interest from Bank	626,807.00	Library	-
		Research and Development	-
Grant from UOU-Fees Fund A/c	4,050,794.00	Bank Charges	921.0
		Grant Return to DEC	5,959,063.0
		UOU-Fee Fund A/c	16,509,193.0
		Closing Balance	
		Cash In Hand	-
		Bank Of Baroda A/c No 16774	-
		S.B.I.KusumKhera A/c No-31089267064	-
		Punjab National Bank-96999	21,392.0
TOTAL	**22,490,569.00**	**TOTAL**	**22,490,569.0**

Notes on Accounts-Annexed

As per our report of even date

Place : Haldwani
Dated-25-09-2018

VIJAY KUMAR BANSAL, F.C.
Part
Membership No.080
For & On Behalf
VIJAY K. BANSAL & ASSOCIAT
Chartered Accounta
Firm Regn. No. : 51065

UTTRANKHAND OPEN UNIVERSITY
TEENPANI, BY-PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR, HALDWANI (NAINITAL)
RECEIPT & PAYMENT A/C FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH,2018
(A/C FEE FUND)

RECEIPTS	AMOUNT (Rs.)	PAYMENTS	AMOUNT (Rs.)
Opening Balance		Advertisements Exp	5,294,087.00
Cash in Hand	266,868.00	Bank Charges	1,266,612.26
Allahabad Bank A/c-104	38,310.00	Books Printing / Study Material	36,791,410.00
Bank of Baroda A/c-17279	199,952,719.18	Telephone & Internet	591,002.00
Bank of Baroda A/c-17651	47,760.00	Exam Exp	28,247,688.61
Bank of Baroda A/c 17298	1,718,817.86	Study Centre Fees Refund	53,235,130.00
SBI 306-17837308 S/B	8,276,979.05	BED Fees Refund	598,504.66
SBI 305 S/B	15,991,850.00	Electricity Exp	812,046.00
ICICI Bank Ltd	40,263,959.26	Insurance & Taxes	1,028,096.00
		Printing Unit Writing & Dev of Course Material	12,187,227.00
Gross Receipt (Fees & Interest/Other Income)	427,913,536.31	Printing of Books	17,083,034.00
		EDUSAT	426,454.00
GPF/GSLI	103,832.00	Office Exp	3,959,334.17
NPS	450,927.70	Office Machinery & Equipment	279,435.00
TDS Payable	-41,068.00	Specialist/PNL/Outsource/ACD Associates	21,287,492.00
VCWE (Fees)	439,660.16	Petrol	809,036.00
		Student Support/Guest/Allowance	1,398,742.00
		Vocational EDU & Training Dev	718,474.00
Cheque Reversal A/c (Unpaid Cheque)	1,892,055.00	Remuneration	1,846,456.00
		Postage & Telephone	657,215.00
Sundry Debtors & Advances	1,324,445.40	Printing & Stationery	393,654.00
		Travelling Allowance	900,757.00
Loan & Advances (Debtors)	15,320,718.04	Vehicle Maintenance	495,774.00
		Salary & Wages	47,557,887.00
UOU State Fund	14,534,574.80	Rent & Taxes	1,341,860.00
UOU DEC Fund	16,509,193.00	Medical Exp	54,002.00
		Legal Exp	86,330.00
		Small Construction work	290,075.00
		Large Construction Work	365,000.00
		Staff Training & Dev	2,833,577.00
		Convocational /Other/Library	2,778,297.00
		Computer/Hardware/Software/Technology/Stationery	1,421,809.64
		UOU DEC Exp	4,816,794.00
		FDR	30,000,000.00
		Accrued Interest on FDR	4,478,436.19
		TDS on FDR	427,462.00
		PF	7,671.00
		Closing Balance	
		Cash in Hand	26,466.00
		Allahabad Bank A/c-104	39,763.00
		Bank of Baroda A/c 17279	306,543,821.24
		Canara Bank	60,978,064.28
		Bank of Baroda A/c 17298	2,217,486.43
		SBI 306-17837308 S/B	10,998,415.69
		SBI 306 S/B	18,763.00
		ICICI Bank Ltd	45,683,487.92
TOTAL	743,094,161.82	TOTAL	743,094,161.82

Notes on Accounts-Annexed

As per our report of even date

CA VIJAY KUMAR BANSAL, F.C.A.
Partner
Membership No.
For & On Behalf Of
VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATES
Chartered Accountants
Firm Regn. No.: 5106

Place : Haldwani
Dated 25-09-2018

UTTRAKHAND OPEN UNIVERSITY
TEENPANI, BY-PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR, HALDWANI (NAINITAL)
RECEIPT & PAYMENT ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH,2018
(A/C STATE GRANT)

RECEIPTS	AMOUNT (Rs.)	PAYMENTS	AMOUNT (Rs.)
Opening Balance		Office Contingencies	24,000.00
Cash in Hand	4,370.00	Salary/Wages	132,567.00
State Bank of India,Hld	12,920,287.84	Travelling Exp.	118,843.00
Cheque in Hand	3,000,000.00	Examination Exp.	1,130,111.00
		Water & Electricity	54,909.00
Grant from State Govt.	50,000,000.00	Postage	53,339.00
Grant from UGC	757,358.00	RUSA	660,907.00
Other Income	7,680.00	Telephone & Telegram Exp.	70,502.00
Interest from Bank	512,960.36	EDUSAT	1,945,725.00
		Administration of Study Centre	5,490.00
Mohan Chandra Pandey	120,000.00	Bank Charges	4,538.40
		CPF Contribution	1,474,507.00
		GPF/GIS & HRA	20,200.00
		NPS	47,724.00
		PF	187,972.00
		TDS Payable	2,000.00
		UOU Fee Fund	61,534,674.80
		Closing Balance	
		Cash In Hand	4,373.00
TOTAL	67,322,634.20	TOTAL	67,322,634.20

Notes on Accounts-Annexed.

Place: Haldwani
Dated-25-09-2018

As per our report of even date
CA VIJAY KUMAR BANSAL, F.C.A.
Partne
Membership No.0883
For & On Behalf O
VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATE
Chartered Accountan
Firm Regn. No.: 5106550

UTTRANKHAND OPEN UNIVERSITY
TEENPANI, BY-PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR, HALDWANI (NAINITAL)
INCOME & EXPENDITURE A/C FOR THE YEAR ENDED 31ST.MARCH,2018
(A/C DEC GRANT)

EXPENDITURE	AMOUNT (Rs.)	INCOME		AMOUNT (Rs.)
Appointment of Academic Staff	-	**Grant received from DEC**		
Development of Course Material & Quality Assurance	-	Opening Balance	3,687,343.00	
Student Support Service	-	Add : Interest from Bank	626,807.00	
Staff Training and Development	-	Add : Grant from UOU Fees Fund	4,050,794.00	
Technology Support System	-		8,364,944.00	
Vocational Education and Training skills	-			
Library	-	Less : Grant Return to DEC	5,959,063.00	
Research and Development	-		2,405,881.00	
Bank Charges	921.00			
		Less : Unutilised Grant	2,404,960.00	921.0
Excess of Income over Expenditure	-			
TOTAL	921.00	TOTAL		921.0

Notes on Accounts-Annexed

As per our report of even date

Place : Haldwani
Dated-25-09-2018

VIJAY KUMAR BANSAL, F.C.A
Partn
Membership No.0883
For & On Behalf O
VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATE
Chartered Accountan
Firm Regn. No. : 51065

UTTRANKHAND OPEN UNIVERSITY
TEENPANI, BY-PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR, HALDWANI (NAINITAL)
INCOME & EXPENDITURE A/C FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH,2018
(A/C FEE FUND)

EXPENDITURE	AMOUNT (Rs.)	INCOME	AMOUNT (Rs.)
Advertisements Exp	5,264,087.00	Gross Receipt (Fees & Interest/Other Income)	427,910,836.31
Bank Charges	1,265,612.26		
Books Printing / Study Material	38,751,410.00		
Telephone & Internet	691,802.00		
Exam Exp	26,247,666.08		
Study Centre Fees Refund	53,235,130.08		
BED Fees Refund	558,504.66		
Electricity Exp.	612,046.00		
Insurance & Taxes	1,028,686.00		
Printing Unit Writing & Dev of Course Material	12,187,227.00		
Printing of Books	17,663,634.00		
EDUSAT	426,454.00		
Office Exp.	3,959,334.17		
Office Machinery & Equipment	276,435.00		
Special/UPNL/Outsource/ACD Associates	26,287,492.00		
Petrol	868,606.00		
Student Support/Guest/Allowance	1,396,742.00		
Vocational EDU & Training Dev	716,474.00		
Remuneration	1,840,456.00		
Postage & Telephone	657,215.00		
Printing & Stationery	263,604.00		
Travelling Allowance	906,757.00		
Vehicle Maintenance	486,774.00		
Salary & Wages	47,557,897.00		
Rent & Taxes	1,341,800.00		
Medical Exp.	54,062.00		
Legal Exp.	68,330.00		
Small Construction work	290,078.00		
Large Construction Work	366,000.00		
Staff Training & Dev	2,933,577.00		
Convocational /Other/Library	2,778,297.00		
Computer Hardware/Software/Technology/Stationery	1,421,809.64		
UOU DEC Exp	4,550,794.00		
Excess of Income over Expenditure	171,224,161.85		
TOTAL	427,910,836.31	TOTAL	427,910,836.31

Notes on Accounts-Annexed

As per our report of even date

SANJAY KUMAR BANSAL, F.C.A.
Partner
Membership No.08836
For & On Behalf Of
VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATES
Chartered Accountants
Firm Regn. No. 51065

Place : Haldwani
Dated 25-09-2018

UTTRANKHAND OPEN UNIVERSITY
TEENPANI, BY-PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR, HALDWANI (NAINITAL)
INCOME & EXPENDITURE A/C FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH,2018
(A/C STATE GRANT)

EXPENDITURE	AMOUNT (Rs.)	INCOME		AMOUNT (Rs.)
Office Contingencies	24,000.00	Grant received from STATE		
Salary/Wages	(32,567.00)	Opening Balance	675,393.00	
Travelling Exp.	116,843.00		-	
Examination Exp.	1,130,111.00	Add : Grant from State Govt.	50,757,358.00	
Water & Electricity	54,900.00		51,432,709.00	
Postage	53,339.00			
RUSA	660,907.00	Less : UOU Fees Fund Return	47,000,000.00	4,432,709.00
Telephone & Telegram Exp.	79,502.00			
EDUSAT	1,945,725.00	Interest from Bank		512,960.38
Administration of Study Centre	5,499.00	Other Income		7,680.00
Bank Charges	4,538.40			
Excess of Income over Expenditure	936,242.98			
TOTAL	4,953,349.38	TOTAL		4,953,349.38

Notes on Accounts Annexed

As per our report of even date

CA VIJAY KUMAR BANSAL, F.C.A.
Partner
Membership No.088360
For & On Behalf Of
VIJAY K. BANSAL & ASSOCIATES
Chartered Accountants
Firm Regn. No. 510655C

Place : Haldwani
Dated:28-09-2018

UTTRAKHAND OPEN UNIVERSITY
TEENPANI, BY PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR, HALDWANI (NAINITAL)

Details of Grant Received during the year ended 31.03.2018

S.No.	Particulars	Opening Balance	Grant Received	TOTAL	Inter-Head Transfer	Grant Utilised	Grant Return to Dec.	Unutilised Grant
1	Appointment Of Academic Staff	-	-	-	-	-	-	-
2	Development Of Course Material & Quality Assurance	-	-	-	-	-	-	-
3	Student Support Service	-	-	-	-	-	-	-
4	Staff Training and Development	-	700,000.00	700,000.00	-	-	700,000.00	-
5	Technology Support System	-	288,523.00	288,523.00	-	-	288,523.00	-
6	Vocational Education and Training [illegible]	1,008,289.00	862,477.00	1,870,766.00	-	-	1,870,766.00	-
7	Library	-	2,100,000.00	2,100,000.00	-	-	2,100,000.00	-
8	Research and Development	78,218.00	-	78,218.00		-	-	78,218.00
	TOTAL	1,084,507.00	4,050,794.00	[illegible]	-	-	[illegible]	78,218.00
9	Bank Charges (Interest)	1,098,155.00	826,507.00	1,725,[illegible]	-	921.00	-	1,725,[illegible]
	TOTAL	3,263,740.00	4,877,301.00	7,761,341.00	-	921.00	5,959,[illegible]	1,801,287.00
10	Open University V.C Conference	960.00	-		-	-	-	960.00
11	Unassigned Grant	602,643.00	-	-	-	-	-	602,643.00
	TOTAL	603,603.00	-	-	-	-	-	603,603.00

UTTRAKHAND OPEN UNIVERSITY
TEENPANI, BY PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR, HALDWANI (NAINITAL)

Details of Fixed Assets during the year ended 31.03.2018

S.No.	Particulars	Opening Balance	Addition	Deletion	Dep.	Closing Balance
1	Furniture & Fixture	71,545.00	-	-	-	71,545.00
2	Computer	2,370,488.00	-	-	-	2,370,488.00
3	Library Books	1,614,620.00	-	-	-	1,614,620.00
4	Electrical Goods	285,913.00	-	-	-	285,913.00
5	[illegible]	3,282,020.00	-	-	-	3,282,020.00
	TOTAL	7,624,386.00	-	-	-	7,624,386.00

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (Fee Fund)

Notes on Accounts
(F/Y 2017-18)

1. Accounts are maintained on cash basis on historical cost convention.

2. Fee receipt is treated as income on receipt basis.

3. Expenses for books purchased for library are treated as revenue expenses.

4. During the year One bank accounts namely, Canara Bank added in books of accounts. Fees for examination and others charges such as Study Material Charges, Prospectus, Provisional Degree Issue Charges etc, are directly deposited by students in these accounts. It is practice of management to pass consolidated entries on monthly basis for fee received in books of accounts.

5. There are advances to staff & others for some assignments/work, but adjustment is pending in these advances, in some cases more than 2 years also. These entries should be adjusted as earlier as possible. It is advised to keep proper tracking of these advances and adjustment thereof.

6. During the year it was decided by management that old entries pending more than 90 days entries for cheque issued but not presented for payment, these entries should be transferred to **cheque issued reversal a/c (Unpaid Cheque)** as liability in Balance Sheet. In future, if fresh payment or cheque is issued, then this account will be adjusted by that payment entry. It is advised that there should be maintained a cheque reversal register in which all entries should be entered with proper care. However, during F.Y. 2017-18 only pending entries up to 31.03.2018 is reversed shown in Balance Sheet as liabilities **cheque issued reversal a/c (Unpaid Cheque)** Rs. 4516169.00

UTTRANKHAND OPEN UNIVERSITY
TEENPANI, BY-PASS ROAD, TRANSPORT NAGAR, HALDWANI (NAINITAL)

Detail for Fixed Assets as on 31.03.2018 (Schedule-A)

Particulars	Opening Balance	Addition	Closing Balance
Computer A/c	1,772,407.00	-	1,772,407.00
Furniture & Fixture	1,488,183.00	-	1,488,183.00
Electrical Goods	586,657.00	-	586,657.00
Vehicle A/c	2,031,279.00	-	2,031,279.00
Photocopy Machine	124,800.00	-	124,800.00
Books A/c	307,349.00	-	307,349.00
Land	12,270,840.00	-	12,270,840.00
Building Under Construction	67,434,000.00	-	67,434,000.00
Construction of B/Wall	7,418,000.00	-	7,418,000.00
OMR Machine	320,000.00	-	320,000.00
TOTAL	93,753,515.00	-	93,753,515.00

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (DEC Grant)
Notes on Accounts
(F/Y 2017-18)

1. Accounts are maintained on cash basis on historical cost convention.

2. Grant received is considered to revenue to the extent it is utilized for revenue expenditure during the financial year, the balance is shown unutilized in the Balance Sheet

3. Grant utilized for purchase of fixed assets has been shown under Reserve & Surplus as Grant utilized for fixed assets transferred/appropriated from Grant Received.

4. Depreciation on fixed assets has not been charged.

5. Interest received on DEC Grant bank deposits is considered as university grant during current year in the absence of specific directions.

6. Expenses for books purchased for library are treated as revenue expenses

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (A/c State-Grant)

Notes on Accounts
(F/Y 2017-18)

1. Accounts are maintained on cash basis on historical cost convention.

2. Grant received is considered to revenue to the extent it is utilized for revenue expenditure during the financial year, the balance is shown unutilized in the Balance Sheet.

3. Grant utilized for purchase of fixed assets has been shown under Reserve & Surplus as Grant utilized for fixed assets transferred/appropriated from Grant Received.

4. Depreciation on fixed assets has not been charged.

5. Grant is received against different heads of expenditure. Excess expenditure over and above the specific head of sanction adjusted inter-head by the management.

6. Expenses for books purchased for library are treated as revenue expenses.

Appendix XV (परिशिष्ट –XV)

क्षेत्रीय केन्द्रों की सूची (List of Regional Centres)

S. No	Regional Centre	Code	Regional Director	Address	Contact No.	E-mail
1	Dehradun	11	Dr. Sandeep Negi	Sri Guru Ram Rai Post Graduate College (SGRR PG College), Patthribagh, Dehradun, India, Dehradun, Uttarakhand 248001	9412031183 0135-2720027	dehradun@uou.ac.in
2	Roorkee	12	Dr. Rajesh Chandra Paliwal	B.S.M. P.G. COLLEGE, Railway Road,Roorkee-247667 Disst.Haridwar(Uttarakhand)	919412439436 01332-274365	roorkee@uou.ac.in
3	Pauri	14	Dr. A.K Dobriyal	H.N.B.Garhwal Central University, Pauri Campus, City - Pauri,PIN – 246001	9412960687 01368-223308	pauri@uou.ac.in
4	Uttarkashi	15	Dr. Sursh Chandra	Ram Chandra Uniyal Government Post Graduate College, Uttarkashi Tehsil- Bhatwari Uttarkashi - 249193	01374-222004 9557557880 9911708741	uttarkashi@uou.ac.in
5	Haldwani	16	Dr. Rashmi Pant	Motiram Baburam Govt. Post Graduate College Nainital Road, Haldwani - 263139	9411162527 05946-284149	haldwani@uou.ac.in
6	Ranikhet	17	Dr. Yogendra Chandra Singh	Government (PG) College Ranikhet, District Almora – 263647,	05966-220474 9997272828	ranikhet@uou.ac.in
7	Pithoragarh	18	Dr. Bipin Chandra Joshi	L.S.M. Government PG College, Pithoragarh, PIN – 264015	9412093678 05964-264015	pithoragarh@uou.ac.in
8	Bageshwar	19	Dr. B.C Tiwari	Government PG College, Tehsil & Distt. - Bageshwar, PIN – 263642 (Uttarakhand)	9412044914 05963-221894	bageshwar@uou.ac.in

Appendix XVI(परिशिष्ट –XVI)

अध्ययन केंद्रों की सूची(List of Study Centres)

Region: Dehradun (11)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	11000	UOU Model Study Centre Dehradun Campus	C-27, THDC Colony, Ajabpur kalan, Near Bangali kothi chowk, Doon University Road, Dehradun	Mr. Narendra Jaguri
2.	11004	Vision & Beyond Institute	Govind Garh Road, Idgah, Near Yamuna Colony, Tehsil & Distt. - Dehradun PIN – 248001 (Uttarakhand)	Mr. Sanchit Gupta
3.	11005	Nav Chetna College of Teacher's Education	Near Balasundari Mandir, Vill & PO Manduwala, Dehradun	Mr.Akshay Agarwal
4.	11017	Uttaranchal Ayurvedic College	17, Old Mussorie Road, Rajpur, City & Distt. - Dehradun PIN – 248009 (Uttarakhand)	Dr. Akshay Kumar Gaur
5.	11018	Amazon Institute Of Hotel Tourism & Management	Sahastradhara Road, Near Aasha Ram Bapu Ashram, Dehradun,PIN – 248001	Smt. Sheela Sharma
6.	11020	SGRR PG college, Pathribagh	Pathribagh, City & Distt. – Dehradun, PIN – 248001 (Uttarkhand)	Dr. Harshvardhan Pant
7.	11021	Doon Shikshan Sansthan	Career House, Behind Kamla Palace Hotel, GMS Road, Dehradun,PIN – 248001	Mr. Sunil Rana
8.	11024	Netcom Computers	Netcom Computers, Near Mandi Gate Vikasnagar, Post – Vikasnagar, PIN – 248198 (Uttarakhand)	Sh. Kamal Singh Negi
9.	11026	Institute of Hospitality Management (IHM)	Rishikesh – Haridwar Road Prem Vihar Shyampur, P.O. Satyanarayan Mandir, City – Rishikesh, , PIN – 249204 (Uttarakhand)	Mr. Sant Ram
10.	11034	The Renaissance institute of management and technology	Badripur Near nine palm, Jogiwala City – Dehradun, PIN – 248001 (Uttarakhand)	Mr. Mitesh Semwal
11.	11037	Universal Institute of Hotel Management	156/1, A- Block, Nehru colony, City – Dehradun Distt. – Dehradun PIN – 248001 (Uttarakhand)	Mr. Ujjawal Dhingra
12.	11039	Cogent College Of Advanced Studies	219, Indira Nagar Colony, Seemadwar Road,	Ms. Romika Joshi

			City & Distt. - Dehradun PIN – 248001 (Uttarakhand)	
13.	11041	Doon Vedic Shiksha Samiti	Near Civil Court, Haripur – Dhakrani, PO Herbertpur, City & Distt. – Dehradun, PIN – 248142 (Uttarakhand)	Mr. Surendra Singh
14.	11053	Science	105/1, Vijay Colony, Phase II, New Cantt Road, City & Distt. – Dehradun,	Mr. Prabir De
15.	11056	Gangotri Vidya Niketan	Suman Vihar, Bapugram, Rishikesh, Distt. – Dehradun	Mr. P.K. Malasi
16.	11061	Janki Devi Educational Welfare Society (JDEWS)	74/35, Rajpur Road, Opposite Madhuban Hotel, City & Distt. – Dehradun, PIN – 248001 (Uttarakhand)	Ms. Monika Sharma
17.	11062	Nalanda Shikshan Sanstha	Vill. - Khadri, Shyampur, PO-Satyanarayan Mandir, City - Rishikesh, PIN – 249204 (Uttarakhand)	Mr. Mahavir Prasad Upadhyay
18.	11063	Advance Food Craft Institute	Amit Gram, PO - Gumaniwala, City – Rishikesh, Distt. – Dehradun, PIN – 249204 (Uttarakhand)	Mr. Satyaprakash Kupruwan
19.	11064	Asset Info Tech Ltd	1st Floor, 93 Subhash Road, Near Gurudwara& Heritage School Chowk, City - Dehradun, PIN – 248001 (Uttarakhand)	Mrs. Divya Mittal
20.	11065	Akshat Foundation	G2, Nehru Colony, Haridwar road, Dehradun, PIN – 248001 (Uttarakhand)	Mr. Chandramauli Dhaundiyal
21.	11070	Global Computer Institute	Near Bypass Bridge, City – Sahiya, Dehradun Pin – 248196	श्रीअनिलसिंहतोमर
22.	11071	Doon Advance Technical Academy	1st Floor Prabhakar Market, Tilak Road, Rishikesh, PIN – 249201 (Uttarakhand)	Mr. Krishan Kumar Tyagi
23.	11073	Institute of Career Studies	B-146, Nehru Colony, City & Distt. - Dehradun, PIN – 248001 (Uttarakhand)	Ms. Rakhi
24.	11074	Korbet Institute of Hotel Management	Wing-3, Prem Nagar, Dehradun PIN – 248007	Ms. Kamayani Kandari
25.	11075	Academy of Computer & Management Training	Railway Road, Near Kothari Medical Hall, City - Rishikesh, Distt. – Dehradun PIN – 249201 (Uttarakhand)	Ms. Jyoti Badhani,
26.	11080	American Institute of Hotel Management	Hotel Gaurav Palace, Baurari, New Tehri, Distt. - Tehri Garhwal,	Ms. Susma Kothiyal

			PIN -249001 (Uttarakhand)	
27.	11084	NRS Softech (Pvt.) Ltd.	21, Sewak Ashram Road, Near DBS (PG) College, City – Dehradun, PIN – 248001 (Uttarakhand)	Mr. Rajesh Sharma
28.	11088	HIMALAYAN EDUCATION CENTRE	131 D.L ROAD, City –DEHRADUN, Distt. – Dehradun, PIN – 248001 (Uttarakhnad)	Mr. Lekhraj
29.	11094	Social Awareness Natural Development & Educational Society	Kanharwala, near - Bhaniyawala Tiraha, Town – Doiwala, Distt. – Dehradun PIN – 248140 (Uttarakhand)	Mr. Dinesh Prasad
30.	11096	Himadri Institute of Computer Education	Tarun Vihar, Mothrawala Road, Post – Banjarawala, Ajabpur kalan, City & Distt. – Dehradun,	Ms. Himani Nautiyal
31.	11099	S.B. College of Open Study	S.B.College of Education Bypass Road, Vikas Nagar, City & Distt. – Dehradun PIN – 248198 (Uttarakhand)	Mr. Aman Kumar Sharma
32.	11101	Madhuban Academy of Hospitality Administration & Research (MAHAR)	MAHAR-97, Campus Hotel Madhuban, Rajpur Road, Dehradun, PIN – 248001 (Uttarakhand)	Mr. Suraj Kumar
33.	11102	SMTA Institute of Academic Excellence	Samta Niketan, 27th Km Chakrata-Lakhamandal Road, Post Office – Mindal Via Chakrata, Distt. – Dehradun, PIN - 248123 (Uttarakhand)	Mr. Sanjeev John
34.	11104	Sanjivani Vidhyapith	Vill. & P.O. - Harbatpur Tehsil – Vikasnagar, Distt.- Dehradun, PIN - 248142 (Uttarakhand)	Ms. Arti Chabra
35.	11106	Fusion Institute of Hotel Management	Haridwar By-pass Road, Opposite Akashwani Bhawan, City & Distt. – Dehradun, PIN – 248 001 (Uttarakhand)	Mr. Deepika Sajwan
36.	11107	Maheshanand Bahuguna College	Majra, P.O.- Majra, Dehradun-248171	Mrs Chhaya Juyal
37.	11108	CIAT (Computer Institute of Accounting & Technology)	Vill. - Babugarh, Tehsil & City - Vikasnagar Distt. – Dehradun PIN -248198	Mr. Jitendra Singh Negi
38.	11109	International Maritime and Global Educational Academy (IMAGE)	Village & P.O.- Pondha, Premnagar, Dehradun	Mr. Ravi Shankar Juyal
39.	11110	Mohit Computer Education	65, Chakrata Road, Yamuna Colony,	Ms. Farhat Sultana

			City & Distt. – Dehradun, PIN - 248001 (Uttarakhand)	
40.	11111	Fortune Aviation Academy, Dehradun	Thakur Niwas, Near Diya Properties, Behind Hill Grove School, Village - Jhajhra, Post Office - Sudhowala, Tehsil & Distt. - Dehradun,	Mr. Jitendra Chauhan
41.	11112	VSKC Govt. Degree College, Dakpather DEHRADUN	Govt. Degree College, Dakpatthar, City – Dehradun, Distt. – Dehradun, PIN – 222481 (Uttarakhand)	Dr. Anita Tomar
42.	11113	UTTARANCHAL INSTITUTE OF HOSPITALITY MANAGEMENT AND TOURISM DEHRADUN	Ghar Vihar Phase 2, Mohakampur, City & Distt. Dehradun, PIN – 248 005 (Uttarakhand)	Sh. Sanjay Joshi
43.	11114	RURAL STUDY CENTRE DEHRADUN	Nagagher, City – Rani Pokhari, Distt. – Dehradun, PIN – 248145 (Uttarakhand)	Mr. Shishir Anand Bourai
44.	11115	D.D. College	25, NIMBUWALA City & Distt. – Dehradun, PIN – 248 003 (Dehradun)	Sh. K.C. Joshi
45.	11117	RISHI BHOOMI SKILL DEVLOMENT CENTRE	BHOTTOWALA ROAD, GUMANIWALA, City - RISHIKESH, Distt. – Dehradun, PIN – 249204 (Uttarakhand)	Ms. Ranjana Raturi
46.	11118	THE BAJAJ INSTITUTE OF LEARNING & VOCATIONL TRANING	Dehradun, PO – Rajpur, Tehsil – Dehradun, Distt. – Dehradun, PIN – 248001 (Uttarakhand)	Mrs. Anjali Agrawal
47.	11119	CHITRANCHAL KALYAN SAMITY	215/1, KALIDAS ROAD, HATHI BARKALA, DEHRADUN – 248001 (Uttarakhand)	Ms. Neha Kochgaway
48.	11120	Munishabha sewa sadan evam punarwas sansthan	Garhi Maychak Shyampur, City – Rishikesh,	Sh. Rajeshwar Uniyal

			Distt. – Dehradun, PIN – 249 204 (Uttarakhand)	
49.	11121	LAV KUSH MUKBADHIR EVAM MANDBUDHI VIDHYALAY	PREM VIHAR CHOK, HARIPUR KALAN, VIA RAIWALA , Dehradun, Pin 249 505 (Uttarakhand)	Sh. Mahipal Shastri
50.	11122	MALTIPAL DISAVILITY REHABILITATION SOCIETY	H.N -35, CROSS 2 B, Tapovan Enclave, City – Dehradun, Distt. – Dehradun, PIN – 248001 (Uttarakhand)	Sh. Vijay Raturi
51.	11123	DEV COLLEGE OF EDUCATION	VILL-LODHIWALA PO- CHUTMALPUR Distt. – HARIDWAR	Sh. Mohit Singh
52.	11124	INSTITUTE OF DISTANCE LEARNING	Dehradun, Kargi Chowk, P.O. Kargi Chowk, Tehsil – Dehradun, Distt. – Dehradun,	Ms. Garima Bisht
53.	11125	Pandit Lalit Mohan Sharma Govt. P.G. College, Rishikesh	Pandit Lalit Mohan Sharma Govt. P.G. College, Rishikesh Distt. – Dehradun Pin Code – 249201	Dr. V.N. Gupta
54.	11126	M.P.G. College Mussoorie	M.P.G. College Mussoorie Distt. – Dehradun Pin Code – 248179	Dr. V.P. Joshi
55.	11127	Universal Institute of Professional Studies, Rishikesh	Universal Institute of Professional Studies, 102, Taj Complex, Ambedkar Chowk, Rishikesh	Sachin Painuly
56.	11128	Govt. Degree College, Raipur	...	...
57.	12036	Omkarananda Institute of Management & Technology	Swami Omkaranand Saraswati Marg, Muni ki Reti, Via – Rishikesh, P.O. - Shivananda Nagar City – Rishikesh,	Mr. Naveen Dwivedi

Region: Roorkee (12)

S. No.	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	12001	Divya Prem Sewa Mission	Shri Sai Complex, 2nd floor, Near HDFC Bank, Old Ranipur More, Haridwar – 249407	Ms. Neha Sukhija
2.	12002	HEC PG College	Kanya Gurukul Campus, Near Chhoti Nehar, Kankhal, Haridwar,	Mr. Tara Singh
3.	12004	Swami Darshnananda Institute of Management & Technology (SDIMT)	Gurukul Mahavidhyalay, Jwalapur, Haridwar-249404 (Uttarakhand)	Km Jai Laxmi
4.	12005	Maharishi dayanand Institute of Management &Technology	Vill. & Post - Dhanauri, Roorkee, Distt. Haridwar, PIN – 247667 (Uttarakhand)	Mr. Ashwani Kumar
5.	12008	BSM PG College	B.S.M.P.G. COLLEGE, ROORKEE City – Roorkee,	Dr. V.P Gautam
6.	12009	SP Institute of Combined Education	Yoganand Shishu Mandir, Yoganand Vihar, Old Railway Road, Purva Dindayan, City - Roorkee,	Mr. Brajesh Gupta
7.	12010	Jamia Islahul Bannat	Mohalla - Toli City - Manglour, Distt. - Haridwar, PIN – 247656	Mr. Qari Naseem Ahmad Manglouri
8.	12011	RMP PG College	Vill. & Post – Gurukul Narsan City – Roorkee, Distt. – Haridwar,	Dr. Sarvendra Singh
9.	12012	Chamanlal Educational Society	Chaman Lal Degree College Landhaura, City – Roorkee, Distt. – Haridwar,	Mr. Atul Harit
10.	12015	Gyandeep Balniketan	Shivpuram - Subhash Nagar, Paniyala Road, Roorkee – 246776,	Mr. Vasu Dev Pant
11.	12020	Vidhya Vikasini College	Vill & Post – Gurukul Narsan, City – Roorkee,	Ms. Pooja Shree
12.	12022	City College Of Management & Technology	Mohlla, Sot Roorkee, City Roorkee, Distt. – Haridwar, PIN – 247667	Mr. Shubhdeep Verma
13.	12023	Rahamania Study Centre	Main Market, Bhagwanpur, City - Roorkee, Distt. – Haridwar	Dr. Sumbul Azam
14.	12027	Nand Kishor Jakhmola	Hiltron Calc, Gangadutt Joshi Marg, Behind P.N.B., City - Kotdwar, Distt. – Pauri,	Dr. N.K Jakhmola
15.	12029	World Academy of Traditional Medical Science	Opp. Taxi Stand Swargashram/ Parmarth Niketan, City – Swargashram – Jaunk, Distt. Pauri Garhwal,	Dr.Vikas Suryavanshi
16.	12032	Kripal Kanya college	Vill. - Rawli Mehdood, Bahadrabad, City – Haridwar, Distt. – Haridwar	Mr. Arvind Sharma
17.	12034	KNIMT (Kunti Naman Institute of Management & Technology)	NH-58, Near Patanjali Yogpeeth Phase –II, Bhadedi, Rajputan, City – Roorkee,	Mr. Narendra Kumar
18.	12037	Babu Ram Degree College, Roorkee	7 K.M. Milestone, Roorkee Dehradun Highway, Saliyar, Roorkee,	Sh. Yogesh Kumar

19.	12040	SMT Computer Institute	Bal Yogeshwar Dham, S.R.B. Jodhamal Road, Near Birla Ghat, Hardwar – 249 401 (Uttarakhand)	Mr. Anurag Goel
20.	12042	Government P.G College Kotdwar Kotdwar, Garhwal	Government Post Graduate College, City - Kotdwar, District - Garhwal PIN - 246149	Dr.A.N.Singh
21.	12043	M.S. Educational Institute	Vill - Chhangamajri, P.O.- Hallumazra, Distt.-Haridwar, PIN- 247661	Dr. Naveen Kumar
22.	12044	Shri Ram Educational Institute	Village & PO- Libberheri, Tehsil – Roorkee, Distt. Haridwar,	Mr. Bharat Sharma
23.	12045	Varnika Lalyan group of Educational Institute	Vill.- Haddipur Grant P.O.– Sohalpur, Distt.- Haridwar, City – Roorkee,	Ms. Sangeeta Devi
24.	12046	ABS Academy of Higher Education	Vill & PO Bahadurpur Jatt, City & Distt. - Haridwar, PIN – 249 405	Mr. Dharmendra Singh Chauhan
25.	12047	Roorkee Industrial Training Institute	Chudiyala Road, Bhagwanpur, City – Roorkee, Distt. – Haridwar,	Mr. Amit Kumar
26.	12051	S.K. Infotech	J-142, Shiwalik Nagar, BHEL, Ranipur, City – Haridwar, Distt. – Haridwar,	Dr. Vikram Kapoor
27.	12052	Uttaranchal Degree College	Vill. Sultanpur Kunhari, P.O. – Laksar, City – Haridwar, Distt. – Haridwar,	Mr. Sunil Saini
28.	12058	SHRI SAI INFOTECH	Jamuna Talkies Lane Haridwar, City – Haridwar, Distt. – Haridwar,	Ms. Sristhi Chaddha
29.	12060	Damini Arya Vedic Ch. Pvt School Samiti	Vill & PO Imli Khera, City - Roorkee, Distt. – Haridwar,	Mr. Virendra Kumar Arya
30.	12061	Mohini Devi Institute of Management & Technology	Iqbalpur Road, Asaf Nagar (Near Shastri Puram),City - Roorkee, Distt. - Haridwar PI– 247667 (Uttarakhand)	Ms. Maneesha Singhal
31.	12062	Naveen Pvt. ITI Study Centre	Nath Nagar,Jwalapur, City – Haridwar, PIN – 249407	Ms. Rizu Gupta
32.	12066	Dev Bhoomi Institute of Advance Studies	Vill. +P.O.- Shahpur, Sheetla Khera, City – Haridwar,	Mr. Narender Singh
33.				
	12069	Devbhoomi Siksha evam Gram Vikas Samiti	Vill.- Telpura, Post- Biharigarh, City – Haridwar, Distt.- Haridwar	Mr. Anil Kumar
34.	12070	Samrat Prithvi Raj Chauhan PG College	Rahalki Kishanpur, City – Haridwar, Distt. – Haridwar,	Dr. P.L. Chauhan
35.	12071	RCP's (PG) College of Allied Sciences	Campus - 09 Milestones, Roorkee-Dehradun Highway, Village- Kishanpur, Post Box No.- 104, Roorkee- 247667,	Dr. Vishwas Chand
36.	12072	Pilot Baba Institute	Dakash road Kankhal Jagjitpur City - Kankhal, Distt. – Haridwar PIN – 249408	Mr. Satya Vir Singh
37.	12073	Kanya Pathshala College	Kanya Pathshala Inter College Ganeshpur, City - Roorkee,	Mr. Satyender Kumar

38.	12074	Central Institute of Open Studies	7-Kms Rke-DDn Highway, NH-73, Gram – Karondi, Post – Bhagwanpur, City & Tehsil – Roorkee, District – Haridwar,	Ms. Srishti Goyal
39.	12075	college of special education	College of Special Education, Green Field Academy Campus NH-58, Gurukul Narsan, City – Roorkee,	Ms. Savita Singh
40.	12076	Mahendra Singh Degree, Budhwashahid Haridwar	Budhwa Shahid, Post. Buggawala, Distt. Haridwar Pin – 247662	Dr. Roma
41.	12077	Rajkamal Science and Management college, Roorkee	NH 58 Roorkee Road Bahadrabad Distt. Haridwar Pin – 249402	Dr. R.P. Singh

Region: Pauri (14)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	14001	Swami Vivekanand Vidhya Mandir Veleshwar	Swami Vivekanand Vidya Mandir Beleshwar, P.O.-Siliyara, Tehsil – Ghansali, Distt. Tehri Garhwal,	Mr. Govind Singh Rawat
2.	14002	Dudhatoli Takniki Mahavidhyalaya, Tripalisain	Tirpalisain, P.O.- Bageli, City – Pauri, Distt. - Pauri Garhwal, PIN – 246130	Mr. Bhagat Ram Bhatt
3.	14005	Government PG College, Jaiharikhal	Govt. P.G. College Lansdowne (Jaiharikhal) Garhwal, – Jaiharikhal PIN – 246193	Dr. Vijay Kumar Agarwal,
4.	14008	Kargil Shaheed Dharam Singh College	Vill. &PO Kaljikhal, City & Distt. - Pauri Garhwal, PIN – 246113	Mr. Sravan Kumar Singh
5.	14009	H.N.B. Garhwal Central Univ. Campus Pauri	H.N.B. Garhwal Central University Campus Pauri,City – Pauri,	Prof. M.S. Bisht
6.	14012	Jayveer Memorial Satya Mahavidhyalaya	Vill. &PO Daangi, Nailchami, Vikas Khand Bhilangna, Tehsil – Ghansali, Distt. Tehri Garhwal	Mr. Kanak Pal Singh Bangari
7.	14013	J.I.C. Takolikhal	Janta Inter College Takolikhal, Post – Takolikhal, Block- Rikhanikhal, Distt.- Pauri Garhwal	Sh. Kuldeep Singh Chauhan
8.	14017	INTERFACE ACADEMY	Interface Academy, Near University Gate, Ist Floor, New Padiyar Complex, City - Srinagar (Garhwal)	Mr. Ajeet Negi
9.	14018	Government PG College, Agastyamuni	Govt. P.G. College, City - Agastyamuni, Distt. – Rudraprayag, PIN - 246421(Uttarakhand)	Dr. D.S.Chauhan
10.	14021	Valley Vision Research Institute	Valley Vision Research Institute, Gurudwara Road, Near Hanuman Mandir, Srinagar Garhwal,	Dr. Rajesh Bhatt
11.	14023	MRC Academy	Vill. - Sumari, P.O. - Tilwara, City – Tilwara, Distt-Rudraprayag	Mr. Prateek Saklani

12.	14034	Paraaj Samajik Sansthan	Srinagar Road, City - Pauri, Distt. – Pauri Garhwal,	Dr. B.P Balodi
13.	14036	Himalayan Environmental College of Management & Technology	Place - Agstyamuni, Post – Agstyamuni, City - Agstyamuni, Distt. – Rudraprayag,	Mr. Rajendra Singh Negi
14.	14037	Jayanand Bhartiya J.H.S Panchpuri	Jaynand Bhartiya J.H.S. Panchpuri (Baijrao), P.O.- Baijrao, City – Pauri Distt.- Pauri Garhwal	Mr. Sushil Chandra
15.	14038	Deviokhal Shiksha Kendra	Siksha Kendra Devonkhal Maidani, PO- Dabri, City – Lansdown, Distt. – Pauri Garhwal,	Mr. B.S Bisht
16.	14041	Grace Institute of Hotel Management	Banghat Road, Satpuli Bazar, Satpuli Pauri Garhwal,	Mr. Manish Khugshal
17.	14045	Maitri Institute of Management and Study	'RISHIVAN', Malelgoan, Post- Diuli (Kothar) City - Swargashram (Pauri Garhwal)	Mr. Rishi Kumar
18.	14046	Govt. Degree College Chandrabadni	P.O. Jamnikhal, Tehri Garhwal (Naikhari) Pin - 249112	Dr. Pratap Singh Bisht
19.	14047	Govt. Degree College Nagnath Pokhari	Government Post Graduate College Nagnath Pokhari, Chamoli, Uttarakhand	Dr. Sanjiv Kumar Juyal
20.	14048	Than Singh Rawat Govt Degree College , Nainodanda Patotia	Than Singh Rawat Govt Degree College , Nainodanda Patotia District – Pauri Garhwal Pin Code – 246277	Dr. Vivek Kumar Kediya
21.	17044	Devaki Nandan Siksha evam Grameen Vikas Samiti	Simli, P.O. – Simli (Karnprayag) Distt.- Chamoli,	Mr. Girish Chandra Thapliyal

Region: Uttarkashi (15)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	15001	Info International	Info International, Near SBI, Kapoor gali, City - Uttarkashi PIN- 249193	Mr. Ana7nd Butola
2.	15002	Birja Gramin Jan Vikas Siksha Sanshthan	Birja Gramin Jan Vikas Siksha Sansthan, City – Chinyalisour, Distt. - Uttarkashi	Mr. Shankar Dutt Ghildiyal
3.	15006	Subhash College, Thauldhar	Subhash Inter College Thauldhar, PO & City - Thauldhar (Udaipur), Distt.- Tehri Garhwal ,	Mr. P.N Saklani
4.	15008	AICE, Gramin Kshetra Vikash Samiti	Gramin Kshetra Vikas Samiti Radas, City – Ranichauri Tehri Garhwal	Mr. Sushil Bahuguna
5.	15009	Govt College, Kharadi	PO-Bhansari Tehsil - Barkot,City – Kharadi Distt-Uttarakashi	Mr. Trilok Singh Rana
6.	15011	Annpurna Food Craft Institute (AFCI)	AFCI HM College Chamba,Near Sri Dev Suman Inter College , Chamba, Tehri Garhwal Pin Code- 249145	Sh. Bharat Bhushan Singh Rawat, Mr. Vinod Kumar Kuliyal
7.	15014	Matrichhaya Parvatiya Vikas Samiti	Matrichhaya Parvatiya Vikas Samiti Gaja, PO - Gaja, Patti Dharakriyan, City – Gaja Tehri Garhwal,	Mr. Arvind Uniyal
8.	15015	Government College	Govt. College Arakot, Post – Arakot,	Mr. Naresh Rawat

			Block- Mori, City – Arakot, Distt. - Uttarkashi	
9.	15016	RCU Govt. PG College	RCU Govt. P.G. College Uttarkashi, Near Azad Maidan/ Police Kotwali, City –Uttarkashi,	Dr. R.S.Rawat
10.	15017	Bhagirathi Uchhatar Govt. College	Vill. – Kandi Saur PO- Chham Thauldhar, City – Sandi Saur, Distt - Tehri Garhwal	Mr. Jayendra Singh Bhandari
11.	15018	Baliram Maanav Sewa Ashram	Uniyal Bhawan, Court Road, Tehsil- bhatwari, City &Distt.- Uttarkashi,	Mr. Rajeev Nautiyal
12.	15019	Info International	Ward No. 06, ITI Road, Barkot, Shah Bhawan, Nagarpalika Parishad Barkot, City - Barkot, Distt- Uttarkashi,	Mr. Shobhendra Singh Rana
13.	15020	Garhwal Vikas Kendra	Sumankyari (Nainbagh), P.O.- Suman Kyari, Tehsil - Nainbagh, Distt. - Tehri Garhwal	Mr. Parendar Saklani
14.	15021	Trihari Institute of Management Education	189, Sector – 13A, Near Satyeshwar Mahadev Mandir, Dhungidhar Road, Baurari, City - New Tehri, Distt. – Tehri Garhwal	Sh. Ompal Singh
15.	15023	Gramin Mahila Swasthya Chetna evam swarojgar vikas samiti	C/o KCS Kumola Road, Purola, Tehsil – Purola, Distt. – Uttarkashi,	Mr. Kuldeep Arya
16.	15024	P.S.B. Govt. Degree College Lambgaon	Lambgaon, P.O. – Lambgaon, Tehsil - Pratapnagar, Distt.- Tehri Garhwal	Dr. Sharma
17.	15025	NEW HOLY LIFE Academy, BADKOT	Badkot Nagarpalika Ward No. 7, P.O. – Badkot, Tehsil – Badkot, Distt. – Uttarkashi,	SMT. PRIYANKA DABRAAL
18.	15026	RADHA KRISHNA SEWA EVAM VIKAS SAMITI, TEHRI GARHWAL	Vill. – Baur, P.O. – Jaulangi, Tehsil – Tehri, Distt. – Tehri Garhwal, PIN – 249130	Sh. Vikram Singh Gusain
19.	15027	Rajendra Singh Rawat Govt. Degree College Barkot	Rajendra Singh Rawat Govt. Degree College Barkot Distt- Uttarkashi Pincode- 249193	Dr Vijay Bahuguna

Region: Haldwani (16)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	16000	UOU Model Study Centre	UTTARAKHAND OPEN UNIVERISYT, HQ, University Road, Behind Transport Nagar Haldwani-263 139,	Dr. Gagan Singh
2.	16001	Unity Law college	Kashipur Road, Opposite Prem Ashram, Jaffarpur, City – Rudrapur Distt. – Udham Singh Nagar,	Dr. U.C. Joshi
3.	16002	Late Ratikant Biswas Memorial	Vill. - Pipliya No 1, P.O. - Premnagar, Tehsil - Gadarpur, Distt. – Udham Singh Nagar	Mr. Omiyo Kumar
4.	16003	Amrapali Institute of Applied Sciences	Shiksha Nagar, Lamachaur, City – Haldwani Distt. – Nainital, PIN – 263139	Mr. Pankaj Pandey
5.	16005	Vision Institute of Management & Technology	Prem nagar, Behind AXIS Bank City –Bajpur Distt. – Udham Singh Nagar	Mr. Dhrm Veer Sarna
6.	16011	The Indian Institute of Management & Technology, Nurturing Tomorrow	The IIMT, Near – Gas Godown Chauraha, Kaladhungi Road, City – Haldwani, Distt. – Nainital,	Ms. Soni Arya
7.	16013	CEFA Institute of Mangement & Technology	Behind Shivpuri Colony, Haripur Bachchi, Halduchaur, City – Lalkuan, Distt. – Nainital	Sh. Kailash Chandra Tewari
8.	16014	Bhagwati Swaroop Educational Welfare Society	Greenwood public school, City - Sitarganj, Distt. - U.S Nagar, PIN – 262405	Mr. Jeewan Singh
9.	16015	Aditya Yoga - Naturopathy Hospital and Research Institute	Aditya Sewa Sansthan, Narayni Niwas, Kankhal, Hardwar, Kichha - 263148 Distt. U.S. Nagar	Dr. D.N. Sharma
10.	16017	Royal College of Tourism & Hotel Management	Sheetlapuri, Vill.- Ranibagh, PO – Kathgodam, Tehsil – Nainital, Distt. – Nainital,	Mr. Lalit Pande
11.	16022	PNG Government PG College	PNGP PG College Ramnagar, City – Ramnagar, Distt. – Nainital,	Dr. Vikas Dubey
12.	16023	S.B.S Government P.G College	Fazalpur Mahraula, Rampur Road, City – Rudrapur, Distt. - U.S Nagar,	Dr. Y.K Sharma
13.	16026	Centre of Technical Excellence (Smart Skill)	Amravati Colony, phase 2,Talli Bamori, City – Haldwani, Distt. – Nainital,	Mr. Girja Shankar Pant
14.	16034	M.B.P.G College	Motiram Baburam Govt. Post Graduate College Nainital Road, Haldwani (Nainital)	Dr. Rashmi Pant
15.	16038	Gandhi Smarak Prakatik Chikitsa Samiti	Near – Hanumaan Mandir, R.T.O. Road, Haripur Nayak, Kusumkhera, City – Haldwani,	Mr. Aditya Swaroop Bharadwaj
16.	16041	Mukti Nivesh Sahbhagi Vikas Evam Siksha Samiti	Green Wood Public School, KHANSUYN(खनस्यूँ)	Mr.Naveen Chandra Paneru

			Block – OKHALKANDA Distt.- NAINITAL	
17.	16042	Janlax Welfare Society	JanLax Education, JanLax Marg Adarash Nagar, Mukhani, City – Haldwani	Mr. Sanjay Kumar Joshi
18.	16043	Shiksha Bhartiya College	Near Govt. Degree College, Khatima, Distt. - U.S.Nagar	Mr. H.K.Pandey
19.	16047	Renaissance College of Hotel Management & Catering Techonology	Vill. - Basai, PO- Peerumadara, City – Ramnagar, Distt. – Nainital, PIN - 244715	Mr. Sunil Kumar
20.	16052	Government Degree College Kashipur	Kashipur, P.O. – Kashipur, Tehsil – Kashipur, Distt. - U.S Nagar	Dr. Vinod Kumar
21.	16057	Agrahari Multimedia Institute of Animation	Near Ashoka Hotel, Mungali Garden, Rampur Road, City – Haldwani,	Ms. Beena Gupta
22.	16059	Faiz-e-aam college jaspur	Faiz-e-aam college, Jaspur, Disst U.S Nagar	Sh. Shahnawaz Ahmad
23.	16071	Govt. Degree College, Kotabagh	Vill. – Selsiya, Chak Dhauladi, Block – Kotabagh, City – Kotabagh, Distt.- Nainital	Dr. Bhuwan
24.	16072	Pt. Poornand Tiwari Government Degree College Doshapani	Pokhrad, P.O. – Pokhrad, Tehsil – Dhari, Distt. – Nainital, PIN – 263136	Dr. Alka Sharma
25.	16074	Oxford Academy	Near Hyundai Showroom, Kiccha Bypass road, Rudrapur (Practical Classes at Ark Hotel, Rudrapur Distt. - U.S.Nagar	Mr. Vinit Joshi
26.	16078	Uttarakhand Institute of Information Technology & Management	Bhagat Singh Chauk, Opposite- Puma Showroom,Sanatan Girls Inter College Road, Main Market, Rudrapur District- Udham Singh Nagar,	Ms. Sana Khan
27.	16081	Sri Sidha Nath Professional Education & Higher Studies Society	Vill.- Dhimri Block, P.O.- M.A. Singh, Chakki More, Distt.- U.S.Nagar, PIN -263160	Mr. Pushkar Singh Koshyari
28.	16085	Sant baba Fauja Singh Degree College	Vill.- Nanakpuri, P.O.- Darau,Tehsil- Kichha, Distt. - Udham Singh Nagar PIN – 263148	Mr. Rakesh Singh Yadav
29.	16087	Vivekanand Samojothan Samiti	G.I.C Road, City – Betalghat, Distt. – Nainital, PIN – 263134	Mr. Deep Chandra Rikhari
30.	16090	H.N.B. Govt. PG College Khatima	Near Telephone Exchange Khatima (U.S.Nagar)	Mr. Pankaj Kumar
31.	16094	J.N.Kaul Institute of Education, Bhimtal	S.O.S. J.N.Kaul Institute of Education, Tallital, Bhimtal, P.O. - Bhimtal, Distt. – Nainital,	Dr. Ranjana Ruhela
32.	16096	R.S.Dhillon Janta College, Mahadev Nagar	Vill. - Mahadev Nagar, Post- Dhakiya No. 1, Tehsil - Kashipur,	Mr. Amar Nath Mishra

			Distt. - U.S.Nagar	
33.	16097	Pal College of Technology & Management	R.T.O. Road, P.O. - Kusumkhera Tehsil - Haldwani, Distt. – Nainital,	Mr. Rakesh Dani
34.				
35.	16099	AIM Institute of Hotel Management	Bareilly Road, Goraparao, Haldwani Distt. Nainital, PIN – 263 139 (Uttarakhand)	Mr. Kamal Tiwari
36.	16100	Chanakya Law College, Rudrapur	Vill.- Bhamrola, P.O.- Bagwara, Kichha Road, Tehsil – Rudrapur, Distt. - U.S.Nagar	Dr. Deepakshi Joshi
37.	16101	Govt. Degree College Banbasa	Vill – Banbasa, P.O. – Chandani, Tehsil – Tanakpur, Distt.- Champawat,	Dr. Gurendra Singh
38.	16103	Dr. Susheela Tiwari Institute of Hotel Management	Shyam Vihar, Rampur Road, City – Haldwani, Distt. – Nainital PIN -263139	Mr. Kamlesh Harbola
39.	16104	Uttarakhand Ayurvedic College	Panchayat Ghar, Rampur road, City – Haldwani, Distt. – Nainital, PIN – 263139	Mr. Vimal Katiyar
40.	16105	Rudrapur College of Management & Technology	Vill.-Bhagwanpur Danpur,Post- Danpur, Tehsil – Rudrapur, Distt. – Udham Singh Nagar,	Mr. Amar Nath Verma
41.	16106	SARVAJAN SIKSHA SEWA SAMITI	Adarsh Colony, P.O. – Kathgodam, Tehsil – Haldwani, Distt. – Nainital,	Ms. Riddhi Sah
42.	16107	Dream Shaphers Institute of Management Studies, Haldwani	T-06, Phase -1, 3rd floor, Durga City Centre, City – Haldwani Distt. – Nainital	Sh. Kishan Bisht
43.	16108	DOON ACADEMY	Vill. - Gaujajali Uttar, P.O. - Old I.T.I. , Tehsil – Haldwani, Distt. – Nainital,	Sh. Hemant Sah
44.	16109	Tula Ram Raja Ram College, Kashipur	Tularam Rajaram Saraswati Vidya Mandir, City – Kashipur, Distt. – U.S.Nagar,	Sh. Suresh Chand Jha
45.	16111	Netcom Computer Education Centre	Netcom Computers, Mukhani Chauhara, Kaladhungi Road, City – Haldwani,	Ms. Neha S. Rajan
46.	16112	VIVEKA NAND VIDHYA MANDIR	Narayan Nagar, Bazpur Road, Near Radhe Hari P.G. College,– Kashipur, Distt. –Udham Singh Nagar,PIN- 244713	Sh. Satish Kumar Chauhan
47.	16113	UPKAR INSTITUTE	KHANDELWAL BHAWAN NAWABI ROAD	Sh. M.P.Singh

			HALDWANI	
48.	16114	U S R INDU SAMITI	VILL. -BASAI P.O. – PEERUMADARA, City - RAMNAGAR, Distt. – Nainital,	Sh. Dinesh Mathpal
49.	16115	INSTITUTE OF DISTANCE LEARNING	Block Office Haldwani, P.O. – Kathgharia, Tehsil – Haldwani, Distt. – Nainital,	Ms. Neera Pathak
50.	16116	Govt. Degree College Tanakpur	Govt. Degree College Tanakpur Distt- Champawat Pincode- 262309 (Uttarakhand)	Dr. Sunil Kumar Katiyar
51.	16117	Indira Priyadarshni Govt. P G Women Commerce College, Haldwani	Nawabi Road Haldwani Distt – Nainital Pin Code- 263139 Uttarakhand	Dr. Fakeer Singh
52.	16118	Govt. Degree College, Sitarganj	Village – Sisouna, Distt- Udham Singh Nagar, Pincode- 262405 (Uttarakhand)	Dr. Rajvinder Kaur
53.	16119	R L S Memorial Degree College	Village- Kishanpur, Tehsil- Jaspur Distt- Udham Singh Nagar-244712 (Uttarakhand)	Muhammad Salim
54.	16120	Govt. P G College, Village – Rani Nangal,	Fauzi Colony, Tehsil – Bazpur Distt- Udham Singh Nagar- Pin Code-262401 (Uttarakhand)	Dr. Satya Prakash Sharma
55.	16121	Dr. Sushila Tiwari Private degree College, Chintimazra, Sitarganj	Dr. Sushila Tiwari Private degree College, Chintimazra, Sitarganj Post- Sitarganj, Distt- Udham Singh Nagar, Pincode- 242605	Dr. Shivendra
56.	16122	Govt. Degree College Patlot	Govt. Degree College Patlot Distt – Nainital Pin – 263157	Mr. Arun Kumar Singh

Region: Ranikhet (17)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	17007	Govt PG College Ranikhet	Govt. P.G. College Ranikhet Distt.- Almora Pin - 263645	Dr. Mukul Kumar
2.	17009	Governement College, Kalraon	G.I.C. Kalroan, P.O. Jairambakhal Via Ganai, City – Kalroan (Jairambakhal Chaukhutia) Distt. – Almora,	Dr. Manoj Kumar Singh
3.	17010	Infotech Technology	Maa Nanda Devi Complex, L.R.Shah Road , Almora PIN- 263601	Mrs Mili Latwal

4.	17013	Govt P.G.College Dwarahat	Govt. P.G. College Dwarahat, City – Dwarahat, Distt.- Almora, PIN – 263 653	Dr. Prem Prakash
5.	17019	Adarsh Institute Of Technology & Education	Upper Market, City - Karanprayag, Distt – Chamoli,	Mr. Laxman Singh Bisht
6.	17030	Government Degree College, Karanprayag	Government Degree College Karanprayag, Distt. – Chamoli,	Dr Gaurav Vashney
7.	17033	Himalayan Institute of Education & Technology	Village & PO Jilasu Via Langasu, Distt. – Chamoli PIN – 246444	Dr. Surendra Prasad Dimri
8.	17034	Dharohar Vikas Sansthan	Vill. - Chausala, PO- Dhauladevi, Distt-Almora,	Mr.Dev Chandra Pandey
9.	17035	Adarash College Suraikhet	Adarsh College, Vill. & P.O. – Bitholi, City - Dwarahat, Distt. – Almora,	Mr. Anil Kumar Pant
10.	17040	Kumaun Institute of Education and Techonology(RISE)	Near – GGIC Almora, Mall Road, Oppo. – Nariman Petrol Pump, City & Distt. – Almora,	Smt. Hema Chamyal
11.	17045	NEITS	Ground Floor, P.N.B. Chaughanpata, Mall Road, City & Distt. – Almora	Mr. Sambhu Datt Joshi
12.	17052	Nachiketa Institute of Education & Technology	Nachiketa Institute of Education & Technology, Doonagiri Road, City – Dwarahat, Distt. - Almora	Mr. Yogesh Mainali
13.	17056	'Seedlings' Study Centre	Vill.- Kama, P.O.- Bagwalipokhar, Almora, Distt. – Almora, PIN – 263601	Mr. Mukesh Pant
14.	17058	Nav Nirman Educational Centre	Nav Nirman Educational Centre, C/O Shivalic Public School Rashtriya Rajmarg, Badrinath Road, Gauchar, Distt. Chamoli, Pin – 246444	Mr. Bhagwati Prasad Thapliyal
15.	17060	Zonal Education Development Society	Patal Devi Road, Bakshi Khola, City &Distt. – Almora, PIN – 263601	Ms. Sangeeta Joshi
16.	17062	Govt. Degree College Chaukhutiya	P.O.- Chaukhutia (Ganai) Distt.- Almora, PIN - 263656	Dr. Siraj Ahmad
17.	17063	Government Degree Collerge, Gairsain (Chamoli), Chamoli	Govt. Degree College Gairsain Garkande, Distt. – Chamoli PIN – 246428 (Uttarakhand)	Dr. Shiv Narayan Sidh
18.	17064	Society for Application of Science & Technology for Rural Advancement	Kalika Ranikhet	Mr. Govind Singh Kirola
19.	17065	Govt. Degree College, Almora	Address- Bhatronjkhan Distt- Almora Pin Code- 263646	Dr. Ajay Kumar

20.	17066	Govt. PG College, Almora	Govt. PG College. Address- Manila Distt- Almora Pin Code- 263667	Dr. Yogesh Chandra

Region: Pithoragarh (18)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	18001	I.D. Pant Study Centre, Pithrogarh	Kedar Colony (Near New Stadium) Pithrogarh,	Mr. Kushal Singh Samant
2.	18002	Govt. P.G. College, Pithoragarh	L.S.M. Govt. P.G. College, Post – Degree College, Pithoragarh	Dr.R.S. Adhikari
3.	18004	Govt. P.G. College, Narayan Nagar	Post - Narayan Nagar, Tehsil – Didihat, Distt-Pithoragarh,	Dr. R.N. Pandey
4.	18005	Sayuankt Vikas Evam Pryavaran Kalayan Samiti, Nachni, Pithoragarh	Vill- Nachani Post-Nachani Distt-Pithoragarh	Mr. Laxmi Dutt Pathak
5.	18006	S.M.C., Gangolihat Pithoragarh	Post- Gangolihat Tehsil-Gangolihat Distt Pithoragarh	Mr. Dev Singh Brithwal
6.	18007	Care Computers	GIC Link Road Tiraha, Pithoragarh	Mr. Pankaj Joshi
7.	18011	Govt. P.G. College Lohaghat	Vill. Chori, Lohaghat, Distt. Champawat,	Dr. Dharmendra Rathod
8.	18021	Mahatma Gandhi Nature Cure & Yoga	Vill-Kaflang, P.O. Dudhpokhra, Distt-Champawat	Dr. Salila Tewari
9.	18025	G.C., Muwani	Post - Muwani, Distt. Pithoragarh, PIN – 262 552	Smt. Yashoda kandpal
10.	18026	Himalayan Study Circle for Enviornmental Child Education Health Research	Himalaya Bhawan, GIC Road, Pandey Gaon, Pithoragarh,	Dr. Dinesh Joshi
11.	18029	Govt. Degree College Champawat	Fulara Gaon, Champawat, Distt.Champawat, PIN - 262523	Dr. B.P.Oli
12.	18031	Govt. Degree College Baluwakote	Post – Baluwakote, Tehsil Dharchula , Distt. Pithoragarh,	Dr. Atul Chand
13.	18032	Govt. PG College Berinag	Berinag, Distt.- Pithoragarh, PIN – 262531	Dr. Jyoti Niwas Pant
14.	18033	Govt. Degree College Gangolihat	Gangolihat, P.O. & Tehsil – Gangolihat, Distt. Pithoragarh,	Dr. Bharat Singh
15.	18034	J B Manas Academy, Pithoragarh	J.B. Memorial Manas Academy, Manas Vihar Daula, Pithoragarh,	Mr. Devendra Kumar Pandey
16.	18035	Govt. Degree College, Pithoragarh	Govt. Degree College Address- Ganai Gangoli Distt- Pithoragarh Pin- 262532	Dr. Munesh Kumar Pathak
17.	18036	Govt. Degree College, Pithoragarh	Govt. Degree College, Address-	Dr. Ashish Kumar Gupta

			Muwani Distt- Pithoragarh Pin-262572	
18.	18037	Govt. Degree College, Champawat	Govt. Degree College, Amodi Distt- Champawat Pin- 262523	Dr. Sanjay Kumar

Region: Bageshwar (19)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	19001	Govt PG College Bageshwar	G.P.G.CollegeBageshwar Kathayatbara Bageshwar	Dr Sharad Bhatt
2.	19005	G.C., Kapkote	Govt Adersh InterCollege Kapkot Post- Kapkot Tahsil- Kapkot Distt. - Bageshwar	Mr Umed Singh Aithani
3.	19011	V.M.J.S Government College	VMJS GIC Bageshwar, City & PO – Bageshwar, Distt. – Bageshwar, PIN – 263642	Mr. Deep Chandra Joshi
4.	19012	G.C., Badiyakote	Govt Inter College Badiyakote Post-Badiyakote Tahsil - Kapkot Distt. - Bageshwar	Mr. Trilok Singh Bisht
5.	19016	Late Chandra Singh Sahi Government Degree College	Late Chandra Singh Shahi Govt Degree College Kapkot Post- Ason, Kapkot Tahsil- Kapkot Distt. - Bageshwar	Dr. Munna Joshi
6.	19018	Govt. College, Wajula	Late Padam Singh Parihar Govt. Inter College Wajula Post- Wajula Tahasil- Garur Distt. - Bageshwar	Mr. Mohan Singh Bisht
7.	19020	Govt. College Tuper	Govt Inter College Tuper Post- Tuper Tahsil- Bageshwar Dist- Bageshwar	Sh. K.R.Arya

8.	19021	Society for Application of Science & Technology for Rural Advancement	Near Agnikund pull Bageshwar	Ms. Neelam Rautela
9.	19022	Govt. Degree College, Kanda	Govt. Degree College, Kanda Distt- Bageshwar Pin Code- 263631	Dinesh Joshi
10.	19023	Govt. PG College Talwari	Govt. PG College Talwari Tharali Distt- Chamoli Pin Code- 246482	Dr. R. S. Rawat
11.	19024	Govt. Degree College Garur, Bageshwar	Govt. Degree College Garur Distt- Bageshwar Pin Code- 263641	Dr. Awadesh Tewari

क्रम संख्या - 137 (ख)

पंजीकृत संख्या- यू.ए./डी.एन.-30/03
लाइसेन्स टू पोस्ट विदाउट प्रीपेमेन्ट

उत्तरांचल शासन

सरकारी गजट , उत्तरांचल

उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग-1, खण्ड (क)

(उत्तरांचल अधिनियम)

देहरादून, सोमवार, 31 अक्टूबर, 2005 ई.

कार्तिक 09, 1927 शक सम्वत्

उत्तरांचल शासन

विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग

संख्या 608/विधायी एवं संसदीय कार्य/ 2005

देहरादून, 31 अक्टूबर, 2005

अधिसूचना

विविध

"भारत का संविधान" के अनुच्छेद 200 के अधीन महामहिम राज्यपाल ने उत्तरांचलविधान सभा द्वारा पारित उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय विधेयक, 2005 परदिनांक 27 अक्टूबर, 2005 के रूप में सर्व-साधारण की सूचनार्थ इस अधिसूचना द्वारा प्रकाशित किया जाता है।"

उत्तरांचल मुक्तविश्वविद्यालय अधिनियम, 2005

(अधिनियम संख्या 23, वर्ष 2005)